

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 48 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 14 अक्टूबर 2026(बुधवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

सिंगरौली बैंक लूटकांड का कथित मास्टरमाइंड गिरफ्तार



महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिंगरौली। मध्य प्रदेश के सिंगरौली स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र लूटकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने वारदात के कथित मास्टरमाइंड पीयूष जायसवाल (26) को गिरफ्तार किया है। बिहार के पटना निवासी पीयूष को ओडिशा की जेल से प्रोडक्शन वारंट पर सिंगरौली लाया गया है। पुलिस उससे गिरोह के नेटवर्क और लूटे गए सोने के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार, 17 अप्रैल 2026 को बैढ़न स्थित बैंक में पांच हथियारबंद बदमाशों ने लूटपाट की थी। बदमाश करीब 15 करोड़ रुपये मूल्य का सोना और 20 लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गए थे। बैंक मैनेजर के साथ मारपीट कर उनके सिर पर बंदूक की बट से हमला किया गया था।

ज़मीन पर किसान पानी के लिए जूझ रहे हैं और दिल्ली को अवॉर्ड मिल रहे हैं

क्या छोटाउदेपुर के आदिवासी किसानों का दर्द कभी सरकार के दरबार तक पहुंचेगा?

छोटा उदेपुर की असलियत और सरकार की तारीफ़ के बीच का फ़र्क!

कागज़ पर सिंचाई क्रांति के दावे और दिल्ली में नेशनल सम्मान

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

छोटा उदेपुर/नई दिल्ली। गुजरात में सरकारी आंकड़ों की माया और ज़मीनी हकीकत में कितना बड़ा फ़र्क है, इसका सबसे बड़ा उदाहरण हाल ही में छोटा उदेपुर ज़िले से सामने आया है। एक तरफ़, राजधानी नई दिल्ली में केंद्र सरकार ने छोटा उदेपुर ज़िले के एडमिनिस्ट्रेशन को सिंचाई और खेती के क्षेत्र में बेहतरीन काम के लिए नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया है, वहीं दूसरी तरफ़, आदिवासी बाहुल्य छोटा उदेपुर ज़िले के दूर-दराज़ के इलाकों में किसान ऊबड़-खाबड़ और पथरीली ज़मीन पर पानी की एक-एक बूंद के लिए जूझ रहे हैं। कागज़ पर 'डेवलपमेंट' और किसानों के आंसुओं के बीच इस फ़र्क ने खूब चर्चा बटोरी है। दिल्ली पर अवॉर्ड्स की बारिश हो रही है, लेकिन किसानों के खेत सूखे हैं! हाल ही में, नई दिल्ली में हुए एक बड़े फंक्शन में, छोटा उदयपुर ज़िले को 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' के तहत सिंचाई और खेती के इंफ्रास्ट्रक्चर के डेवलपमेंट में सबसे अच्छे काम के लिए नेशनल अवॉर्ड दिया गया। दिल्ली के मंच से बड़े-बड़े दावे किए गए कि आदिवासी इलाकों में सिंचाई क्रांति आई है और किसान खुशहाल हो रहे हैं। लेकिन, असलियत इससे बिल्कुल उलट है। छोटा उदयपुर ज़िले के पावी जेतपुर, क्वांट, संखेड़ा, बोडेली या नसवाड़ी जैसे तालुका के कई ग्रामीण इलाकों में आज भी किसानों के पास सिंचाई के लिए काफ़ी पानी नहीं है। नॉन-मॉनसून सीज़न में, कुओं और बोरिंग के तल पूरी तरह सूख जाते हैं, जिससे कई किसानों को अपने खेतों में सिर्फ़ बारिश पर निर्भर रहना पड़ता है। सिंचाई की पक्की सुविधाओं की कमी के कारण आदिवासी किसान दिवालिया हो रहे हैं।

कागज़ पर बनी योजनाओं और ज़मीनी हकीकत का ध्यान कौन रखेगा?

इस बात को लेकर लोकल किसानों और जागरूक नागरिकों में बहुत गुस्सा देखा जा रहा है। किसानों का कहना है कि अगर छोटा उदेपुर में सिंचाई के क्षेत्र में सच में क्रांति आई है, तो फिर हर साल फसलें क्यों खराब होती हैं या पानी के बिना खेत क्यों सूख जाते हैं? कमज़ोर सिंचाई पाइपलाइन और अधूरी नहरें: ज़्यादातर दूर के इलाकों में नर्मदा या दूसरे सिंचाई प्रोजेक्ट का पानी दूर के खेतों तक नहीं पहुँचता। चेक डैम और झीलों की दुर्दशा: करोड़ों रुपये की लागत से कागज़ पर बने चेक डैम गाद से भरे हैं या टूटी-फूटी हालत में हैं, जिनमें पानी जमा ही नहीं होता।

जनता के ज्वलंत सवाल: दिल्ली के अवॉर्ड असली हैं या किसानों का झूठ?

अब दिल्ली में अवॉर्ड लेकर वाहवाही बटोरने वाले अधिकारियों और नेताओं से सवाल उठ रहे हैं:



1. अगर सिंचाई की बेहतरीन सुविधाएँ हैं, तो छोटा उदेपुर के किसान आज भी महंगा डीज़ल डालकर ट्यूबवेल पर क्यों गुज़ारा कर रहे हैं?

2. दिल्ली में सम्मान पाने वाला प्रशासन कब ज़मीन पर उतरकर असली आदिवासी किसानों की तकलीफ़ देखेगा? भले ही दिल्ली दरबार में प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार हैं, लेकिन ऐसे पुरस्कार तब तक कागज के टुकड़े ही माने जाएंगे जब तक छोटा उदयपुर के किसानों के खेतों तक सिंचाई का पानी नहीं पहुंच जाता।

ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण पर कानूनी रणनीति बनाने में जुटी मध्य प्रदेश सरकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के मामले में राज्य सरकार ने आगे की कानूनी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को नई दिल्ली में भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से मुलाकात की। बैठक में प्रदेश के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान हाईकोर्ट के फैसले से जुड़े कानूनी पहलुओं और आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए बताया कि बैठक में ओबीसी आरक्षण को लेकर उच्च न्यायालय के निर्णय और आगामी कानूनी कार्यवाही पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।



राहुल गांधी बोले- ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा हमारा मिशन, दो साल तक जारी रहेगा आंदोलन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्षी दलों के गठबंधन की बैठक राहुल गांधी के आवास पर हुई। करीब दो घंटे चली बैठक के बाद विपक्षी नेता एक साथ मीडिया के सामने आए। राहुल गांधी ने कहा कि ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लेना विपक्ष का मिशन है और इसके लिए आंदोलन समय की परवाह किए बिना जारी रहेगा। राहुल गांधी ने कहा कि आंदोलन में एक दिन, एक साल या दो साल भी लग जाएं, विपक्ष पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल करने के लिए अंत तक संघर्ष करेगा। उनके मुताबिक, जिस ऊर्जा और एकजुटता के साथ अब तक आंदोलन चलाया गया है, उसी भावना के साथ आगे भी लड़ाई जारी रखी जाएगी। पिछले आठ दिनों में विपक्षी नेताओं की यह छठी बैठक थी। इसमें सुप्रिया सुले, डी. राजा, तेजस्वी यादव, मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस सांसद के. सुरेश सहित कई नेता शामिल हुए। बैठक में चुनावी प्रक्रिया, विरोध-प्रदर्शन के अधिकार और लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। लोकतंत्र को छीन रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जंतर-मंतर पर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने के अधिकार को सीमित करने का फैसला कर लिया है।



फ्रांस में 480 से ज्यादा सुपरमार्केट के फ्रिज-फ्रीजर पर साइबर हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पेरिस। फ्रांस में सोमवार को सैकड़ों सुपरमार्केट के रेफ्रिजरेशन सिस्टम पर बड़े साइबर हमले का मामला सामने आया। इस हमले में 480 से अधिक दुकानों के फ्रिज और फ्रीजर प्रभावित हुए। रिपोर्टों के मुताबिक, कई स्टोरों में इनका तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे ताजा और जमा हुआ खाद्य सामान खराब हो गया। कुछ दुकानों में आग लगने की घटनाएं भी सामने आईं। फ्रांस की खुदरा कंपनियों ने इसे गंभीर घटना बताते हुए चिंता जताई है। फ्रांसीसी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, हैकरों ने कई दुकानों के रेफ्रिजरेशन सिस्टम को डीफ्रॉस्टिंग मोड में डाल दिया। इस प्रक्रिया में फ्रिज और फ्रीजर में जमी बर्फ पिघलने लगती है। इससे तापमान बढ़ गया और खाद्य सामग्री को सुरक्षित रखने की व्यवस्था प्रभावित हुई। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबास्टियन लेकोर्नू ने राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा एजेंसी को मामले की जांच करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारी यह भी पता लगा रहे हैं कि साइबर हमले का असर दूसरे यूरोपीय देशों की कंपनियों पर तो नहीं पड़ा। पेरिस अभियोजन कार्यालय ने इसे बड़े स्तर का हमला बताया है।



महानगर मेट्रो की एग्जिट पोल भविष्यवाणी अक्षरश: सही साबित: गांधीनगर मनपा में बीजेपी की भव्य जीत, 'आप' का सूपड़ा साफ!

प्रधानमंत्री मोदी को पांच पन्नों का पत्र लिखकर जिम्मेदारियों से मुक्त करने का अनुरोध किया

'हमने जो कहा था, वही इतिहास रचा गया!' : 11 अक्टूबर को जारी हुआ 'महानगर मेट्रो' का एग्जिट पोल बिल्कुल सटीक साबित हुआ; बीजेपी ने 38 सीटों के साथ सत्ता बरकरार रखी, जबकि 'आप' खाता भी नहीं खोल सकी!

जनता के मूड को पहचानने में 'महानगर मेट्रो' हमेशा अव्वल!

चुनाव के माहौल के बीच जब बड़े-बड़े सर्वेक्षण और एजेंसियां भ्रमित होती हैं, तब 'महानगर मेट्रो न्यूज़' की सटीक पत्रकारिता और ग्राउंड रिपोर्टिंग टीम द्वारा जो हकीकत लोगों के सामने रखी गई थी, उसने एक बार फिर साबित कर दिया है कि हमारा माध्यम जनता की सच्ची आवाज को पहचानता है। सत्य और तथ्यों के साथ जनता तक सटीक खबरें पहुंचाने की हमारी यह परंपरा हमेशा बनी रहेगी। गांधीनगर की जनता ने एक बार फिर पारदर्शी और मजबूत नेतृत्व को चुना है, ऐसे में 'महानगर मेट्रो' सभी विजेताओं को बधाई देता है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर महानगर पालिका चुनाव के आज आए आधिकारिक परिणामों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि पत्रकारिता और जनता की नब्ज़ टटोलने में यदि कोई सबसे आगे है, तो वह केवल 'महानगर मेट्रो न्यूज़' है। गत 11 अक्टूबर 2026 को 'महानगर मेट्रो' न्यूज़पेपर द्वारा अपने विशेष एग्जिट पोल में जो आंकड़े जारी किए गए थे, आज मतगणना के अंत में आए असली परिणामों ने बिल्कुल उन्हीं आंकड़ों पर अपनी मुहर लगा दी है। हमारा सटीक विश्लेषण एक बार फिर सौ प्रतिशत सही साबित हुआ है!

'महानगर मेट्रो' के एग्जिट पोल और असली परिणामों की तुलना

आपके लोकप्रिय समाचार पत्र 'महानगर मेट्रो न्यूज़' द्वारा 11/10/2026 के अंक में जो अनुमान लगाया गया था, उसकी तुलना इस प्रकार है

भारतीय जनता पार्टी: महानगर मेट्रो का अनुमान 32 से 36 सीटों का था, जबकि बीजेपी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 38 सीटें हासिल की हैं!

कांग्रेस: कांग्रेस के लिए अनुमान 6 या उसके आसपास सीटों का था, और परिणामों में कांग्रेस को 5 सीटों से ही संतोष करना पड़ा है।

निर्दलीय: अनुमान के मुताबिक 1 सीट निर्दलीय के खाते में जाने की बात थी, जो बिल्कुल सही साबित हुई है और 1 सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार विजेता बने हैं।

आम आदमी पार्टी: 'आप' पार्टी गांधीनगर में अपना खाता भी नहीं खोल सकेगी, यह हमारी स्पष्ट धारणा थी। वास्तविक परिणाम में भी आम आदमी पार्टी का पूरी तरह सूपड़ा साफ हो गया है और वह खाता भी नहीं खोल सकी है!

गांधीनगर में बीजेपी का परचम, कांग्रेस पांच सीटों पर सीमित

राज्य चुनाव आयोग द्वारा जारी अधिकृत आंकड़ों के अनुसार, गांधीनगर मनपा के 11 वार्डों की कुल 44 सीटों के लिए चुनाव आयोजित किए गए थे। जिसमें सत्तारूढ़ बीजेपी ने 38 सीटें हासिल करके स्पष्ट बहुमत के साथ अपनी सत्ता बरकरार रखी है। वहीं मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को केवल 5 सीटों से संतोष करना पड़ा है। पिछले 2021 के चुनाव में बीजेपी ने 41 सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस ने 2 और आप ने 1 सीट हासिल की थी। इस बार 'आप' का पूरी तरह सफाया हो गया है और वे एक भी सीट नहीं जीत सके हैं।

रियाद, जेद्दा, दम्माम और मदीना जाने वाले यात्रियों को यात्रा से पहले उड़ान की स्थिति जांचने की सलाह, टिकट रद्द होने पर एअर इंडिया देगी पूरा पैसा वापस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बीच इंडिगो और एअर इंडिया ने सऊदी अरब जाने वाली अपनी उड़ानें 17 अक्टूबर तक रद्द कर दी हैं। मंगलवार को जारी सलाह में दोनों एयरलाइंस ने यात्रियों से कहा कि वे रियाद, जेद्दा, दम्माम और मदीना जाने के लिए घर से निकलने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जरूर जांच लें। उड़ान की पुष्टि किए बिना हवाई अड्डे पर नहीं पहुंचने की सलाह भी दी गई है। जानकारी के अनुसार, यह फैसला क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा



जोखिमों को देखते हुए लिया गया है। खबरों में यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से सऊदी अरब पर मिसाइल और ड्रोन हमलों का उल्लेख किया गया है। शनिवार और रविवार को रियाद के मुख्य हवाई अड्डे तथा दम्माम के आसपास हमलों की खबरों के बाद हवाई यातायात प्रभावित होने की बात कही गई है। देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो ने रियाद, जेद्दा, दम्माम और मदीना जाने वाली उड़ानें 17 अक्टूबर तक रोकने की जानकारी दी है। कंपनी ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे हवाई अड्डे के लिए रवाना होने से पहले अपनी उड़ान का नवीनतम विवरण आधिकारिक वेबसाइट पर देख लें। एयरलाइन के अनुसार, प्रभावित यात्रियों को फोन और ईमेल के जरिए भी जानकारी भेजी जा रही है। एअर इंडिया ने भी सामाजिक माध्यम पर जानकारी साझा करते हुए रियाद, दम्माम और जेद्दा जाने वाली अपनी उड़ानों को 17 अक्टूबर तक रद्द रखने की बात कही है।

एसआईआर को लोकप्रियता से जोड़ने के बजाय आत्ममंथन करें राहुल, गांधीनगर में भाजपा ने 44 में से 38 सीटें जीतीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात के निकाय चुनावों में भाजपा की जीत के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता से जोड़ने के बजाय आत्ममंथन करना चाहिए। शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी एसआईआर के जरिए घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं और उनकी ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच कमजोर है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस को 2029 के लोकसभा चुनाव में भी हार के लिए तैयार रहना चाहिए। अमित शाह ने कहा कि गुजरात के मतदाताओं ने एक बार फिर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भरोसा जताया है। गांधीनगर नगर निगम की 44 सीटों में से भाजपा ने 38 सीटों पर जीत दर्ज की। उनके अनुसार, पिछले चुनाव के मुकाबले भाजपा का मत प्रतिशत भी 10 प्रतिशत बढ़ा है। गुजरात की कुल 104 सीटों में भाजपा ने 90 सीटें जीतने का दावा किया। शाह ने कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी गुजरात में लंबे समय से चुनावी जीत हासिल नहीं कर पाई है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस की आखिरी जीत 1985 में हुई थी। आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि पार्टी ने गांधीनगर की सभी 32 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन उसे किसी भी सीट पर जीत नहीं मिली और सभी सीटों पर उसकी जमानत जब्त हो गई। अमित शाह ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में हुए उपचुनावों का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस इन चुनावों में कोई सीट नहीं जीत सकी। उनके मुताबिक, पश्चिम बंगाल के नाओगांव में भाजपा ने 1.42 लाख वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। नंदीग्राम में भाजपा उम्मीदवार को 76 प्रतिशत वोट मिले और 1.22 लाख मतों की बढ़त हासिल हुई। वहीं,



रेजिनगर में भाजपा ने 75 हजार से अधिक वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। शाह ने पुडुचेरी के परिणाम का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगी दल एआईएनआरसी के उम्मीदवार ने 8,482 वोटों से जीत हासिल की, जबकि कांग्रेस को 22 प्रतिशत वोट मिले।गुजरात निकाय चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन को शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनता के भरोसे का संकेत बताया।

पंजाब में एंटी-ड्रग कार्यकर्ता परविंदर झोटा की गोली मारकर हत्या, मेडिकल स्टोर पर हुआ था विवाद



महानगर मेट्रो ब्यूरो

मानसा। पंजाब के मानसा में नशे के खिलाफ अभियान चलाने वाले कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की मंगलवार सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना से पहले झोटा फेसबुक पर लाइव आए थे और एक मेडिकल स्टोर पर पहुंचे थे। वहां उन्होंने आरोप लगाया कि दुकानदार दवाओं की आड़ में नशीले पदार्थ बेच रहा है। इसी बात को लेकर उनकी केमिस्ट अश्विनी से बहस हो गई। आरोप है कि विवाद के दौरान अश्विनी ने झोटा पर तीन गोलियां चला दीं। घटना में झोटा के चार साथियों के भी गोली लगने की जानकारी सामने आई है। प्रत्यक्ष घटनाक्रम के अनुसार, झोटा को उनके साथी अस्पताल ले जाने लगे तो मेडिकल स्टोर का मालिक हाथ में पिस्तौल लेकर उनके पीछे दौड़ा। कुछ देर बाद वह दुकान बंद कर वहां से फरार हो गया। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। परविंदर झोटा की हत्या की खबर फैलते ही उनके समर्थक और परिजन सिविल अस्पताल के बाहर जमा हो गए। आक्रोशित लोगों ने मानसा शहर बंद करने का ऐलान किया और आरोपी की गिरफ्तारी होने तक अंतिम संस्कार नहीं करने की बात कही। प्रदर्शन के दौरान गुस्साए लोगों ने आरोपी की दुकान में तोड़फोड़ भी की। समर्थकों ने 15 अक्टूबर को पंजाब बंद का आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान और पुलिस महानिदेशक के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की भी मांग उठाई है। पुलिस के मुताबिक, परविंदर झोटा और मेडिकल स्टोर संचालक के बीच पहले से विवाद चल रहा था। वर्ष 2023 में झोटा ने कथित तौर पर नशा बेचने के आरोप में इसी दुकानदार के गले में जूतों की माला डालकर उसे घुमाया था। पुलिस इस पुरानी रंजिश को भी हत्या की जांच में ध्यान में रख रही है। मानसा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वैभव चौधरी ने बताया कि मुख्य आरोपी की तलाश की जा रही है। मामले में आरोपी के एक साथी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसके परिवार के सदस्यों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सुरेंद्रनगर में आशा वर्कर्स और फैसिलिटेटर्स- मिनिमम वेज के मुद्दे पर कलेक्टर ऑफिस तक बड़ी रैली निकाली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुरेंद्रनगर। पूरे राज्य में अपनी अच्छी हेल्थ सर्विस देने के बावजूद, आशा वर्कर्स और फैसिलिटेटर्स को सही मुआवजा या इंसाफ नहीं मिल रहा है, उनका गुस्सा अब चरम पर पहुंच गया है। सैकड़ों आशा वर्कर्स और फैसिलिटेटर्स ने आज अपने हक और अधिकार के लिए सुरेंद्रनगर में विरोध प्रदर्शन किया। बहनों ने मिनिमम वेज समेत लंबे समय से पेंडिंग मुद्दों के हल की मांग को लेकर कलेक्टर ऑफिस तक एक बड़ी और गुस्से भरी रैली निकाली और शांतिपूर्ण लेकिन कड़ा विरोध दर्ज कराया। सरकार के हेल्थ सेक्टर का आधार मानी जाने वाली आशा वर्कर्स दिन-रात अपनी ड्यूटी करती हैं, फिर भी उन्हें ठीक-ठाक और सम्मानजनक वेतन नहीं मिलता। लंबे समय से अपनी मांगें रखने के बावजूद, एडमिनिस्ट्रेशन और सरकारी अधिकारियों ने उन्हें सिर्फ भरोसा दिया है। कलेक्टर ऑफिस पहुंचकर बहनों ने साफ कहा कि अब अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और एडमिनिस्ट्रेशन इस मामले में जल्द से जल्द न्याय करे महिला शक्ति सेना की प्रेसिडेंट चंद्रिका सोलंकी और आंदोलन का नेतृत्व कर रही आशा वर्कर्स ने सरकार और एडमिनिस्ट्रेशन को साफ चेतावनी देते हुए कहा है– 'अगले महीने की 30 तारीख तक का समय एडमिनिस्ट्रेशन को दिया गया है। अगर सरकार इस तय समय सीमा के अंदर कोई संतोषजनक या उचित फैसला नहीं लेती है, तो आंदोलन सिर्फ सुरेंद्रनगर तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे राज्य में सरकारी दफ्तरों के खिलाफ और मजबूत, उग्र और उग्र रूप लेगा! 'हिलाओं के इस गुस्से से जिला एडमिनिस्ट्रेशन में हलचल मच गई है। कम वेतन पर मेहनत करने वाली इन बहनों का सब्र अब जवाब दे रहा है।



एक और आरोपी डॉ. अनुज माहेश्वरी गिरफ्तार, डॉ. निराली वसावा अभी भी पुलिस कस्टडी से फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सूरत के नए सिविल हॉस्पिटल के कैंपस में PG हॉस्टल में रेजिडेंट डॉक्टर डॉ. हर्ष पंड्या के चौंकाने वाले और दिल दहला देने वाले सुसाइड केस में पुलिस की जांच बहुत तेज हो गई है। खटोदरा पुलिस जूनियर डॉक्टर को टॉर्चर करने और रैगिंग करने वाले आरोपियों पर शिकंजा कस रही है। इस केस में पहले दो महिला डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद अब एक और आरोपी डॉक्टर पुलिस के हत्थे चढ़ गया है, जबकि एक और महिला डॉक्टर अभी भी फरार है, इसलिए पुलिस टीमें उसकी गहनता से तलाश कर रही हैं। सुसाइड केस में पुलिस की जांच बहुत तेज हो गई है। खटोदरा पुलिस जूनियर डॉक्टर को टॉर्चर करने और रैगिंग करने वाले आरोपियों पर शिकंजा कस रही है। इस केस में पहले दो महिला डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद अब एक और आरोपी डॉक्टर पुलिस के हत्थे चढ़ गया है, जबकि एक और महिला डॉक्टर अभी भी फरार है, इसलिए पुलिस टीमें उसकी गहनता से तलाश कर रही हैं। सूरत के नए सिविल हॉस्पिटल के कैंपस में PG हॉस्टल में रेजिडेंट डॉक्टर डॉ. हर्ष पंड्या के सुसाइड केस में पुलिस की जांच बहुत तेज हो गई है। इससे पहले इसी मामले में पुलिस दो महिला आरोपी डॉक्टरों डॉ. दीक्षिता घेवरिया और डॉ. हीना भूत को भी गिरफ्तार कर चुकी है।

नडियाद बस स्टैंड पर आतंक मचाने वाली कुख्यात महिला तस्करों की जोड़ी सलाखों के पीछ

महानगर मेट्रो ब्यूर

नडियाद। गुजरात में बस स्टैंड और भीड़भाड़ वाली सार्वजनिक जगहों पर यात्रियों पर ध्यान दिए बिना अक्सर सोने-चांदी के गहने चुराने या छीनने वाले गिरोहों पर अब पुलिस ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। नडियाद के व्यस्त बस स्टैंड पर यात्रियों की भीड़ का फायदा उठाकर, नडियाद टाउन पुलिस ने कुख्यात महिला चोरों की एक जोड़ी को पकड़ा है, जिन्होंने एक मासूम महिला के गले से सोने का हार छीन लिया और फरार हो गईं। पुलिस ने आरोपियों से चोरी का माल भी जब्त कर लिया है मिली जानकारी के मुताबिक, जब नडियाद बस स्टैंड पर यात्रियों की भीड़-भाड़ के बीच एक महिला बस में चढ़ रही थी, तो पहले से रेकी कर रही दो शातिर महिला तस्करों की नज़र उस पर पड़ी। पलक झपकते ही इन महिलाओं ने महिला के गले से तुलसी की माला वाला कीमती सोने का हार छीन लिया और वहां से भागने वाली थीं। अचानक हुई इस घटना से पीड़िता बेहोश हो गई और बस स्टैंड पर हंगामा मच गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए, नडियाद टाउन पुलिस स्टेशन की टीम तुरंत एक्शन मोड में आ गई और CCTV फुटेज और ह्यूमन इंटेलिजेंस (मुखबिरों) के आधार पर जांच शुरू कर दी। पुलिस की सख्त और सतर्क कार्रवाई का नतीजा यह हुआ कि पुलिस ने कुछ ही घंटों में इस जुर्म को अंजाम देने वाली दोनों महिला आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज के 25 शानदार साल पूरे होने के मौके पर अहमदाबाद ईस्ट ज़ोन में एक बड़ा 'सेवा सेतु' प्रोग्राम हुआ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। देश के पॉपुलर और यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी साहेब की जनसेवा, सुशासन और देश के प्रति समर्पण के 25 शानदार साल पूरे होने के ऐतिहासिक मौके पर पूरे राज्य में उत्साह का माहौल है। इस खास मौके पर अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (AMC) की तरफ से ईस्ट ज़ोन में 'सेवा, संकल्प और समर्पण अभियान' के तहत एक बहुत बड़ा और शानदार जॉइंट 'सेवा सेतु' प्रोग्राम हुआ। निकोल और अमराईवाड़ी विधानसभा क्षेत्र के पूर्वी ज़ोन के निकोल, विराटनगर, ओधव, अमराईवाड़ी, भाईपुरा-हाटकेश्वर, इंद्रपुरी, रामोल-हाथीजन और वस्त्राल वार्ड के लोगों के लिए आयोजित इस महासेवा सेतु प्रोग्राम को लेकर लोगों में बहुत उत्साह था। गुजरात BJP के प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदीशभाई विश्वकर्मा इस बड़े प्रोग्राम में खास तौर पर मौजूद थे। उनके आने से वहां मौजूद लोगों में बहुत उत्साह और उमंग थी। प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 साल के सुशासन और विकास के इतिहास की तारीफ करते हुए लोगों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का फायदा जल्दी पहुंचाने पर जोर दिया। प्रोग्राम का उद्घाटन करने के लिए अहमदाबाद के पहले नागरिक, मेयर श्री हितेशभाई बारोट, स्टैंडिंग कमेटी के सफल चेयरमैन श्री कमलेश पटेल, जनरल सेक्रेटरी श्री गौतमभाई कथीरिया के साथ-साथ AMC के पदाधिकारी, कॉर्पोरेटर और कई बड़े लोग मौजूद थे और प्रोग्राम की रौनक बढ़ा रहे थे। ईस्ट ज़ोन के सभी आठ वार्ड से आए लोगों ने प्रधानमंत्री के अच्छे शासन और AMC की इस पब्लिक वेलफेयर पहल पर खुशी ज़ाहिर की और एडमिनिस्ट्रेशन को धन्यवाद दिया।



बाइक टकराई, गुस्सा भड़का और सड़क पर भिड़ गए दो गुट; वराछा में मची अफरा-तफरी

छोटी-सी टक्कर से बढ़ा विवाद, दोनों तरफ से जुटे लोग; बुजुर्गों ने संभाली स्थिति

सूरत के शिवपार्क में मामूली विवाद ने पकड़ा तूल, एम्ब्रॉयडरी कारीगरों के दो गुटों में मारपीट

वराछा में बाइक की टक्कर बनी झगड़े की वजह, मारपीट के बीच पुलिस को बुलाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

सूरत। गुजरात के सूरत शहर के वराछा इलाके में बाइक की टक्कर जैसी मामूली बात को लेकर दो गुटों के बीच विवाद बढ़ गया। घनश्यामनगर के पास शिवपार्क क्षेत्र में एम्ब्रॉयडरी के काम से जुड़े कारीगरों के बीच शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। विवाद बढ़ने के बाद दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि झगड़े के दौरान दोनों तरफ से हाथापाई हुई और लाठी-डंडों का भी इस्तेमाल किया गया। अचानक हुए इस घटनाक्रम से आसपास के लोगों में चिंता फैल गई। स्थानीय लोगों ने स्थिति बिगड़ती देख पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी, लेकिन पुलिस टीम के मौके पर पहुंचने से पहले ही दोनों पक्षों के बुजुर्गों और अन्य लोगों ने हस्तक्षेप कर विवाद शांत करा दिया। जानकारी के अनुसार, वराछा के शिवपार्क इलाके में एम्ब्रॉयडरी विभाग में काम करने वाले कुछ कारीगरों के बीच बाइक की टक्कर को लेकर विवाद शुरू हुआ था। बताया जा रहा है कि देर रात सड़क से गुजरते समय दो पक्षों के लोगों के बीच बाइक टकराने को लेकर कहासुनी हो गई। शुरुआत में मामला दो लोगों के बीच ही था, लेकिन बातचीत के दौरान दोनों तरफ से बहस बढ़ती चली गई। मामूली टक्कर को लेकर शुरू हुआ विवाद जल्द ही व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप तक पहुंच गया और माहौल तनावपूर्ण हो गया। स्थानीय स्तर पर सामने आई जानकारी के मुताबिक, विवाद बढ़ने के बाद दोनों पक्षों के लोगों ने अपने परिचितों और साथियों को भी मौके पर बुला लिया। कुछ ही देर में वहां लोगों की भीड़ जमा होने लगी। इसके बाद मामला केवल बाइक की टक्कर तक सीमित नहीं रहा, बल्कि दोनों पक्षों के बीच आमने-सामने की स्थिति बन गई। गुस्से में आए लोगों के बीच बहस तेज हुई और देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि झड़प के दौरान दोनों तरफ के लोगों ने एक-दूसरे पर हाथों से हमला किया। कुछ लोगों के लाठी-डंडे लेकर मारपीट में शामिल होने की भी जानकारी सामने आई है। अचानक सड़क पर शुरू हुई इस झड़प के कारण आसपास के क्षेत्र में हलचल मच गई। स्थानीय लोग यह समझने की कोशिश करते रहे कि आखिर मामूली विवाद इतनी तेजी से कैसे बढ़ गया। दोनों पक्षों के लोग मौके पर जुटने से तनाव और बढ़ गया तथा हालात बिगड़ने की आशंका पैदा हो गई। देर रात हुई इस घटना ने आसपास रहने वाले लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। सड़क पर दोनों गुटों के बीच विवाद और मारपीट होने से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्ष रूप से घटनाक्रम देख रहे स्थानीय लोग स्थिति शांत होने का इंतजार करते रहे। विवाद में शामिल लोगों के गुस्से और लगातार बढ़ती बहस के बीच यह आशंका बनी रही कि कहीं झगड़ा और अधिक गंभीर रूप न ले ले। स्थानीय लोगों के लिए चिंता की बात यह थी कि विवाद की शुरुआत बाइक की मामूली टक्कर से हुई थी, लेकिन दोनों पक्षों के अन्य लोगों के मौके पर पहुंचने के बाद मामला सामूहिक झड़प तक पहुंच गया। ऐसी स्थिति में आसपास से गुजरने वाले लोगों और स्थानीय निवासियों के लिए भी असहज माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि झगड़े के दौरान दोनों तरफ से मारपीट हुई, हालांकि उपलब्ध जानकारी में किसी के घायल होने की पुष्टि नहीं हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए आसपास के लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर झगड़े की जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद वराछा पुलिस थाने की टीम और पीसीआर वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। पुलिस को सूचना दिए जाने से यह स्पष्ट था कि स्थानीय लोग विवाद को बढ़ता देख मामले में हस्तक्षेप चाहते थे, ताकि स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सके। हालांकि, पुलिस टीम के पहुंचने से पहले ही दोनों पक्षों के बुजुर्गों, युवा नेताओं और अन्य समझदार लोगों ने बीच-बचाव शुरू कर दिया। उन्होंने दोनों तरफ के लोगों को समझाया और विवाद को आगे बढ़ाने से रोकने का प्रयास किया। बुजुर्गों के हस्तक्षेप के बाद दोनों पक्षों के बीच तनाव कम हुआ और मामला शांत हो गया। इस तरह मौके पर मौजूद लोगों की समझाइश से स्थिति को और बिगड़ने से रोक लिया गया। मामूली विवाद को बढ़ने से रोकने की जरूरत वराछा की इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया है कि रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों पर होने वाले विवाद किस तरह गंभीर रूप ले सकते हैं। बाइक की टक्कर जैसी सामान्य घटना को बातचीत से सुलझाया जा सकता था, लेकिन विवाद बढ़ने और दोनों पक्षों के साथियों के जुटने से स्थिति मारपीट तक पहुंच गई। समय रहते हस्तक्षेप नहीं होता तो हालात और बिगड़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था। स्थानीय स्तर पर बुजुर्गों और अन्य लोगों की भूमिका इस मामले में महत्वपूर्ण रही, क्योंकि उनके हस्तक्षेप से पुलिस के पहुंचने से पहले ही दोनों पक्षों के बीच समझाइश हो गई। हालांकि, कानून हाथ में लेने और मारपीट के जरिए विवाद सुलझाने की कोशिश किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। मामूली कहासुनी को बातचीत से सुलझाना ही ऐसे विवादों को गंभीर होने से रोकने का रास्ता है। फिलहाल उपलब्ध जानकारी के अनुसार, शिवपार्क के पास दोनों पक्षों के बीच हुआ विवाद बुजुर्गों के हस्तक्षेप से शांत हो गया।



जिस मेडिकल स्टोर के मालिक ने 2023 में उन्हें जूतों की माला पहनाकर घुमाया था, उसी ने पिस्तौल से ताबड़तोड़ 3 गोलियां चलाकर बदला लिया! पंजाब में कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंडीगढ़/मानसा। पंजाब को ड्रग्स के दानव से मुक्त कराने में हमेशा सबसे आगे रहने वाले जाने-माने एंटी-ड्रग एक्टिविस्ट परविंदर सिंह उर्फ जोटा की पंजाब के मानसा जिले में दिनदहाड़े बेरहमी से गोली मारकर हत्या ने पूरे देश में बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया है। गैर-कानूनी तरीके से नशीली दवाएं बेचने वाले मेडिकल स्टोर के मालिक ने कहासुनी के बाद जोटा पर अपनी पिस्तौल से ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। इस पूरी खूनी घटना का वीडियो परविंदर जोटा की अपनी Facebook Live स्ट्रीमिंग पर रिकॉर्ड हो गया, जिससे पूरे पंजाब में काफी गुस्सा और अफरा-तफरी मच गई है। गौरतलब है कि पूर्व कबड्डी खिलाड़ी और नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह जोटा मानसा इलाके में 'नशा छोड़ो, रोज़गार दो' कैंपेन चला रहे थे। वह अक्सर नशीली और बैन दवाएं बेचने वाले केमिस्ट की दुकानों पर जाते थे और वीडियो बनाकर उनका पर्दाफाश करते थे। साल 2023 में जोटा और उनके समर्थकों ने इस मेडिकल स्टोर के मालिक अश्विनी कुमार पर बैन नशीली और बैन दवाएं बेचने का आरोप लगाया था और उन्हें जूतों की माला पहनाकर बाज़ार में लटका दिया था। इस घटना के बाद दोनों के बीच बड़ी दुश्मनी हो गई और पुलिस के रिकॉर्ड में भी जुर्म दर्ज हो गए। मिली आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, परविंदर जोटा एक बुजुर्ग को बैन दवाएं बेचने के शक में एक मेडिकल स्टोर पर पहुंचे थे और अपने मोबाइल पर लाइव वीडियो शूट कर रहे थे। लाइव वीडियो के दौरान जोटा ने कहा कि 'विरोधी ने अपने पीछे हथियार छिपा रखा है'। उसी समय, जब बहस तेज़ हो गई, तो केमिस्ट अश्विनी कुमार ने पिस्तौल निकाली और परविंदर जोटा पर गोली चला दी। जोटा के पेट और जांघ में 3 गोलियां लगीं और वह खून से लथपथ होकर गिर पड़ा। उसे तुरंत मानसा सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हत्या करने के बाद, आरोपी केमिस्ट अश्विनी कुमार मौके से फरार हो गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए, मानसा पुलिस ने तुरंत अलग-अलग टीमें बनाकर आरोपी के संभावित ठिकानों पर रेड शुरू कर दी है। वहीं पुलिस ने आरोपी के साथियों और रिश्तेदारों को गिरफ्तार करके उनसे पूछताछ की है। एक एंटी-ड्रग एक्टिविस्ट की सरेआम सड़क पर हत्या ने पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।



डभोई सरिता ओवरब्रिज पर वीआईपी कल्चर का पर्दाफाश होते ही जागा प्रशासन, 48 घंटे में स्ट्रीट लाइटें फिर से शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। लोकतंत्र में जब शासन और प्रशासन जनता की परेशानियों से आंखें मूंद लेता है, तब मीडिया ही जनता की आवाज बनकर सोए हुए प्रशासन को जगाने का काम करता है। डभोई स्थित सरिता ओवरब्रिज पर पिछले एक महीने से चले आ रहे शर्मनाक 'वीआईपी कल्चर' और प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ 'महानगर मेट्रो न्यूज़' द्वारा चलाई गई खबर का बड़ा और सटीक असर देखने को मिला है। पिछले एक महीने से अधिक समय से इस महत्वपूर्ण ओवरब्रिज पर अंधेरा छाया हुआ था, जिससे आम जनता और वाहन चालक दुर्घटनाओं के साये में सफर करने को मजबूर थे। लेकिन जैसे ही 'महानगर मेट्रो न्यूज़' ने इस जनसमस्या और वीआईपी कल्चर को प्रमुखता से उजागर किया, कुंभकर्णी नींद में सोया वडोदरा प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया। खबर प्रकाशित होने के मात्र 48 घंटे के भीतर प्रशासन ने युद्ध स्तर पर मरम्मत कार्य करवाकर सरिता ओवरब्रिज की सभी बंद स्ट्रीट लाइटों को फिर से सुचारू रूप से चालू करवा दिया है।



कड़वी सच्चाई: जनता के लिए अंधेरा, वीआईपी के लिए झिलमिलाहट!

विश्व प्रसिद्ध स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को जोड़ने वाले अत्यंत महत्वपूर्ण सरिता ओवरब्रिज पर पिछले एक महीने से स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी थीं। रात के समय यहां से गुजरने वाले स्थानीय नागरिकों, दैनिक यात्रियों और पर्यटकों को घोर अंधेरे में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था और हमेशा किसी बड़े हादसे का डर बना रहता था। लेकिन सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह थी कि आम दिनों में बंद रहने वाली ये लाइटें मुख्यमंत्री या अन्य वीआईपी महानुभावों का काफिला गुजरने के समय अचानक चालू कर दी जाती थीं! वीआईपी का काफिला निकलते ही पुल को फिर से अंधेरे में धकेल दिया जाता था। जनता के टैक्स के पैसों पर चलने वाले प्रशासन के इस दोहरे रवैये और खुलेआम चल रहे 'वीआईपी कल्चर' का पर्दाफाश 'महानगर मेट्रो न्यूज़' ने अपनी रिपोर्ट में किया था। खबर छपते ही प्रशासनिक महकमे में मचा हड़कंप इस तीखे शीर्षक के साथ प्रकाशित 'महानगर मेट्रो न्यूज़' की रिपोर्ट का असर इतना गहरा हुआ कि उच्चाधिकारियों में हड़कंप मच गया। 'हम लंबे समय से अधिकारियों से गुहार लगा-लगाकर थक चुके थे, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं था।

नरोदा के चौंकाने वाले 'एट्रोसिटी विद मर्डर' केस में फरार हार्डकोर क्रिमिनल आखिरकार क्राइम ब्रांच के जाल में फंस ही गया

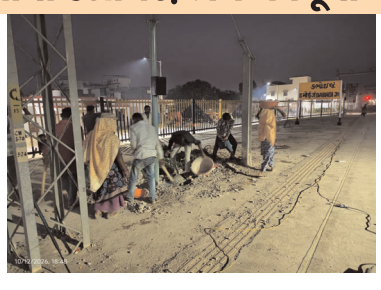
महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। कानून के हाथ लंबे होते हैं और क्रिमिनल चाहे कितनी भी चालाकी करे या कितनी भी तरकीबें अपनाए और सीमाएं पार करके बच निकले, वह कानून के चंगुल से बच नहीं सकता। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद के नरोदा पुलिस स्टेशन इलाके में हुए चौंकाने वाले और सनसनीखेज 'एट्रोसिटी विद मर्डर' (हत्या और ज्यादती) जैसे गंभीर जुर्म में लंबे समय से फरार शातिर आरोपी को बहुत ही नाटकीय तरीके से गिरफ्तार करके बड़ी कामयाबी हासिल की है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद के नरोदा पुलिस स्टेशन इलाके में हुए चौंकाने वाले और सनसनीखेज 'एट्रोसिटी विद मर्डर' (हत्या और ज्यादती) के ... घटना की जानकारी के मुताबिक, साल 2023 में नरोदा पुलिस स्टेशन में एट्रोसिटी और मर्डर की गंभीर धाराओं के तहत एक क्राइम दर्ज किया गया था। इस चौंकाने वाले क्राइम में शामिल आरोपी अरविंद वाघेला को कोर्ट ने 14 दिन की अंतरिम बेल दी थी। लेकिन, जैसे ही बेल का समय खत्म हुआ, आरोपी कानून को चकमा देते हुए जेल में पेश होने के बजाय अंडरग्राउंड हो गया और फरार हो गया। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने इस गंभीर क्राइम के फरार आरोपी को पकड़ने के लिए अपनी कमर कस ली। टेक्निकल सर्विलांस और खास मुखबिरों के नेटवर्क का इस्तेमाल करके, क्राइम ब्रांच ने आरोपी की लोकेशन पर लगातार नज़र रखी। इस दौरान, खास जानकारी मिली कि आरोपी गुजरात छोड़कर उत्तर प्रदेश में छिपा हुआ है।

डभोई रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण के नाम पर मजदूरों का अमानवीय शोषण, ठेकेदार की मनमानी उजागर! श्रम कानूनों की उड़ाई जा रहीं धज्जियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। विकास की ऊंची इमारतों और चमचमाते आधुनिक ढांचे के पीछे जब गरीब मजदूरों का खून-पसीना निचोड़ा जाने लगे, तो उसे विकास नहीं बल्कि सरेआम अत्याचार कहा जाएगा! डभोई रेलवे स्टेशन पर इन दिनों प्लेटफॉर्म निर्माण सहित पुनर्विकास और आधुनिकीकरण के कार्य युद्ध स्तर पर चल रहे हैं। लेकिन इस विकास कार्य के पीछे रात-दिन मेहनत कर रहे लाचार और गरीब मजदूरों की स्थिति अत्यंत दयनीय और कष्टदायक सामने आई है। ठेकेदार द्वारा सरकारी नियमों और देश के श्रम कानूनों की सरेआम धज्जियां उड़ाते हुए मजदूरों से निर्धारित समय से कई घंटे अधिक काम कराकर उनके मानवाधिकारों का हनन किया जा रहा है सरकारी मानकों और श्रम विभाग के सख्त नियमों के अनुसार मजदूरों से सामान्य रूप से सुबह 8:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक (लंच ब्रेक मिलाकर कुल 8 घंटे) ही काम लिया जा सकता है। हालांकि, डभोई रेलवे स्टेशन पर स्थिति पूरी तरह से उल्टी और अमानवीय है। यहां ढलती शाम के बाद भी देर रात 7:30 बजे तक मजदूरों से जबरन काम करवाया जा रहा है। सुदूर ग्रामीण इलाकों और दूसरे राज्यों से अपने परिवार का पेट पालने आए ये प्रवासी मजदूर अपनी मजबूरी के कारण रोजाना 11 से 12 घंटे तक कड़ी शारीरिक मजदूरी करने पर मजबूर हैं। मजदूरों के इस शोषण की जमीनी हकीकत जानने जब 'महानगर मेट्रो न्यूज़' की टीम ने मौके पर मौजूद ठेकेदार से सीधा सवाल किया कि– 'नियमों के विरुद्ध देर रात तक मजदूरों से काम क्यों लिया जा रहा है? '–तब ठेकेदार ने अपनी गलती सुधारने या सही स्पष्टीकरण देने के बजाय गोल-मोल और गैर-जिम्मेदाराना जवाब देकर मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया। ठेकेदार का यह रवैया साफ दर्शाता है कि उसे न तो श्रम विभाग का डर है और न ही कानून का। रेलवे प्रशासन की भूमिका पर खड़े हुए तीखे सवाल! क्या डभोई रेलवे स्टेशन के उच्च अधिकारी आंखें मूंदकर यह सब देख रहे हैं? क्या जिम्मेदार अधिकारियों की शह और मिलीभगत के तहत ही ठेकेदार गरीबों के अधिकारों का दमन कर रहा है? अपने घरों से सैकड़ों किलोमीटर दूर आए इन लाचार मजदूरों पर हो रहे मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न पर रेलवे प्रशासन कब जागेगा? सूत्रों के अनुसार, अपनी रोजी-रोटी छिन जाने के डर से मजदूर खुलकर बोलने से कतरा रहे हैं, लेकिन अंदर ही अंदर उनमें भारी रोष है। मजदूरों की एक ही मांग है कि सरकारी नियमों के अनुसार निर्धारित समय सीमा में ही काम लिया जाए और अतिरिक्त घंटों का यह अमानवीय शोषण तुरंत बंद किया जाए। अब देखना यह होगा कि इस रिपोर्ट के बाद रेलवे प्रशासन और श्रम विभाग तुरंत हरकत में आकर जांच के आदेश देता है।



जूनागढ़ एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर पर आरोप CA सर्टिफिकेट में बड़ा गबन और फाइनेंशियल गड़बड़ियों का धमाका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जूनागढ़। राज्य के एजुकेशन और रिसर्च इंस्टीट्यूशन में करप्शन और गड़बड़ियों के मामले थम नहीं रहे हैं। अब सौराष्ट्र की मशहूर और प्रतिष्ठित जूनागढ़ एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी विवादों के भंवर में घिर गई है। CA सर्टिफिकेट, अकाउंटिंग ऑडिट और ग्रांट यूटिलाइजेशन डॉक्यूमेंट्स में बड़ा गबन करने के गंभीर आरोपों का धमाका हुआ है। मिली चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, यूनिवर्सिटी को अलग-अलग एजुकेशनल प्रोजेक्ट्स, लेबोरेटरी ग्रांट्स और रिसर्च फंड्स का अकाउंट पेश करते समय ष्ट सर्टिफिकेट अटैच करने पड़ते हैं। आरोप है किझूठे या फर्जी सर्टिफिकेट का इस्तेमालः फाइनेंशियल ग्रांट पाने और पहले इस्तेमाल किए गए बजट का संतोषजनक हिसाब दिखाने के लिए सेटिंग करके या गड़बड़ी करके सर्टिफिकेट तैयार किए गए।द्व शक है कि ऑडिट के दौरान लगाए गए आरोपों और आपत्तियों को दबाने के लिए झूठे साइन और फर्जी सील का इस्तेमाल किया गया। नियमों की गड़बड़ीः सरकारी पैसे का ट्रांसपेरेंट इस्तेमाल दिखाने के बजाय, वाइस चांसलर और एडमिनिस्ट्रेटिव अधिकारियों की मीठी नज़र में बार-बार सेटिंग करके सर्टिफिकेट पेश किए गए। जूनागढ़ एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी राज्य के हजारों किसानों और स्टूडेंट्स के लिए उम्मीद का सेंटर है। लेकिन जब इंस्टीट्यूशन के सबसे ऊंचे पद यानी चांसलर पर फाइनेंशियल फ्रॉड और ष्ट सर्टिफिकेट फ्रॉड का आरोप लगता है, तो यूनिवर्सिटी की रेप्युटेशन पर बड़ा सवालिया निशान लग जाता है। इन आरोपों के सामने आते ही पूरे एकेडमिक वर्ल्ड और एग्रीकल्चरल सर्कल में हंगामा मच गया है।

चाहे कुछ भी हो जाए, हम आठवें दिन हवन करके अंबाजी में ही रहेंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी / दांता। अंबाजी शक्तिपीठ में आसो नवरात्रि के पावन त्योहार के दौरान राजपरिवार और प्रशासन के बीच विवाद अब चरम पर पहुंच गया है। 'पक्को गुजरात न्यूज़' से खास बातचीत में दांता के राजघराने के ऋद्धिराज सिंह ने बहुत ही आक्रामक और जुझारू अंदाज में अपना गुस्सा जाहिर किया है और कहा है, 'चाहे कुछ भी हो जाए, हम नवरात्रि के आठवें दिन हवन करके अंबाजी में ही रहेंगे!' राजपरिवार के इस खुले ऐलान ने उत्तर गुजरात और राजनीतिक हलकों में काफी चर्चा पैदा कर दी है। 'हमें मंदिर नहीं चाहिए, हमें सिर्फ पारंपरिक पूजा का अधिकार चाहिए!' आज़ादी से पहले, दांता स्टेट का शाही परिवार ऐतिहासिक रूप से अंबाजी मंदिर की सेवा, पूजा और मैनेजमेंट से जुड़ा रहा है। इस बारे में बात करते हुए, ऋद्धिराज सिंह ने एडमिनिस्ट्रेशन के सामने सवाल उठाए और साफ किया 'हमें मंदिर का कोई मालिकाना हक या प्रॉपर्टी नहीं चाहिए, हमारा सवाल सिर्फ माताजी की पूजा करना है। पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा के अनुसार पूजा और आराधना करने का हमारा अधिकार बना रहना चाहिए। ' नवरात्रि के दौरान आठवें दिन अंबाजी मंदिर में होने वाले चाचर चौक के हवन का खास धार्मिक महत्व है। परंपरा के अनुसार, दांता शाही परिवार आठवें दिन हवन और भेंट चढ़ाने की रस्म करता था। लेकिन पिछले कुछ समय से, एडमिनिस्ट्रेशन और मंदिर ट्रस्ट के नियमों और मंजूरी को लेकर शाही परिवार और एडमिनिस्ट्रेशन के बीच बड़ा अंदरूनी विवाद चल रहा है। ऋद्धिराज सिंह के इस सख्त रुख के बाद, आठवें दिन अंबाजी में हालात कैसे होंगे, इसे लेकर तरह-तरह के अंदाज़े लगाए जा रहे हैं। अंबाजी आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों के बीच यह विवाद चर्चा का विषय बन गया है। एक तरफ प्रशासन प्रोटोकॉल और सिस्टम की बात कर रहा है

प्लेटफॉर्म से 3.25 लाख रुपये की 719 विदेशी शराब की बोतलों के साथ 10 लोग पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में कागजों पर शराब बैन के दावों के बीच, स्टेट मॉनिटरिंग सेल टीम ने अहमदाबाद में सबसे बड़ी कार्रवाई की है, जिसमें रेलवे पुलिस और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन के बीच मिलीभगत का खुलासा हुआ है। SMC टीम ने अहमदाबाद के सेंसिटिव और बिज़ी साबरमती रेलवे पुलिस स्टेशन की सीमा में रेलवे प्लेटफॉर्म पर अचानक रेड मारी है और लाखों रुपये की विदेशी शराब जब्त की है। इस रेड से करप्ट पुलिस अधिकारियों में हंगामा मच गया है। मिली सटीक जानकारी के मुताबिक, स्टेट मॉनिटरिंग सेल को जानकारी मिली थी कि साबरमती रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर ट्रेनों या किसी और रास्ते से बड़ी मात्रा में विदेशी शराब की तस्करी की जा रही है। इस जानकारी के आधार पर, स्क्ष्ट टीम ने कड़ी निगरानी रखते हुए रेलवे स्टेशन पर रेड मारी। रेड के दौरान, पुलिस ने प्लेटफॉर्म से अलग-अलग ब्रांड की 719 बोतल विदेशी शराब जब्त की, जिनकी इंटरनेशनल और मार्केट कीमत लगभग 3.25 लाख रुपये है। रेलवे स्टेशन और पुलिस कैंप जैसे सुरक्षित इलाके से इतनी बड़ी मात्रा में शराब की जब्ती ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस रेड में, SMC टीम ने मौके से शराब की तस्करी और वेयरहाउसिंग में शामिल करीब 10 आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ा है। शुरुआती जांच में, इस जुर्म में 3 अन्य मुख्य आरोपियों के शामिल होने का भी पता चला है, जो फिलहाल पुलिस की गिरफ्त से फरार हैं। SMC ने फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। रेलवे पुलिस स्टेशन के PI और एडमिनिस्ट्रेटर शक के घेरे में आ गए हैं सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या लोकल रेलवे पुलिस की जानकारी के बिना इतनी बड़ी मात्रा में शराब रेलवे प्लेटफॉर्म पर उतरी होगी? एडमिनिस्ट्रेटर के खिलाफ सख्त डिपार्टमेंटल या क्रिमिनल एक्शन लेंगे या मामला दबा दिया जाएगा? यह एक बड़ा सवाल है।

अरविंद केजरीवाल की दहाड़ - 'किसानों ने BJP के ज़ुल्म को करारा झटका दिया है!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवभूमि द्वारका/गांधीनगर। गुजरात की राजनीति में एक बार फिर बड़े राजनीतिक धमाके के संकेत मिल रहे हैं। देवभूमि द्वारका जिले की बहुत अहम मानी जाने वाली भदथर जिला पंचायत सीट पर हुए उपचुनाव के नतीजों ने आज सत्ताधारी पार्टी BJP की सांसें रोक दी हैं। आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार ने विपक्षी ताकतों को हराकर यह सीट जीत ली है, जिसके बाद AAP के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने BJP सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि यह गुजरात के किसानों का शासकों को करारा जवाब है। 'झाड़ू' ने भारी अंतर से जीत हासिल की: 3,651 वोटों से शानदार जीत मिली सही जानकारी के मुताबिक, भदथर ज़िला पंचायत सीट के उपचुनाव के लिए वोटिंग पूरी होने के बाद आज वोटों की गिनती हुई। शुरू से ही यह साफ़ था कि वोटिंग आम आदमी पार्टी के सपोर्ट में हुई। 'आप' कैंडिडेट वीरूभाई कंदोरिया (समतभाई कंदोरिया) ने आखिरकार BJP कैंडिडेट के खिलाफ़ मज़बूत पकड़ बनाते हुए 3,651 वोटों के बड़े अंतर से शानदार जीत हासिल की है। इस शानदार जीत के बाद AAP वर्कर्स में दिवाली जैसा माहौल बन गया और पटाखे फोड़कर शानदार जश्न मनाया गया। इस शानदार जीत के बाद आम आदमी पार्टी के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया और मीटिंग्स के ज़रिए BJP सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने साफ शब्दों में कहा 'गुजरात के किसान और गांव के लोग अब BJP की दबाने वाली नीतियों और झूठे वादों से तंग आ चुके हैं। भदथर जिला पंचायत की यह जीत कोई आम जीत नहीं है, बल्कि घमंडी सरकार के खिलाफ किसानों का दिया गया एक समझौता और करारा जवाब है। गुजरात के लोग आने वाले समय में बदलाव के लिए तैयार हैं। ',AAPके राज्य नेता गोपाल इटालिया और इसुदान गढ़वी ने भी जीतने वाले उम्मीदवार को बधाई दी और कहा कि अब आम आदमी पार्टी गुजरात में लोगों की सच्ची आवाज बनकर मजबूती से उभर रही है।



अहमदाबाद में अंधविश्वास की हदें पार: गर्भधारण न कर पाने वाली महिला को तांत्रिक क्रिया करके संदिग्ध पाउडर पिलाया गया

पति और सास के अत्याचारों से तंग आकर उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात की राजधानी अहमदाबाद से एक बेहद शर्मनाक, चौंकाने वाली और अंधविश्वासी घटना सामने आई है। चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि शहर के संवेदनशील चांदखेड़ा इलाके में रहने वाली एक महिला को शादी के बाद गर्भधारण न कर पाने पर उसके ही पति और सास ने अमानवीय यातनाएं दीं। हद तो तब हो गई जब पत्नी को संदिग्ध तांत्रिक क्रिया करके जानलेवा पाउडर पिलाने की कोशिश की गई। इस घिनौने काम के खिलाफ आवाज उठाते हुए पत्नी ने आखिरकार पुलिस का दरवाजा खटखटाया है। क्या है पूरा मामला? बच्चे न होने पर अमानवीय यातनाएं! मिली सही जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद के चांदखेड़ा इलाके में रहने वाली पीड़िता को शादीशुदा ज़िंदगी की शुरुआत से ही उसका पति और सास छोटी-छोटी बातों पर ताने मारते थे। शादी के बाद काफी समय बीत जाने के बाद भी पत्नी प्रेग्नेंट नहीं हुई, जिससे सास और पति का असली और क्रूर चेहरा सामने आया। इस बारे में पत्नी को बार-बार शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था और पीटा जाता था। पति और सास का मानना ??था कि घर में कोई दोष या बाधा है, जिसे दूर करने के लिए उन्होंने अंधविश्वास का सहारा लिया। तांत्रिक अनुष्ठान और पाउडर पीने वाले की जानलेवा साजिश! बात तब हद से आगे बढ़ गई जब दुल्हन के परिवार की जानकारी के बिना घर में एक संदिग्ध तांत्रिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया। तांत्रिक अनुष्ठान के नाम पर पति और सास ने दुल्हन को एक संदिग्ध और खतरनाक पाउडर पिलाने की कोशिश की। दुल्हन की सतर्कता के कारण उसने संदिग्ध पाउडर पीने से साफ मना कर दिया। पाउडर न पीने पर गुस्साए पति ने दुल्हन को रास्ते से हटाकर जिंदा मारने का खतरनाक प्लान भी बनाया। पति और सास की यह क्रूरता देखकर दुल्हन के होश उड़ गए।



चांदखेड़ा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज, जांच शुरू

पति और सास की इस बेरहमी से की जा रही ज्यादती से तंग आकर और अपनी जान को खतरे की आशंका से दुल्हन ने आखिरकार हिम्मत दिखाई और चांदखेड़ा पुलिस स्टेशन से संपर्क किया। पत्नी की शिकायत के आधार पर चांदखेड़ा पुलिस ने पति और सास के खिलाफ बहुत गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की है। समाज में आज भी फैले अंधविश्वास और घरेलू हिंसा के इस मामले ने सभी को हिलाकर रख दिया है। पुलिस मामले की और गहराई से जांच कर रही है।

शुद्ध घी के नाम पर ज़हर बेचने वाले बड़े रैकेट का भंडाफोड़: सूरत के अब्रामा इलाके में नकली घी बनाने वाली फैक्ट्री पर पुलिस और फ़ूड डिपार्टमेंट ने छापा मारा!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। त्योहारों का मौसम आते ही लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोर एक्टिव हो जाते हैं। सूरत शहर के उतराण थाना इलाके के अब्रामा रोड पर चल रही ऐसी ही एक जानलेवा नकली घी फैक्ट्री पर पुलिस और फ़ूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने मिलकर छापा मारकर एक बड़े गोरखधंधे का भंडाफोड़ किया है। शुद्ध घी के नाम पर लोगों की सेहत को खतरे में डालने वाले इस रैकेट का पर्दाफाश होने से पूरे शहर में हड़कंप मच गया है। मिली सटीक जानकारी के मुताबिक, सूरत के अब्रामा रोड पर माधव कैंपस के गोडाउन नंबर 18 में गैर-कानूनी तरीके से नकली घी बनाने की फैक्ट्री चल रही थी। जानकारी के आधार पर, उत्तरा पुलिस और फ़ूड सेफ़्टी डिपार्टमेंट की टीम ने यहां अचानक रेड मारी। जांच में पता चला कि असली घी की खुशबू और रंग-रूप लाने के लिए, आरोपी सोयाबीन तेल और वनस्पति घी का इस्तेमाल करते थे। उन्होंने इसमें नुकसानदायक केमिकल फ़्लेवर और एसेंस मिलाकर इसे असली गाय या भैंस के घी के तौर पर पैक कर दिया था।शक है कि यह नकली घी बड़ी मात्रा में सूरत और आस-पास के इलाकों के साथ-साथ दूसरी जगहों पर भी सप्लाई किया जा रहा है। पुलिस और हेल्थ डिपार्टमेंट के जॉइंट ऑपरेशन में मौके से कुल 12 से 18 लाख रुपये का संदिग्ध नकली घी, घी बनाने का सामान,मशीनरी और तेल के डिब्बे ज़ब्त किए गए। किशनभाई मनोजभाई मोदी और कल्पेशभाई सुंदरलाल मोदी को हिरासत में लिया गया है। दिया गया है। लैब रिपोर्ट आने के बाद मिलावट की और जानकारी सामने आएगी। त्योहारों के दौरान लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाले ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की लोगों में ज़ोरदार मांग है।

सूरत के वराछा में मामूली बात पर खूनी खेल जैसा माहौल बाइक टकराने पर दो ग्रुप आपस में भिड़ गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। गुजरात के डायमंड और टेक्सटाइल हब माने जाने वाले सूरत में अब लोग छोटी-छोटी बातों पर भी अपनी समझदारी खो रहे हैं और एक मामूली झगड़ा भी कैसे खतरनाक रूप ले सकता है, इसका एक और जीता-जागता उदाहरण वराछा इलाके से सामने आया है। सूरत के सेंसिटिव वराछा इलाके में बाइक टकराने जैसी मामूली और मामूली बात पर दो ग्रुप आमने-सामने आ गए, और खून के प्यासे हो गए। घनश्यामनगर के पास शिवपार्क इलाके में हुई इस मारपीट और मारपीट की घटना ने पूरे इलाके में डर और दहशत का माहौल फैला दिया था। क्या है पूरा मामला? एम्ब्रॉयडरी डिपार्टमेंट के कारीगरों के बीच बाइक टकराने पर हुआ झगड़ा मिली सही जानकारी के मुताबिक, देर रात वराछा के एम्ब्रॉयडरी डिपार्टमेंट में काम कर रहे कारीगरों और अपने घर या कमरों में लौट रहे कारीगरों के बीच सड़क से गुजरते समय बाइक की टक्कर को लेकर आम झगड़ा हो गया। दो लोगों के बीच शुरू हुए इस आम झगड़े ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों ने अपने दूसरे साथियों और दोस्तों को भी मौके पर बुला लिया। कुछ ही मिनटों में शिवपार्क के पास लोगों की भीड़ जमा हो गई और मामला मारपीट तक पहुंच गया। लाठी-डंडों और खुले हाथों से हुई मारपीट से डर का माहौल लोगों के होश



उड़ा रहा था जोश और गुस्से में आए असामाजिक तत्वों और कारीगरों ने एक-दूसरे पर नंगे हाथों और लाठी-डंडों से अंधाधुंध हमला करना शुरू कर दिया। देर रात हुए इस अचानक और नाटकीय और हिंसक हमले से आसपास के रिहायशी इलाकों में रहने वाले नागरिक और बेकसूर लोग सदमे में आ गए।

बनासकांठा में ड्रग्स के धंधे पर पुलिस की कार्रवाई: लिक्विड अफीम जूस के साथ दो लोग पकड़े गए, बड़े रैकेट का भंडाफोड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। बनासकांठा जिले में नशीली दवाओं और प्रतिबंधित पदार्थों की गैर-कानूनी बिक्री में शामिल लोगों पर पुलिस ने आंखें मूंद ली हैं। पुलिस टीम ने जिले में युवाओं और समाज को बर्बाद कर रहे ड्रग्स के धंधे पर सफलतापूर्वक छापा मारकर दो आरोपियों को शुद्ध लिक्विड अफीम जूस के साथ गिरफ्तार करके बड़ी सफलता हासिल की है।

पुलिस ने सूचना के आधार पर कार्रवाई की

मिली जानकारी के अनुसार, लोकल पुलिस और एजेंसियों को सूचना मिली थी कि कुछ लोग बाहरी राज्यों या दूसरे इलाकों से बनासकांठा पंथक में अफीम और उसके लिक्विड जूस की तस्करी कर रहे हैं। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने संदिग्ध लोगों को पकड़ने के लिए एक निगरानी रखी और गहन चेकिंग की। खास सूचना और टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर पुलिस ने छापा मारा और दो मुख्य लोगों को अफीम जूस के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस की इस अचानक और तेज़ कार्रवाई से ड्रग डीलरों में भारी हंगामा मच गया है।

माल ज़ब्त, सप्लायर तक पहुँचने के लिए जाँच जारी

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से ज़ब्त किया गया अफीम का जूस और दूसरा सामान ज़ब्त कर लिया है। पुलिस ने उनसे गहराई से पूछताछ शुरू कर दी है कि वे यह प्रतिबंधित नशीला पदार्थ कहाँ से लाए थे और बनासकांठा में किसे बेचने वाले थे। पुलिस टीमों ने यह पता लगाने के लिए गहरी जाँच शुरू कर दी है कि



इस रैकेट के पीछे और कौन से बड़े लोग शामिल हैं और यह गैर-कानूनी नेटवर्क कहाँ तक फैला है। बनासकांठा पुलिस के इस तारीफ़ के काबिल काम से ड्रग डीलरों को बड़ा झटका लगा है।

वडोदरा में बैंक लोन के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले हाई-टेक ठग गैंग का भंडाफोड़: साइबर क्राइम ने दिल्ली से दो आरोपियों को पकड़ा!

फर्जी कॉल सेंटर बनाकर लोगों को बैंक लोन का लालच देकर ठगने वाले गैंग पर पुलिस का जानलेवा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। वडोदरा साइबर क्राइम पुलिस ने एक इंटर-स्टेट गैंग का भंडाफोड़ किया है जो कल्चरल सिटी वडोदरा समेत पूरे राज्य में सस्ते इंटरेस्ट रेट पर आसान बैंक लोन दिलाने के नाम पर भोले-भाले लोगों से लाखों रुपये की ठगी कर रहा था। साइबर क्राइम टीम ने देश की राजधानी दिल्ली से चल रहे फर्जी कॉल सेंटर के एक नेटवर्क का पता लगाकर और दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार करके बड़ी कामयाबी हासिल की है। दिल्ली में चल रहा था फर्जी कॉल सेंटर का एक नेटवर्क मिली सटीक जानकारी के मुताबिक, वडोदरा के एक जागरूक नागरिक ने शिकायत दर्ज कराई थी कि बैंक लोन दिलाने के नाम पर प्रोसेसिंग फीस और दूसरे टेक्निकल बहाने से उससे लाखों रुपये ठग लिए गए। मामले की जांच करते हुए, वडोदरा साइबर क्राइम पुलिस को एक खास टेक्निकल लोकेशन और जानकारी मिली कि यह पूरा रैकेट दिल्ली से ऑपरेट किया जा रहा था। जांच टीम ने तुरंत दिल्ली में रेड की और जितेंद्र कुमार मौर्य और अभिषेक हेमलकुमार नाम के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। ये आरोपी अलग-अलग जाने-माने बैंकों के नाम पर फेक कॉल करके कस्टमर्स को तुरंत और कम इंटरेस्ट रेट पर लोन अप्रूव करवाकर लालच देते थे। भोले-भाले लोगों को कॉल करके बताते थे कि ऑनलाइन लोन प्रोसेस बहुत आसान है। झ वे बैंक के नाम पर फेक लेटरहेड और फाइल भेजकर कस्टमर्स का भरोसा जीतते थे और फिर प्रोसेसिंग चार्ज, त्रस्ज्ञ और इंश्योरेंस के नाम पर त्तक्र कोड या बैंक अकाउंट में पैसे ट्रांसफर कर लेते थे। रकम मिलने के बाद गायब हो जाते थे: पैसे जमा होने के बाद, आरोपी अपने मोबाइल नंबर बंद कर देते थे और सिम कार्ड फेंक देते थे। पुलिस की कड़ी कार्रवाई और जांच साइबरक्राइम पुलिस दिल्ली से गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को वडोदरा ले आई है और उनकी रिमांड लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उनके पास से मिले लैपटॉप, मोबाइल फोन और बैंक अकाउंट की डिटेल्स के आधार पर यह पता लगाने के लिए गहन जांच शुरू कर दी गई है कि इस गैंग ने और कितने नागरिकों को निशाना बनाया है। इस घटना के बाद, वडोदरा साइबरक्राइम पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान फोन कॉल या मैसेज पर भरोसा करके ऑनलाइन लोन प्रोसेसिंग फीस के तौर पर पैसे ट्रांसफर न करें।

राजकोट में खूनी खेल: सुलह के लिए बुलाकर युवक की चाकू घोंपकर बेरहमी से हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। गुजरात का व्यापारिक और रंगीन शहर माना जाने वाला राजकोट अब अपराधियों की पनाहगाह बनता जा रहा है। शहर में एक बेहद जानलेवा और चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जो कानून-व्यवस्था को हिलाकर रख रही है। आम बात पर हुए झगड़े के बाद सुलह के बहाने एक युवक को बुलाकर पहले से तय साजिश के तहत चाकुओं से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी गई, जिससे पूरे इलाके में भारी गुस्सा और आक्रोश है। मिली सटीक जानकारी के मुताबिक, कुछ समय पहले राजकोट में कुछ लोगों से आम बात पर झगड़ा हो गया था। मामले को सुलझाने के लिए युवक को अंबेडकर सर्किल के पास बुलाया गया था। जब पीड़ित युवक मासूमियत से सुलह के लिए तय की गई जगह पर पहुंचा, तो पहले से घात लगाए बैठे कुख्यात लोगों और उनके साथियों ने उस पर हमला कर दिया। आरोपियों ने बिना किसी रहम के युवक पर चाकू से एक के बाद एक 6 से 7 वार किए। युवक लहूलुहान हालत में जमीन पर गिर गया और इलाज मिलने से पहले ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस सिस्टम दौड़ा: आरोपियों को पकड़ने के लिए पहिए घूम रहे हैं। दिनदहाड़े हुए इस खूनी हत्याकांड की खबर मिलते ही लोकल थाने का काफिला और बड़े अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और इस मामले में केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई कर रही है। क्या पुलिस अपराधियों के खिलाफ सख्त उदाहरण पेश नहीं कर पाएगी? इस मामले में राजकोट के जंगलेश्वर मर्डर केस में पुलिस का रिकंस्ट्रक्शन वीडियो देखा जा सकता है कि पुलिस किस तरह अपराधियों पर अपनी पकड़ मजबूत कर रही है।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पखवाड़ा के तहत बालिका शिक्षा संवर्धन महोत्सव आयोजित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल । राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ भीनमाल एवं मीना-राजू मंच, रा.उ.प्रा.वि. वडली नाडी के संयुक्त तत्वावधान में निकटवर्ती राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कोरा में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पखवाड़ा के तहत बालिका शिक्षा संवर्धन महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ। डॉ. घनश्याम कुमार व्यास के सफल मार्गदर्शन व संचालन में सम्पन्न हुआ, जिसमें 380 विद्यार्थी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ. पूजा सक्सेना ने कहा कि बेटी को केवल पढ़ाना नहीं, उसे आकाश देना है। 2020 कहती है कि शिक्षा रटना नहीं, जीना है। जब एक बेटी शिक्षित होती है तो दो परिवार शिक्षित होते हैं। बेटी को रोको मत, टोको मत, उसे उड़ने दो। उन्होंने मीना मंच की छात्राओं पूजा कुमारी, रिंकू कुमारी और शारदा कंवर का चरण पखारकर और चुनरी ओढ़ाकर महापूजन किया । विशिष्ट वक्ता एवं स्काउट गाइड के संरक्षक खेमराज देसाई और डॉ. भूपेन्द्र चौधरी ने कहा कि स्काउट गाइड वर्दी नहीं, वचन है - राष्ट्र प्रथम। बालिका जब गाइड बनती है तो वह अनुशासन, साहस और नेतृत्व तीनों सीखती है। ब्रह्माकुमारी डॉ. गीता बहिन ने बालिका के भीतर दुर्गा और सरस्वती दोनों हैं। पवित्रता और पढ़ाई - दो पंखों से वह विश्व विजेता बनेगी । प्राचार्य सुनील कुमार विश्नोई व व्याख्याता पाबूराम देवासी, राजेन्द्र वैष्णव,कृष्ण कुमार चौधरी,त्रिभुवन सिंह शेखावत ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह ग्रामीण भारत की साइलेंट क्रांति है। मीना मंच चेतना का दीपक है । हमें किताब से बाहर निकाल कर कौशल की ओर ले जाती है ।



SIR के विरोध में दिल्ली पहुंचे कांग्रेस नेता चेतन पाटीदार, चेतन पाटीदार द्वारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। यूथ कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष नागदा-खाचरौद एवं पूर्व जिला उपाध्यक्ष यूथ कांग्रेस उज्जैन चेतन पाटीदार कांग्रेस संगठन में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे क्षेत्र में संगठन को मजबूत बनाने और युवाओं को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इसी क्रम में चेतन पाटीदार ने दिल्ली में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री कमलनाथ जी से उनके निवास पर सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नागदा-खाचरौद विधानसभा क्षेत्र से अपनी दावेदारी प्रस्तुत करते हुए क्षेत्र में किए जा रहे राजनीतिक एवं संगठनात्मक कार्यों की जानकारी दी तथा उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। 12 अक्टूबर 2026 को राहुल गांधी जी के आह्वान पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े मुद्दों को लेकर आयोजित विरोध प्रदर्शन एवं मार्च के दौरान चेतन पाटीदार दिल्ली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं एवं विभिन्न विपक्षी दलों के प्रमुख नेताओं के साथ अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई। यात्रा के दौरान चेतन पाटीदार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री राहुल गांधी जी, कांग्रेस महासचिव श्री सचिन पायलट जी, राष्ट्रीय जनता दल के नेता श्री तेजस्वी यादव जी, लुधियाना से सांसद एवं पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग जी तथा भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री उदय भानु चिब जी के साथ नजर आए।

जयपुर जिला परिषद के सभी 57 वार्डों में कांग्रेस ने उतारे उम्मीदवार, 29 महिलाओं को टिकट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। कांग्रेस ने पंचायतीराज चुनाव को लेकर अपनी तैयारियां तेज करते हुए जयपुर जिला परिषद के सभी 57 वार्डों में उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने इनमें 29 वार्डों से महिला प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है। वहीं, चौमूं और गोविंदगढ़ पंचायत समितियों के सभी वार्डों के लिए भी उम्मीदवार घोषित कर दिए गए हैं। टिकट वितरण में महिलाओं की भागीदारी के साथ युवा चेहरों को भी अवसर देने पर जोर दिया गया है। जिला परिषद के टिकट वितरण में कांग्रेस ने अनुभवी नेताओं के साथ युवा नेताओं पर भी भरोसा जताया है। उप जिला प्रमुख रहे और पीसीसी सदस्य मोहन डागर को वार्ड संख्या 12 से प्रत्याशी बनाया गया है। डागर यूथ कांग्रेस की राजनीति में सक्रिय रहे हैं। वहीं, एनएसयूआई की राष्ट्रीय सचिव नीमा वर्मा को वार्ड संख्या 42 से टिकट दिया गया है। पार्टी ने उन्हें युवा पीढ़ी के प्रतिनिधि चेहरे के रूप में चुनाव मैदान में उतारा है। इसके अलावा यूथ कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष यशवीर सूरा को वार्ड संख्या 28 से उम्मीदवार बनाया गया है। चायतीराज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। इसी के तहत आरक्षित वार्डों में महिला प्रत्याशियों को उतारना अनिवार्य है। कांग्रेस ने जिला परिषद के कुल 57 वार्डों में 29 महिलाओं को टिकट देकर महिला भागीदारी को प्रमुखता दी है। कांग्रेस ने चौमूं और गोविंदगढ़ पंचायत समितियों में भी पंचायत समिति सदस्य के सभी वार्डों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। चौमूं के 25 वार्डों और गोविंदगढ़ के 19 वार्डों में पार्टी ने अपने प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारा है। इस तरह दोनों पंचायत समितियों में टिकट वितरण की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है चौमूं पंचायत समिति के वार्ड संख्या 10 से यूथ कांग्रेस की प्रदेश महासचिव अंजू यादव को उम्मीदवार बनाया गया है। उनके नाम की घोषणा के साथ पार्टी ने युवा नेतृत्व को आगे लाने के अपने रुख को भी स्पष्ट किया है। पार्टी के उदयपुर घोषणा पत्र में 50 वर्ष से कम उम्र के लोगों को आधे टिकट देने का वादा किया गया था। इसी पृष्ठभूमि में युवा नेताओं को चुनावी मैदान में उतारने की रणनीति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।



बागरा में आसोज नवरात्र का आगाज, घटस्थापना के साथ गरबा महोत्सव शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। धाक की गूंज, बंगाली रीति-रिवाजों और मां दुर्गा की भक्ति के बीच स्टर्लिंग माउंट आबू में शारदीय नवदुर्गा पूजा उत्सव का शुभारंभ हुआ। उत्सव के पहले दिन धार्मिक वातावरण में विधि-विधान के साथ मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की गई। बंगाल से आए पुजारी देवव्रत मुखर्जी ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा संपन्न कराई। इस दौरान पारंपरिक ढोल की गूंज ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। पूजा-अर्चना के बाद अतिथियों ने मां दुर्गा की आरती कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। बंगाली परंपराओं के अनुरूप आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में आस्था और संस्कृति का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीआरपीएफ अधिकारी शिवराज सिंह राठौड़ परिवार सहित मौजूद रहे। होटल एसोसिएशन की ओर से संजय विश्राम और पुष्पेंद्र सिंह ने भी भाग लिया। 21 अक्टूबर तक होंगे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन शारदीय नवदुर्गा पूजा उत्सव के तहत 21 अक्टूबर तक विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उत्सव के दौरान संधि पूजा, पुष्पांजलि, भोग निवेदन, धुनुची नृत्य, गरबा, सांस्कृतिक संध्या और रावण दहन जैसे कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहेंगे। बंगाली परंपरा के पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उत्सव को विशेष स्वरूप दिया जाएगा। स्टर्लिंग माउंट आबू के जनरल मैनेजर अभिषेक मिश्रा ने कहा कि मां दुर्गा शक्ति, साहस और सकारात्मकता की प्रतीक हैं। उनका पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश देता है। ऐसे आयोजन धार्मिक आस्था के साथ भारतीय संस्कृति और पारंपरिक विरासत को भी सशक्त बनाते हैं।



मंत्रालयिक कर्मचारियों ने चार सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन



महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजस्थान। राजस्थान मंत्रालयिक कर्मचारी परिषद (भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध) ने मंगलवार को कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं और लंबित मांगों को लेकर चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम दिया गया यह ज्ञापन एसडीएम राहुल श्रीवास्तव को सौंपा गया। कर्मचारी संगठनों ने मंत्रालयिक संवर्ग से जुड़ी मांगों पर ध्यान आकर्षित करते हुए उनके समाधान की आवश्यकता जताई। प्रदेशाध्यक्ष अरविंदसिंह राव और महामंत्री प्रेमशंकर आमेटा के नेतृत्व में कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन प्रस्तुत किया। इसमें मंत्रालयिक कर्मचारियों के लिए अलग निदेशालय का गठन करने, ग्रेड पे में बदलाव करने, पदोन्नति के अवसर बढ़ाने के लिए नए पद सृजित करने तथा समर्पित अवकाश और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के भुगतान से जुड़े मुद्दों के समाधान की मांग प्रमुखता से उठाई गई। परिषद का कहना है कि मंत्रालयिक संवर्ग के कर्मचारियों की प्रशासनिक व्यवस्था, वेतनमान और पदोन्नति से जुड़ी समस्याओं पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। कर्मचारियों की मांग है कि मंत्रालयिक वर्ग के लिए निदेशालय का गठन किया जाए, ताकि संवर्ग से जुड़े प्रशासनिक मामलों के निस्तारण और कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए एक समुचित व्यवस्था विकसित हो सके। ज्ञापन में ग्रेड पे में बदलाव की मांग भी शामिल रही। कर्मचारियों ने वेतन संबंधी मुद्दों पर विचार कर आवश्यक निर्णय लेने की मांग उठाई। इसके अलावा पदोन्नति के अवसर बढ़ाने के लिए नए पद सृजित करने की आवश्यकता जताई गई। कर्मचारियों के अनुसार, पदोन्नति से जुड़े मामलों का समाधान होने से संवर्ग में आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। परिषद ने समर्पित अवकाश से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके देय भुगतान का तुरंत निस्तारण करने की मांग भी रखी। सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली राशि का समय पर भुगतान कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण विषय है। ऐसे में लंबित भुगतान के मामलों का शीघ्र निस्तारण करने पर जोर दिया गया। इस दौरान मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ, भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध संगठन के जिलाध्यक्ष राव बलवंत सिंह के नेतृत्व में भी ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम में शैतान सिंह, गोपीनाथ, भंवरजी, दिनेश सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समाधान के लिए राज्य सरकार से सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा जताई।

माउंट आबू के अधर देवी शक्तिपीठ में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब 350 सीढ़ियां चढ़कर प्राकृतिक गुफा से गुजरते हैं श्रद्धालु, अष्टमी की रात से नवमी तक होगा महायज्ञ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। शारदीय नवरात्र के दौरान माउंट आबू स्थित अधर देवी शक्तिपीठ में श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ गई है। मां अर्बुदा देवी के दर्शन के लिए राजस्थान के साथ गुजरात से भी बड़ी संख्या में भक्त पहुंच रहे हैं। पहाड़ी पर करीब 350 सीढ़ियां चढ़ने और संकरे प्राकृतिक रास्ते से होते हुए गुफा में प्रवेश करने के बाद श्रद्धालुओं को माता के दर्शन होते हैं। कठिन चढ़ाई और दुर्गम रास्ते के बावजूद भक्तों की आस्था में कोई कमी नहीं दिखाई देती। श्रद्धालु परिवारों और यात्रा संघों के साथ मंदिर पहुंचकर मां के चरणों में शीश नवाते हैं तथा सुख-समृद्धि, खुशहाली और मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। नवरात्र के दिनों में शक्तिपीठ का धार्मिक महत्व और बढ़ जाता है। मंदिर परिसर में मां के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिलता है। पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक पहुंचने का रास्ता भले ही चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन मां के प्रति अटूट श्रद्धा भक्तों को लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। राजस्थान और गुजरात सहित आसपास के क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालु इसे अपनी धार्मिक यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव मानते हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार यहां गिरे थे माता सती के अधर

अधर देवी मंदिर से जुड़ी धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस स्थान पर माता सती के अधर यानी होंठ गिरे थे। इसी वजह से मंदिर का नाम अधर देवी पड़ा। मां अर्बुदा देवी को कात्यायनी स्वरूप में भी पूजा जाता है। मंदिर की प्राचीनता को लेकर मान्यता है कि यह शक्तिपीठ साढ़े पांच हजार साल से अधिक पुराना है। स्कंद महापुराण के अर्बुद खंड में भी मंदिर का उल्लेख होने की बात कही जाती है। इन धार्मिक मान्यताओं के कारण अधर देवी मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। अधर देवी मंदिर की यात्रा अपने आप में विशेष अनुभव मानी जाती है। श्रद्धालुओं को पहाड़ी पर बनी करीब 350 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। इसके बाद संकरे रास्ते से होते हुए प्राकृतिक गुफा में प्रवेश करना पड़ता है, जहां मां अर्बुदा देवी के दर्शन होते हैं। पहाड़ी की ऊंचाई, सीढ़ियों का रास्ता और गुफा की प्राकृतिक बनावट इस धार्मिक स्थल को विशिष्ट पहचान देते हैं। कई श्रद्धालु परिवारों के साथ यहां पहुंचते हैं, जबकि विभिन्न यात्रा संघ भी सामूहिक रूप से दर्शन के लिए आते हैं। अधर देवी को राजपूत, परमार और आंजणा समाज सहित कई समुदायों की कुलदेवी के रूप में भी पूजा जाता है। यही कारण है कि नवरात्र के दौरान दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए माउंट आबू पहुंचते हैं। भक्त मंदिर में पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और मंगलकामना करते हैं। नवरात्र के अवसर पर मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक परंपराओं का विशेष वातावरण बना रहता है नवरात्र के दौरान अधर देवी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और मां का श्रृंगार किया जाता है। अष्टमी की रात से महायज्ञ की शुरुआत होगी, जो नवमी की सुबह तक चलेगा। इस दौरान श्रद्धालु धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर मां से सुख-समृद्धि और मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना करेंगे। नवरात्र के विशेष अनुष्ठान मंदिर की धार्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। मां अर्बुदा देवी के दर्शन और महायज्ञ में भाग लेने के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह बना हुआ है।



वायुसेना प्रमुख एपी सिंह की अंतिम फाइटर सॉर्टी के साथ जोधपुर में तरंग शक्ति-2026 का समापन, सुखोई, राफेल और विदेशी लड़ाकू विमानों ने भी दिखाया दमखम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने सोमवार को स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस में अपने करियर की आखिरी उड़ान भरी। जोधपुर एयरबेस पर भरी गई यह उड़ान उनके लंबे सैन्य करियर का यादगार क्षण बन गई। इसी के साथ जोधपुर में आयोजित बहुराष्ट्रीय हवाई युद्धाभ्यास तरंग शक्ति-2026 का भी समापन हुआ। इस दौरान भारतीय और विदेशी लड़ाकू विमानों ने एक साथ आसमान में उड़ान भरकर अपनी परिचालन क्षमता और आपसी तालमेल का प्रदर्शन किया। वायुसेना प्रमुख की इस ऐतिहासिक उड़ान के दौरान आसमान में भारतीय वायुसेना की ताकत का शानदार नजारा देखने को मिला। तेजस के साथ सुखोई-30, राफेल, संयुक्त अरब अमीरात के एफ-16, मिराज-2000 और मिग-29 विमानों ने भी उड़ान भरी। भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के विमानों ने अलग-अलग फॉर्मेशन बनाकर हवाई प्रदर्शन किया। विभिन्न विमानों की एक साथ उड़ान ने युद्धाभ्यास के समापन को खास बना दिया।

तेजस के कॉकपिट से विदाई, राष्ट्रसेवा का संकल्प बरकरार



भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया पर इस ऐतिहासिक उड़ान की जानकारी साझा की। वायुसेना के अनुसार, स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस के कॉकपिट में बैठकर एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने अपने करियर की अंतिम फाइटर सॉर्टी पूरी की। यह क्षण उनके शानदार करियर, उड़ान के प्रति अटूट जुनून और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा। वायुसेना ने अपने संदेश में कहा कि एक अध्याय समाप्त हो रहा है, लेकिन जुनून आज भी बरकरार है। आसमान में उड़ान का यह अध्याय भले ही समाप्त हो रहा हो, लेकिन राष्ट्रसेवा का मिशन जारी रहेगा। इस संदेश के जरिए वायुसेना प्रमुख के सैन्य जीवन के महत्वपूर्ण पड़ाव और देश की सेवा के प्रति उनके समर्पण को रेखांकित किया गया। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उनके बाद एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित के भारतीय वायुसेना के नए प्रमुख का पदभार संभालने की जानकारी दी गई है। जोधपुर में 26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक आयोजित तरंग शक्ति-2026 में भारत सहित विभिन्न देशों की वायुसेनाओं ने हिस्सा लिया। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, बांग्लादेश, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात सहित आठ देशों के लड़ाकू विमानों ने इस बहुराष्ट्रीय अभ्यास में भाग लिया। इसके अलावा 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने पर्यवेक्षक के रूप में अभ्यास की गतिविधियों को देखा। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए भारतीय वायुसेना की ओर से आयोजित तरंग शक्ति देश का प्रमुख बहुराष्ट्रीय हवाई युद्धाभ्यास है। इस वर्ष इसकी थीम 'पावर इन पार्टनरशिप' रखी गई। अभ्यास का मुख्य उद्देश्य मित्र देशों की वायुसेनाओं के बीच आपसी तालमेल बढ़ाना, संयुक्त अभियानों की क्षमता को मजबूत करना और विभिन्न विमानों तथा वायुसेनाओं के बीच परिचालन समन्वय को बेहतर बनाना था। तरंग शक्ति-2026 के दौरान विभिन्न देशों की वायुसेनाओं को एक साथ अभ्यास करने और अपनी परिचालन क्षमताओं का प्रदर्शन करने का अवसर मिला। संयुक्त उड़ानों और हवाई प्रदर्शनों के जरिए मित्र देशों के बीच सहयोग तथा समन्वय को मजबूती देने पर जोर रहा। तो दूसरी ओर विभिन्न देशों के लड़ाकू विमानों की संयुक्त उड़ानों ने आधुनिक हवाई युद्ध क्षमता और अंतरराष्ट्रीय सैन्य साझेदारी का संदेश दिया।

पीएम श्री स्कूल बागरा का जेडी ने किया औचक निरीक्षण, शिक्षण व्यवस्था से लेकर सुविधाओं तक परखी हकीकत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागरा। शिक्षा विभाग पाली के संयुक्त शिक्षा निदेशक अजय कुमार गुप्ता ने 13 अक्टूबर को पीएम श्री राजेंद्र सूरी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बागरा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, शिक्षण व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति, आधारभूत सुविधाओं और विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों के पढ़ाई के स्तर को परखा तथा शिक्षकों से शिक्षण कार्य और पाठ्यक्रम की प्रगति के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के बाद आयोजित बैठक में उन्होंने शिक्षकों और विद्यालय स्टाफ को शिक्षा विभाग की प्राथमिकताओं के अनुरूप जिम्मेदारी से कार्य करने के निर्देश दिए। संयुक्त शिक्षा निदेशक ने विद्यालय में संचालित रीडिंग कैंपेन, पीएम श्री स्कूल गतिविधियों, बालवाटिका, स्मार्ट क्लास और अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों की स्थिति देखी तथा कार्यपुस्तिकाओं की जांच की। इसके साथ ही विद्यालय में संचालित व्यावसायिक शिक्षा प्रयोगशाला का भी अवलोकन किया। उन्होंने यह जानने का प्रयास किया कि विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को किस प्रकार लाभान्वित किया जा रहा है और निर्धारित योजनाओं का क्रियान्वयन किस स्तर पर हो रहा है। उनके शैक्षणिक स्तर का आकलन किया। उन्होंने शिक्षण कार्य की स्थिति, पाठ्यक्रम की प्रगति तथा कक्षा में विद्यार्थियों की सहभागिता पर भी ध्यान दिया।



जोधपुर में नामांकन के आखिरी दिन भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी ने वार्ड 18 से ठोकी दावेदारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। पंचायत चुनाव के पहले चरण के नामांकन का मंगलवार को आखिरी दिन रहा। पूरी नामांकन प्रक्रिया के दौरान भाजपा और कांग्रेस दोनों ही प्रमुख दलों ने अपने प्रत्याशियों की आधिकारिक सूची जारी नहीं की। इसके बजाय उम्मीदवारों के नामांकन के साथ सीधे चुनाव चिह्न जमा करवाए गए। राजनीतिक हलकों में इसे दोनों दलों की चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। हालांकि, पार्टी स्तर पर संभावित प्रत्याशियों को पहले ही संकेत दिए जाने की चर्चा रही। नामांकन के अंतिम दिन भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी भी जिला परिषद सदस्य के लिए अपना नामांकन प्रस्तुत करने पहुंचे। उन्होंने वार्ड संख्या 18 से दावेदारी पेश की है। वहीं, नामांकन के दौरान एक महिला प्रत्याशी करीब 15 तोला सोना पहनकर पहुंची। सोने की अनुमानित कीमत करीब 22 लाख रुपए बताई गई। महिला प्रत्याशी के आभूषण भी नामांकन स्थल पर चर्चा का विषय रहे। भाजपा और कांग्रेस की ओर से आधिकारिक प्रत्याशी सूची जारी नहीं करने के पीछे चुनावी रणनीति को प्रमुख कारण माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि शनिवार को हुई बैठकों के बाद दोनों दलों के नेताओं ने संभावित प्रत्याशियों को फोन कर नामांकन भरने के लिए कह दिया था। सोमवार को नामांकन दाखिल करने पहुंचे कई दावेदारों को भी संगठन की ओर से टिकट मिलने के संकेत दिए जाने की चर्चा रही। इस रणनीति के तहतदोनों दलों ने सार्वजनिक रूप से सूची जारी किए बिना अपने उम्मीदवारों को चुनावी प्रक्रिया में आगे बढ़ाया। ऐसे में नामांकन के साथ चुनाव चिह्न जमा करवाने की प्रक्रिया भी महत्वपूर्ण रही। हालांकि, आधिकारिक सूची जारी नहीं होने से प्रत्याशियों को लेकर राजनीतिक चर्चाएं बनी रहीं। कांग्रेस की ओर से जिला परिषद के वार्ड संख्या 15 से राजू राम पटेल ने नामांकन दाखिल किया। उन्होंने कहा कि पार्टी स्तर पर टिकट की पुष्टि होने के बाद ही वे नामांकन भरने पहुंचे हैं। हालांकि, उस समय तक पार्टी की आधिकारिक सूची जारी नहीं हुई थी। राजू राम पटेल ने किसानों के मुद्दे पर अपनी प्राथमिकता भी स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि किसानों को मुआवजा दिलाने के लिए जरूरत पड़ने पर धरने पर बैठने से भी पीछे नहीं हटेंगे। उनके इस बयान से चुनाव में किसानों से जुड़े मुद्दों के प्रमुख रहने के संकेत मिले हैं। नामांकन के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को जिला परिषद सदस्य पदों के लिए 39 प्रत्याशियों ने कुल 41 नामांकन प्रस्तुत किए थे। इसके साथ ही पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए 165 नामांकन प्राप्त हुए थे। तीन दिनों के दौरान जिला परिषद सदस्य पदों के लिए कुल 42 प्रत्याशियों की ओर से 44 नामांकन दाखिल किए जाने की जानकारी सामने आई। जिले की विभिन्न पंचायत समितियों में भी नामांकन प्रक्रिया के दौरान दावेदारों की सक्रियता देखने को मिली। तीसरे दिन पंचायत समिति चांबा में 26, शेरगढ़ में 29, आगोलाई में 30, सेखाला में 30, बालेसर में 27 और चामू में 23 दावेदारों ने नामांकन प्रस्तुत किए। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब प्रत्याशियों की स्थिति और चुनावी समीकरणों पर राजनीतिक दलों की नजर रहेगी। आधिकारिक सूचियां जारी नहीं होने के बावजूद दोनों प्रमुख दलों के संभावित उम्मीदवारों को लेकर चर्चाएं तेज हैं।



बागरा अस्पताल को मिली सीबीसी मशीन, मरीजों को अब मिलेंगी बेहतर जांच सुविधाएं



महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागरा। जालौर उपखंड के बागरा स्थित सरकारी अस्पताल में सीबीसी मशीन स्थापित की गई है। भारत विकास परिषद, जोधपुर से जुड़े एक ट्रस्ट की ओर से उपलब्ध कराई गई इस मशीन से अस्पताल में आने वाले मरीजों को जांच सुविधाओं का लाभ मिलेगा। मशीन की सुविधा मिलने पर ग्रामीणों ने खुशी जताते हुए इसे स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। बीसीएमओ भजनलाल विश्नोई ने बताया कि बागरा अस्पताल में सीबीसी मशीन की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। ग्रामीण भी लगातार इसकी मांग कर रहे थे। अब मशीन उपलब्ध होने से अस्पताल में मरीजों की जांच की सुविधा बेहतर होगी और उन्हें स्थानीय स्तर पर ही आवश्यक जांच करवाने में मदद मिलेगी। सीबीसी मशीन के माध्यम से रक्त की विभिन्न महत्वपूर्ण जांचें की जाती हैं। अस्पताल में यह सुविधा शुरू होने से मरीजों को जांच के लिए अन्य स्थानों पर जाने की जरूरत कम होगी। इससे समय की बचत के साथ मरीजों को सुविधा मिलेगी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, मशीन लगने से अस्पताल में छोटी-बड़ी जांचें मुफ्त में उपलब्ध कराने की व्यवस्था को भी लाभ मिलेगा। मशीन उपलब्ध कराने में सहयोग के लिए ग्रामीणों ने भारत विकास परिषद, जोधपुर के ट्रस्ट का आभार जताया। साथ ही बीसीएमओ भजनलाल विश्नोई के प्रति भी धन्यवाद व्यक्त किया। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि इस सुविधा से क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी और अस्पताल में जांच संबंधी सुविधाओं का विस्तार होगा।

सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवाइयों की सप्लाई पर सवाल, टेंडर में देरी से सरकारी खजाने को नुकसान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को मुफ्त दवाइयां उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। दवाइयों की खरीद और उनकी गुणवत्ता जांच से जुड़ी प्रक्रिया में राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरएमएससीएल) की कार्यप्रणाली में पिछले डेढ़ से दो साल के दौरान कई अनियमितताएं सामने आने की बात कही गई है। खास तौर पर दवाइयों की खरीद के लिए रेट कॉन्ट्रेक्ट करने में देरी और गुणवत्ता जांच से जुड़े मामलों ने व्यवस्था की पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए हैं। मामले में सबसे गंभीर पहलू रेट कॉन्ट्रेक्ट की अवधि समाप्त होने के बाद भी नए समझौते समय पर नहीं करना है। उपलब्ध ऑडिट विवरण के अनुसार, कई मामलों में पुराने रेट कॉन्ट्रेक्ट की अवधि खत्म होने के बाद करीब एक साल तक नए रेट कॉन्ट्रेक्ट नहीं किए गए। इसके चलते सरकारी अस्पतालों में निर्धारित व्यवस्था के तहत दवाइयों की आपूर्ति प्रभावित हुई और अस्पतालों को स्थानीय स्तर पर दवाइयां खरीदने की जरूरत पड़ी। स्थानीय स्तर पर की गई इन खरीदों में अधिक कीमत चुकाए जाने से सरकारी धन पर अतिरिक्त भार पड़ने की बात सामने आई है। आरोप है कि समय पर नए रेट कॉन्ट्रेक्ट नहीं होने के कारण अस्पतालों को बाजार से दवाइयां खरीदनी पड़ीं, जिससे दवाइयों की खरीद पर होने वाला खर्च बढ़ा। इस पूरी प्रक्रिया में सरकारी खजाने को हुए नुकसान का वास्तविक आकलन संबंधित ऑडिट रिकॉर्ड और खरीद के आंकड़ों के आधार पर ही किया जा सकता है। स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग की ओर से किए गए ऑडिट में इस संबंध में कई आपत्तियां दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। ऑडिट के इन बिंदुओं में रेट कॉन्ट्रेक्ट की अवधि समाप्त होने के बाद नए समझौते करने में हुई देरी को प्रमुखता से उठाया गया है। इससे दवाइयों की नियमित आपूर्ति और खरीद प्रक्रिया की समयबद्धता पर सवाल उठते हैं। राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम (आरटीपीपी) से संबंधित नियमों के अनुसार, वर्तमान रेट कॉन्ट्रेक्ट समाप्त होने के बाद नए रेट कॉन्ट्रेक्ट समय पर प्रभावी होने चाहिए, ताकि खरीद व्यवस्था में अनावश्यक अंतराल नहीं आए। यदि किसी कारण से नया रेट कॉन्ट्रेक्ट निर्धारित समय पर नहीं हो पाता है, तो मौजूदा रेट कॉन्ट्रेक्ट को उसी कीमत, नियम और शर्तों पर अधिकतम तीन महीने तक बढ़ाने का प्रावधान बताया गया है। इसके लिए बाजार की कीमतों में गिरावट नहीं होने की स्थिति सुनिश्चित करना भी जरूरी है। ऐसे में यदि रेट कॉन्ट्रेक्ट की अवधि समाप्त होने के बाद लंबे समय तक नए समझौते नहीं किए गए, तो यह खरीद प्रक्रिया के नियोजन और नियमों के अनुपालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। मामले में दवाइयों की गुणवत्ता जांच से जुड़े पहलुओं की भी जांच महत्वपूर्ण है।



जलंधर नाथ महादेव मंदिर में धर्मसभा, संतों ने निर्माण कार्यों का लिया जायजा

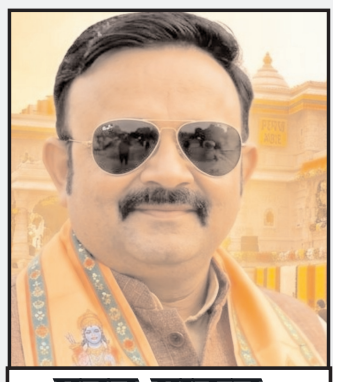
महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागरा। कस्बे के स्टेशन रोड स्थित जलंधर नाथ महादेव मंदिर में मंगलवार को धर्मसभा का आयोजन किया गया। इसमें महंत गंगा नाथ महाराज, सांथू के विष्णु स्वरूप और आनंद नाथ के सानिध्य में ग्रामवासियों ने भाग लिया। धार्मिक आयोजन को लेकर ग्रामीणों में उत्साह रहा। ग्रामीणों ने संतों का ढोल बजाकर स्वागत किया। इसके बाद पंडित कमलेश कुमार ने मंत्रोच्चार के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। धर्मसभा के दौरान महंत गंगा नाथ महाराज सहित संतों ने निर्माणाधीन मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर में चल रहे भवन निर्माण सहित अन्य कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और ठेकेदार से निर्माण कार्यों की जानकारी ली। संतों ने निर्माण कार्यों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए, ताकि मंदिर परिसर का कार्य व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ सके। इस अवसर पर संतों ने ग्रामीणों और भामाशाहों से मंदिर तथा दुकानों के निर्माण में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने धार्मिक स्थलों के विकास में समाज की सहभागिता को महत्वपूर्ण बताते हुए सभी से यथासंभव सहयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान महाआरती का आयोजन किया गया। इसमें श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान जलंधर नाथ महादेव के दर्शन किए और सुख-समृद्धि की कामना की। धर्मसभा में रामगोपाल अग्रवाल, बजरंग सिंह राठौड़, जयसिंह दहिया सहित कई ग्रामीण और श्रद्धालु मौजूद रहे।

सम्पादकीय

जब सिस्टम चुप हो जाता है, तो सड़कों पर उतरी जनता की ताकत हुक्मरानों के तख्त हिला देती है!

'राहुल गांधी ने चीफ जस्टिस के बयान को सिर-माथे पर रखकर कानूनी लड़ाई शुरू कर दी हैः लेकिन अब कोर्ट के लिए 'आंखें मूंदना' आसान नहीं होगा! जंतर-मंतर पर लड़कियों के फौलादी हौसले ने साबित कर दिया है कि गुलामी की सोच अब कुचल दी गई है। '



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

विचार और एनालिसिस (स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव): देश की राजधानी दिल्ली से लेकर सड़कों तक जो पॉलिटिकल और सोशल भूकंप आया है, वह कोई आम घटना नहीं है। आज़ाद भारत के इतिहास में ऐसा कभी नहीं देखा गया कि जिन संस्थाओं पर संविधान और डेमोक्रेसी की रक्षा करने की ज़िम्मेदारी थी, वे ही सत्ता के मोह में चुप हो गईं। सबसे ऊंचे सिस्टम से जनता की नाराज़गी, जो विपक्षी नेताओं से मिलने, उनकी बात सुनने से बचता है और आम नियमों में मनमानी छूट देकर सिर्फ़ चुने हुए पत्रकारों को 'दह्योदामरो' गोलमोल जवाब देता है, अब ज्वालामुखी की तरह फट गया है। आज देश के इतिहास में एक नया मोड़ आया है, जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चीफ जस्टिस के हालिया बयान का सम्मान करते हुए सीधी कानूनी लड़ाई शुरू कर दी है।

पिछली याचिकाओं पर आंखें मूंद लेने वाला सिस्टम अब नहीं टिक पाएगा!

पहले भी देश के कई जागरूक नागरिकों, सामाजिक संगठनों और बुद्धिजीवियों ने स्क्रूक (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) और वोटर लिस्ट में गड़बड़ियों और 'वोट चोरी' जैसे गंभीर मुद्दों पर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।दुख की बात यह है कि उस समय कोर्ट का रवैया ज़्यादातर ' दुख की बात यह है कि उस समय कोर्ट का रवैया ज़्यादातर 'आंखें मूंद लेने' और इनडायरेक्टली रूलिंग सिस्टम का सपोर्ट करने का था।

लेकिन समय बदल गया है, जनता की आंखें खुल गई हैं और मौजूदा बदले हुए राजनीतिक और सामाजिक माहौल में कोर्ट या जांच करने वाले सिस्टम के लिए उस पुराने रवैये को बनाए रखना आसान नहीं होगा। अगर ज्यूडिशियरी अब भी आंखें मूंदकर बैठी रही, तो देश के लोगों का डेमोक्रेसी से हमेशा के लिए भरोसा उठ जाएगा।

अगला लेखः सुप्रीम कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया है 'यह किसी एक पार्टी की रैली नहीं है, यह वोट चोरी के खिलाफ एक बड़ा संघर्ष है! '

आज दिल्ली की धरती पर उमड़ी भारी भीड़ और इंसानियत ने मौजूदा हुक्मरानों की सांसें रोक दी हैं। इस बड़ी रैली में राहुल गांधी ने दहाड़ते हुए साफ शब्दों में देश को मैसेज दिया है, 'यह किसी एक पॉलिटिकल पार्टी या ताकत की लड़ाई नहीं है, बल्कि इस देश के करोड़ों नागरिकों के वोटिंग राइट्स की चोरी के खिलाफ एक यूनिवर्सल जंग है। '

जब चुनावों में अनदेखे हाथों से वोटों की हेराफेरी हो रही हो और लोगों के मैंडेट से छेड़छाड़ हो रही हो, तो चुप रहना भी एक तरह का जुर्म है। इस भारी भीड़ के आने से अब यह साफ हो गया है कि आने वाले दिनों में इस रूलिंग गैंग और करप्ट सिस्टम की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं।

जंतर-मंतर पर महिला शक्ति की हुंकारः लड़कियों के अदम्य साहस ने पुलिस को भी हिला दिया है!

अगर इस पूरे मूवमेंट का कोई एक इंस्पायरिंग पहलू है, तो वह है दिल्ली के जंतर-मंतर पर हो रहा सोशल संघर्ष। एक तरफ सरकार अपनी दमनकारी पुलिस मशीनरी का इस्तेमाल करके विपक्ष की आवाज़ को कुचलना चाहती है, वहीं दूसरी तरफ वहां मौजूद पत्रकार, युवा प्रदर्शनकारी और खासकर देश की लड़कियां जो अदम्य साहस के साथ अन्याय का सीधा सामना कर रही हैं– यह अद्भुत और तारीफ़ के काबिल है।

पुलिस के लाठीचार्ज, बल प्रयोग और डराने-धमकाने के बीच भी ये लड़कियां बिना पीछे हटे डटी हुई हैं। सत्ता के बल पर सच की आवाज़ को दबाने की कोशिश कर रही पुलिस के खिलाफ इस नारी शक्ति का संघर्ष देखकर न सिर्फ सम्मान बढ़ता है, बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य पर भरोसा भी बढ़ता है।

एडिटोरियल निष्कर्षः जनता अब चुप नहीं रहेगी!

जब देश की जनता, युवा और विपक्ष के नेता संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए सड़कों पर खून बहा रहे हैं, तो कागजों पर लोकतंत्र की रक्षा का दावा करने वालों को भी आत्ममंथन करने का समय आ गया है। जनता अब जाग चुकी है और इस अन्याय के खिलाफ आवाज़ को अब और दबाया नहीं जा सकता। राहुल गांधी के नेतृत्व में और जनता के समर्थन से शुरू हुई इस लड़ाई को अब अंजाम तक पहुंचाना होगा।वोटर लिस्ट में कथित गड़बड़ियों और वोट चोरी के आरोपों को लेकर राहुल गांधी की कानूनी लड़ाई तथा जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध-प्रदर्शन ने देश में चुनावी पारदर्शिता और लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर बहस तेज कर दी है। प्रदर्शनकारियों ने निष्पक्ष जांच, मतदाताओं के अधिकारों की सुरक्षा और जवाबदेही की मांग उठाई है। इस पूरे घटनाक्रम ने न्यायपालिका की भूमिका, चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता और विरोध की आवाज को लेकर भी कई सवाल खड़े किए हैं।

अदालत बोली–जब कैंसर की दवाओं पर मार्जिन तय हो सकता है, तो दूसरी दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण क्यों नहीं? केंद्र ने 2,500 करोड़ रुपये की सालाना बचत का दिया अनुमान

कैंसर की दवाओं पर 30% मुनाफे की सीमा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछे सवाल

नई दिल्ली। कैंसर की दवाओं पर मुनाफे की सीमा 30 प्रतिशत तक निर्धारित करने के केंद्र सरकार के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाए हैं। अदालत ने केंद्र के जवाब पर असंतोष जताते हुए कहा कि सरकार की ओर से दी गई दलीलों में ऐसा कुछ नहीं है, जिससे संतुष्ट हुआ जा सके। कोर्ट ने पूछा कि जब कैंसर की दवाओं पर मुनाफे की सीमा तय की जा सकती है, तो दूसरी दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए भी इसी तरह के कदम क्यों नहीं उठाए जाते। मामले में अदालत ने दवाओं की कीमत निर्धारित करने की प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी देने के लिए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को 27 अक्टूबर तक का समय दिया है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने बताया कि कैंसर की दवाओं पर मुनाफे की सीमा निर्धारित करने से मरीजों को सालाना करीब 2,500 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है। अदालत ने दवाओं की वास्तविक लागत और बाजार में उनकी बिक्री कीमत के बीच अंतर को लेकर भी सवाल किए। बेंच ने पूछा कि जब दवाओं के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में परिवहन, अनुसंधान और अन्य खर्चों को शामिल किया जाता है, तो कुछ दवाओं को उनकी वास्तविक लागत से 400 गुना तक अधिक कीमत पर बेचने की अनुमति क्यों दी जाती है। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान भाटी ने दलील दी कि भारत में दवाओं की कीमतें दुनिया के कई देशों की तुलना में कम हैं। यही वजह है कि विदेशों से भी लोग इलाज कराने के लिए भारत आते हैं। वहीं, तुषार मेहता ने तर्क दिया कि दवाओं पर अधिक व्यापारिक मार्जिन होने से उन्हें दूर-दराज के इलाकों तक पहुंचाने में मदद मिलती है। इस पर अदालत ने दवाओं की उपलब्धता और उनकी कीमतों के बीच संतुलन को लेकर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर (डीपीसीओ) के तहत जिन दवाओं की कीमतें नियंत्रित की जाती हैं, उन्हें मरीजों तक पहुंचाना सरकार की जिम्मेदारी है। अदालत के सामने मुख्य सवाल यह है कि किन दवाओं को मूल्य नियंत्रण के दायरे में रखा जाना चाहिए और दवाओं की कीमत तय करने के लिए क्या व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए। सुनवाई में अदालत की चिंता इस बात को लेकर भी सामने आई कि जीवनरक्षक दवाओं की कीमतें आम मरीजों की पहुंच में कैसे रखी जाएं। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में दवाओं पर होने वाला खर्च परिवारों पर बड़ा आर्थिक बोझ डाल सकता है। ऐसे में केवल कुछ दवाओं पर मुनाफे की सीमा निर्धारित करना पर्याप्त है या दूसरी आवश्यक दवाओं को भी मूल्य नियंत्रण के दायरे में लाने की जरूरत है, यह महत्वपूर्ण सवाल बना हुआ है। पीसीओ के तहत इस तरह तय होती है दवाओं की कीमत केंद्र सरकार ने अदालत को बताया कि ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर, 2013 के तहत अनुसूची-एक में शामिल दवाओं की अधिकतम कीमत निर्धारित की जाती है। इसके लिए बाजार में उपलब्ध ब्रांडेड और जेनेरिक दवाओं के आंकड़ों का इस्तेमाल किया जाता है। जिन दवाओं के संबंधित बाजार में कम से कम एक प्रतिशत हिस्सेदारी होती है, उनकी कीमतों का औसत निकालकर अधिकतम मूल्य तय करने की प्रक्रिया अपनाई जाती है। सरकार के अनुसार, इस गणना में 16 प्रतिशत व्यापारिक मार्जिन भी जोड़ा जाता है। केंद्र ने स्पष्ट किया कि मूल्य नियंत्रण के तहत निर्धारित अधिकतम कीमत को सीलिंग प्राइस कहा जाता है। इस सीमा से अधिक कीमत पर संबंधित दवा नहीं बेची जा सकती। हालांकि, निर्धारित सीमा के भीतर थोक और खुदरा विक्रेताओं को व्यापारिक मार्जिन मिल सकता है। सरकार ने अदालत को बताया कि अब तक कुल 935 दवा फॉर्म्युलेशन की सीलिंग कीमतें निर्धारित की जा चुकी हैं।

सुपर अलनीनो की आशंका से महंगाई की मार, चीनी-दूध से लेकर दाल और आटे तक बढ़े दाम

खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों और कमजोर मानसून की आशंकाओं ने आम लोगों के साथ खाद्य उद्योग की चिंता भी बढ़ा दी है। सुपर अलनीनो के संभावित प्रभाव को लेकर कृषि उत्पादन पर दबाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। पिछले 20 दिनों में चीनी के दाम 10.16 प्रतिशत, दूध के 6.12 प्रतिशत, दालों के 4.68 प्रतिशत और आटे के दाम 6.67 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, दिसंबर में अलनीनो का प्रभाव चरम पर पहुंच सकता है और इसका असर अगली गर्मियों के अंत तक बने रहने की आशंका है। ऐसे में जून 2027 तक फसलों के उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी के बीच कृषि विशेषज्ञों और उद्योग से जुड़े लोगों को चिंता है कि यदि बारिश सामान्य से कम रही और तापमान अधिक बना रहा, तो आने वाले महीनों में फसलों की पैदावार प्रभावित हो सकती है। इसका असर अनाज, दालों, तिलहन और चीनी के उत्पादन पर पड़ने के साथ बाजार में उनकी उपलब्धता पर भी दिखाई दे सकता है। हालांकि, उत्पादन और कीमतों पर वास्तविक प्रभाव मानसून, सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता तथा फसलों की स्थिति पर निर्भर करेगा। चना, गन्ना और तिलहन की फसलों पर बढ़ सकता है दबाव इंडियन पल्सेज एंड ग्रेन्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बिमल कोठारी ने वर्ष 2027 के कृषि परिदृश्य को लेकर चिंता जताई है। उनके मुताबिक, महाराष्ट्र और कर्नाटक में सूखे जैसी स्थिति रबी मौसम में चने की फसल के लिए चुनौती बन सकती है। इन क्षेत्रों में बारिश और मिट्टी की नमी की स्थिति कमजोर रहने पर उत्पादन प्रभावित होने का खतरा बढ़ सकता है। गन्ने की फसल को लेकर भी चिंता जताई जा रही है। श्री रेणुका शुगर्स के निदेशक अतुल चतुर्वेदी ने सोयाबीन और मूंगफली की पैदावार पर गंभीर खतरे की आशंका व्यक्त की है। इन फसलों का उत्पादन मौसम और मिट्टी में उपलब्ध नमी से प्रभावित होता है। यदि लंबे समय तक बारिश की कमी और अधिक तापमान की स्थिति बनी रहती है, तो फसलों की वृद्धि तथा पैदावार पर असर पड़ सकता है।रू कृषि उत्पादन में कमी की आशंका का असर खाद्य उद्योग की तैयारियों पर भी पड़ रहा है। दाल, तेल, चीनी और अनाज जैसे उत्पादों की कीमतें काफी हद तक उनकी उपलब्धता, मांग, भंडार और उत्पादन लागत पर निर्भर करती हैं। ऐसे में यदि प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में फसल कमजोर रहती है, तो आने वाले समय में कीमतों पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। चीनी के मिल भाव 30 प्रतिशत तक बढ़ने की आशंका चीनी की कीमतों को लेकर भी उद्योग जगत ने चिंता जताई है। इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रेन एनर्जी के दिलीप पाटिल के मुताबिक, वित्त वर्ष 2027-28 के अंत तक चीनी के उत्पादन और उपलब्धता की स्थिति चुनौतीपूर्ण रह सकती है। फिलहाल चीनी के मिल भाव करीब 42 रुपये प्रति किलो बताए गए हैं, जबकि खुदरा बाजार में इसकी कीमत 55 रुपये प्रति किलो तक पहुंच रही है। अनुमान जताया गया है कि जून से अक्टूबर 2027 के बीच चीनी के मिल भाव में 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, यह अनुमान है और वास्तविक कीमतें गन्ने की पैदावार, चीनी उत्पादन, बाजार में उपलब्ध स्टॉक तथा मांग पर निर्भर करेंगी। यदि गन्ने का उत्पादन प्रभावित होता है और चीनी की उपलब्धता घटती है, तो मिल स्तर पर कीमतों में बढ़ोतरी का दबाव बढ़ सकता है। इसका असर आगे चलकर खुदरा बाजार में भी दिखाई दे सकता है।

चीनी खाद्य उद्योग के कई उत्पादों में इस्तेमाल होती है। इसलिए इसकी कीमतों में तेजी का प्रभाव केवल घरेलू रसोई तक सीमित नहीं रहता, बल्कि मिठाई, बेकरी और अन्य खाद्य उत्पादों की लागत पर भी पड़ सकता है। ऐसे में चीनी के उत्पादन और बाजार में उपलब्धता पर मौसम की स्थिति का असर उद्योग के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ है।

गरबा जैसा पहले थाः 'ब्रोस ना गरबा' पारंपरिक नवरात्रि की असली भावना को वापस लाता है

अहमदाबाद. ऐसे समय में जब त्योहारों का जश्न सिर्फ़ कमर्शियल चमक-दमक, तेज़ DJ बीट्स और शोर-शराबे वाले मनोरंजन तक सीमित हो गया है, 'नीश एक्सपीरियंस' गुजरात के इस सबसे बड़े त्योहार की असली भावना और पहचान को वापस लाने के लिए आगे आया है। 'नीश बाय कामना' की फाउंडर कामना व्यास, जो पिछले 6 से 7 सालों से कल्चरल एक्सपीरियंस और इवेंट्स के क्षेत्र में बहुत अच्छा काम कर रही हैं, के गाइडेंस में, 'ब्रोस ना गरबा' लोगों को पुराने समय में वापस ले जाने और नवरात्रि को उसके सबसे शुद्ध और असली रूप में अनुभव कराने का वादा करता है।

अपनी जड़ों की ओर लौटना

'गरबा जैसा पहले था' के इमोशनल मैसेज के साथ, यह खास कल्चरल इवेंट परंपरा, पवित्र भक्ति और सच्चे सामाजिक जुड़ाव की दिशा में एक सार्थक पहल है। ऐतिहासिक रूप से, गरबा सिर्फ़ एक बड़ी पार्टी या ट्रेंडी सोशल गैदरिंग नहीं थी; यह देवी के प्रति भक्ति, आध्यात्मिक जुड़ाव और सांस्कृतिक एकता की गहरी अभिव्यक्ति थी। 'ब्रोस ना गरबा' उसी पवित्र माहौल को फिर से ज़िंदा करने की कोशिश कर रहा है, जो मॉडर्न कमर्शियल जगहों के शोर और दिखावे से दूर एक शांत अनुभव देता है।

पिछले छह-सात सालों में, कामना व्यास ने 'नीश बाय कामना' के ज़रिए, अपने क्रिएटिव विज़न को ऐसे कल्चरल इवेंट्स के लिए समर्पित किया है जो लोगों को उनकी विरासत से जोड़ते हैं। 'ब्रोस ना गरबा' के साथ, उनका विज़न देवी की पूजा, देसी क्राफ्ट और लोक विरासत की सुंदरता पर फ़ोकस करता है।

एक समय था जब गरबा अपनी सादगी, पवित्र लय और आपसी खुशी के लिए जाना जाता था। 'ब्रोस ना गरबा' उसी सदाबहार एहसास को वापस लाता है, जहाँ माताजी की पूजा के साथ-साथ पारंपरिक क्राफ्ट, कारीगरी और गुजराती कल्चर के अमर रूप का जश्न मनाया जाएगा। यहाँ कोई फालतू का दिखावा या दिखावटीपन नहीं है–बस सादगी, सच्ची भक्ति और पारंपरिक गुजराती गरबा की असली एनर्जी है।

'ब्रोस ना गरबा' को क्या खास बनाता है?

1. सच्ची भक्ति और पूजा

यह इवेंट पूरी तरह से माताजी की पूजा पर फ़ोकस है। माहौल नवरात्रि की आध्यात्मिक पवित्रता को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जहाँ लोग पारंपरिक गरबा गीतों और पुरानी लोक धुनों के ज़रिए त्योहार की भक्ति जड़ों से गहराई से जुड़ सकते हैं।

2. देसी शिल्प और कारीगरी की विरासत

सिर्फ़ गरबा ही नहीं, 'ब्रोस ना गरबा' पारंपरिक कारीगरों और स्थानीय मूर्तिकारों के लिए भी एक बड़ा प्लेटफ़ॉर्म है। विज़िटर्स हाथ से बनी चीज़ों और पारंपरिक सजावट की कला का अनुभव करेंगे, जो उन्हें सीधे गुजरात की समृद्ध सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ती है।

3. सादी शुद्ध ऊर्जा

कमर्शियल ध्यान भटकाने वाली चीज़ों, VIP कल्चर और बनावटी चमक-दमक से दूर रहकर, यह इवेंट ऐसा माहौल देता है जहाँ गरबा खुशी, एकता और संस्कृति का सबसे बड़ा इज़हार बना रहता है।

4. गहरा सामाजिक जुड़ाव



पुराने ज़माने की पारंपरिक गलियों, गली-गली गरबा और पोलो की भावना को ज़िंदा रखते हुए, यह इवेंट सभी पीढ़ियों के लोगों के बीच आपसी प्यार, सांस्कृतिक गर्व और अपनापन बढ़ाता है। इवेंट की खास बातें एक नज़र में गरबा जैसा पहले था (पारंपरिक और असली नवरात्रि)

मुख्य थीमः कल्चरल हेरिटेज, देसी क्राफ्ट और सच्ची भक्ति



क्यूरेटर और फाउंडर कामना व्यास (नीश बाय कामना) नीश एक्सपीरियंसकल्चरल एक्सपीरियंसः कामना व्यास के 6 से 7 साल के अनोखे कल्चरल एक्सपीरियंस पर आधारित एक अमर कल्चर ल मूवमेंट अगर आप पुराने ज़माने की नवरात्रि की सादगी, अपनापन और आध्यात्मिक आस्था को मिस कर रहे हैं, तो 'ब्रोस ना गरबा' आपके लिए है। सोच-समझकर बनाए गए माहौल का हिस्सा बनें जो हमारे पुरखों की परंपराओं का सम्मान करता है, लोकल कारीगरों को बढ़ावा देता है और गुजराती विरासत को उसके सबसे शुद्ध रूप में मनाता है।

टैगलाइनः 'गरबा जैसा पहले था – अपनी जड़ों की ओर वापसी। अपनी परंपराओं का जश्न। '

अल्ताफ राजा : एक ऐसी आवाज़, जो दिल को छू जाए और विरह की वेदना को सुरों में ढाल दे

भारतीय संगीत जगत में कुछ आवाज़ें ऐसी होती हैं, जो केवल कानों तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि सीधे हृदय की गहराइयों तक पहुँच जाती हैं। ऐसी ही एक अनूठी आवाज़ का नाम है अल्ताफ राजा। कव्वाली, ग़ज़ल और विरह की भावपूर्ण रचनाओं के माध्यम से उन्होंने संगीतप्रेमियों के दिलों में अपनी अलग पहचान बनाई है। उनकी गायकी में प्रेम की मिठास, बिछड़ने की पीड़ा और शायरी की सुंदर अभिव्यक्ति का अनूठा संगम देखने को मिलता है।

नागपुर से संगीत जगत तक का सफ़र

अल्ताफ राजा का जन्म 15 अक्टूबर, 1967 को महाराष्ट्र के नागपुर में हुआ था। संगीत के संस्कार उन्हें अपने परिवार से विरासत में मिले। उनके माता-पिता कव्वाली से जुड़े हुए थे, इसलिए बचपन से ही उन्हें संगीत का माहौल मिला। इन्हीं संस्कारों ने उनकी संगीत यात्रा को एक नई दिशा प्रदान की।

'तुम तो ठहरे परदेसी' से देशभर में पहचान

वर्ष 1997 में रिलीज़ हुए उनके लोकप्रिय एल्बम **'तुम तो ठहरे परदेसी'** ने उन्हें देशभर में विशेष पहचान दिलाई। इस गीत के बोल और हृदयस्पर्शी गायकी लोगों की जुबान पर चढ़ गए। प्रेम में मिलने वाला दर्द, विरह की अनुभूति और प्रियजन से दूर होने की पीड़ा को उन्होंने अपनी आवाज़ में इस तरह प्रस्तुत किया कि श्रोता भावनात्मक रूप से इस गीत से जुड़ गए। अल्ताफ राजा की विशेषता यह है कि वे गीत के शब्दों को केवल स्वर नहीं देते, बल्कि उनमें छिपी भावनाओं को भी जीवंत कर देते हैं। उनकी गायकी में कव्वाली की परंपरा, ग़ज़ल की नज़ाकत और लोकप्रिय संगीत की सहजता का सुंदर समन्वय अनुभव किया जा सकता है।

जब गीत बन जाए दिल की आवाज़

'मुझे अपना बना लो', 'दिल के टुकड़े हज़ार हुए' और 'आज की रात ना जा परदेसी' जैसी रचनाओं ने भी उनकी पहचान को विस्तार दिया। उनके गीतों में प्रेम, बेवफ़ाई, यादों और अधूरी भावनाओं का भावपूर्ण चित्रण देखने को मिलता है। संगीत की दुनिया में समय के साथ अनेक परिवर्तन आए हैं। नई पीढ़ी के गायकों और संगीत की नई शैलियों ने अपनी जगह बनाई है, फिर भी अल्ताफ राजा के गीतों से जुड़ी यादें आज भी अनेक श्रोताओं के मन में जीवंत हैं। क्योंकि सच्चा संगीत केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि मनुष्य के जीवन के अनुभवों और भावनाओं को भी स्पर्श करता है। अल्ताफ राजा की संगीत यात्रा हमें यह समझाती है कि किसी कलाकार की वास्तविक पहचान उसकी आवाज़ की विशिष्टता और श्रोताओं के हृदय में बनाए गए स्थान से होती है। 'तुम तो ठहरे परदेसी' जैसी रचना ने उन्हें जो लोकप्रियता दिलाई, वह उनके करियर का एक यादगार अध्याय है।

कुछ आवाज़ें समय के साथ धुंधली नहीं पड़तीं; वे यादों में बसती हैं, भावनाओं में गूँजती हैं और हृदय के किसी कोने में अपना स्थायी स्थान बना लेती हैं। अल्ताफ राजा की आवाज़ भी संगीतप्रेमियों के लिए ऐसा ही एक अविस्मरणीय अनुभव है।

(बुधवार)14 अक्टूबर 2026

मेष
भावनाओं में बहकर कोई बड़ा फैसला लेने से बचें। धैर्य और समझदारी से काम करेंगे तो पारिवारिक मामलों में बेहतर परिणाम मिल सकते हैं।

वृषभ
योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखें और किसी भी निर्णय से पहले सभी पहलुओं पर विचार करें।

मिथुन
आज परिवार में सुखद माहौल रहेगा और किसी पुरानी चिंता से राहत मिल सकती है। कामकाज में सफलता के लिए अपनी योजनाओं पर ध्यान दें

कर्क
आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। परिवार का सहयोग मिलेगा और पुराने काम को पूरा करने में सफलता मिल सकती है।

सिंह
रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी और पुराने मतभेद दूर करने का अवसर मिल सकता है। कामकाज में सकारात्मक प्रगति से मन प्रसन्न रहेगा

कन्या
कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो रुके हुए कामों में सफलता मिलने के योग हैं।

तुला
दिन नई संभावनाएं लेकर आ सकता है। बातचीत के जरिए किसी उलझन का समाधान निकलेगा और कार्यक्षेत्र में लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक
विरोधियों पर विजय मिलेगी। मेहनत का फल प्राप्त होगा वाहन सावधानी से चलाएं। लेन-देन में सतर्कता बरतें।

धनु
आज अधूरे काम पूरे करने की दिशा में प्रगति हो सकती है। धन के लेन-देन में सावधानी रखें और किसी भी बात पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें

मकर
दिन सकारात्मक रहेगा, काम में सफलता के साथ आर्थिक लाभ होगा और परिवार के किसी सदस्य से मिली अच्छी खबर मन प्रसन्न कर देगी

कुंभ
नए अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं, महत्वपूर्ण काम में सफलता मिलेगी और किसी पुराने संपर्क से आपको विशेष लाभ मिल सकता है

मीन
कामकाज में सकारात्मक प्रगति से मन प्रसन्न रहेगाआत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो रुके हुए कामों में सफलता मिलने के योग हैं।

देश के असली हीरो या तो संत तुकाराम हैं या IAS तुकाराम!

21 साल की सर्विस और 26 ट्रांसफर! करप्शन की बहती गंगा में खामोश आवाज़ बने इस ऑफिसर ने साबित कर दिया कि नेता और माफिया कितनी भी कोशिश कर लें, ईमानदारी का सूरज कभी डूब नहीं सकता! '

आज के मैटेरियलिस्टिक और करप्शन से भरे ज़माने में अगर कोई इंसान सत्ता की गद्दी को चैलेंज करके सिर्फ़ पब्लिक वेलफेयर और कॉन्स्टिट्यूशन के रास्ते पर चलता है, तो या तो वह बर्बाद हो जाता है या उसकी ज़िंदगी नर्क बन जाती है। भारत में ऑफिसर या लीडर बनने के बाद करप्शन करना अब कोई बड़ी बात नहीं रही, यह पानी पीने जितना आसान हो गया है। लेकिन अगर कोई एक चीज़ है जिसके लिए सबसे ज़्यादा मुश्किल और लोहे जैसा दिल चाहिए, तो वह है करप्शन की इस बहती गंगा में हाथ धोने से बचना! इस समंदर में अगर कोई ऑफिसर पवित्र आत्मा और पवित्र आत्मा बनकर रहता है, तो सबसे पहला नाम जो दिमाग में आता है, वह है गूंज मैक्लेलन - तुकाराम मुंडे।

21 साल की ड्यूटी और 26 ट्रांसफरः अधिकारियों के थरथराने का दूसरा नाम!

कोई नई नौकरी शुरू करने, घर में सामान रखने और परिवार के साथ बसने से पहले ही कोई लालची नेता, कोई लैंड माफिया या कोई करप्ट रेत चोर टोक देता है और तुरंत उसके हाथ में ट्रांसफर लेटर थमा देता है - यह तुकाराम मुंडे के करियर की कड़वी सच्चाई रही है। 21 साल की सर्विस में 26 बार ट्रांसफर होना कोई नॉर्मल एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसेस नहीं है, लेकिन यह इस बात का सबूत है कि जब कोई ऑफिसर लोगों के हित में काम करने बैठता है तो पावर की कुर्सियां ??कैसे हिलने लगती हैं।

सबसे बड़ा टॉर्चर यह है कि सिस्टम आपको तोड़ने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाता है। अगर आप इस टॉर्चर से बचना चाहते हैं, तो एक ही रास्ता है - करप्ट हो जाओ! फिर अपने आप सभी माफिया लॉबी से रिश्ते सुधर जाते हैं, नेता गले मिलते हैं और आपको क्रीमी पोस्टिंग की ज़रूरतें मिलने लगती हैं। लेकिन तुकाराम मुंडे जैसे पक्के योद्धा कभी नहीं झुके।

सोशल मीडिया का ज़मानाः जनता अब असली हीरो को पहचानती है! खैर, ज़माना बदल गया है। अब छिपाकर रखा गया करप्शन छिपता नहीं है और सोशल मीडिया के इस ज़माने में जनता असली और नकली हीरो में फ़र्क अच्छी तरह समझती है। जब भी तुकाराम साहेब ने करप्ट, माफ़िया और भ्रष्ट लोगों पर नकेल कसी है, वे सोशल मीडिया पर युवाओं के रोल मॉडल बन गए हैं। हाल ही में, जब महाराष्ट्र सरकार के एग्जाम में पेपर लीक और स्कैम के बीच स्टूडेंट्स सड़कों पर उतरे, तो सरकार ने तुकाराम मुंडे को सेक्रेटरी की ज़िम्मेदारी दी। कमाल देखिए! जैसे ही तुकाराम मुंडे का नाम आया, स्टूडेंट्स ने तुरंत अपनी हड़ताल खत्म कर दी। क्यों? क्योंकि जनता जानती है कि यह आदमी कोई बड़े झूठे वादे या वायदे नहीं करेगा, लेकिन अगर कुर्सी पर बैठा है, तो इंसाफ़ ज़रूर दिलाएगा!

एडिटोरियल निष्कर्षः सिस्टम को सुधारने के लिए ऐसे कई तुकाराम की ज़रूरत है!

जब भी देश के इतिहास में ईमानदारी की बात आएगी, तो संत तुकाराम के आध्यात्मिक विचारों के साथ एडमिनिस्ट्रेशन की ज़मीन पर डटे रहने वाले द्वैस तुकाराम मुंडे का नाम सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। नेता और भ्रष्ट लोग चाहे कितनी भी साज़िशें रच लें, जब तक ऐसे अधिकारी ज़िंदा हैं, इस देश की उम्मीद ज़िंदा है।

गनर बाहर, घर के अंदर बंधक बने मंत्री जी! भाजपा नेता रमेश यादव के घर लूटपाट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के मंत्री रमेश यादव के घर लूटपाट की घटना सामने आने से हड़कंप मच गया। आरोप है कि रात करीब 10:30 से 11 बजे के बीच घर में घुसे बदमाशों ने मंत्री के हाथ-पैर बांधकर उन्हें बंधक बना लिया। इसके बाद बदमाश घर से करीब 12 लाख रुपये की नकदी, सोने का कड़ा, चेन और घड़ी लेकर फरार हो गए। मंत्री को बंधक बनाकर लूटपाट किए जाने की घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। वारदात सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। बताया गया है कि मंत्री की सुरक्षा के लिए सरकारी गनर तैनात था, लेकिन घटना के समय वह सामने वाली इमारत में मौजूद था। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि सुरक्षा में तैनात गनर की मौजूदगी के बावजूद बदमाश घर में कैसे घुस गए और वारदात को अंजाम देकर फरार कैसे हो गए। पुलिस निजी सुरक्षा गार्ड की भूमिका और घटना के समय उसकी मौजूदगी की भी जांच कर रही है। घटना की सूचना मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। दक्षिण क्षेत्र के डीसीपी दीपेंद्र चौधरी ने बताया कि पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि घटना के समय सुरक्षा कर्मी कहां थे। मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और आरोपियों की तलाश के लिए कई पुलिस टीमें गठित की गई हैं। पुलिस आसपास लगे निगरानी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि बदमाशों के आने-जाने के रास्ते और उनकी पहचान के संबंध में सुराग मिल सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों तक पहुंचने के लिए अलग-अलग बिंदुओं पर जांच की जा रही है और जल्द गिरफ्तारी की उम्मीद है। गौरतलब है कि रमेश यादव को मंत्री बने अभी महज 13 दिन ही हुए थे। इतने कम समय में उनके घर पर हुई इस वारदात ने सुरक्षा इंतजामों को लेकर चर्चा तेज कर दी है। फिलहाल पुलिस लूटपाट के आरोपों की जांच कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।



भाजपा-सपा की तैयारियों के बीच मायावती का बड़ा दांव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के अमरिया कस्बे में रामलीला मेले की कमेटी की बैठक के दौरान पुराने हिसाब-किताब को लेकर हुए विवाद में गोलीबारी हो गई। घटना में दो सगे भाइयों अंकित गुप्ता और मोहित गुप्ता के साथ 15 वर्षीय कुणाल श्रीवास्तव की मौत हो गई। वारदात के बाद पूरे इलाके में तनाव और शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, सोमवार देर रात रामलीला मेले की कमेटी की बैठक चल रही थी। बैठक में 31 सदस्य शामिल थे। इसी दौरान कौशल गुप्ता ने कमेटी के अध्यक्ष सूरज गुप्ता और चंद्र प्रकाश से पुराने हिसाब का ब्योरा मांगा। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मामला मारपीट तथा गोलीबारी तक पहुंच गया। आरोप है कि दोनों पक्षों के बीच हुई फायरिंग में अंकित गुप्ता और 15 वर्षीय कुणाल श्रीवास्तव की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल मोहित गुप्ता को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। एक ही घटना में तीन लोगों की मौत से कस्बे में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव, अपर पुलिस अधीक्षक हिमांशु गौरव समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी कौशल गुप्ता समेत 8 लोगों को हिरासत में लिया है। घटनास्थल से एक लाइसेंसी राइफल, एक अवैध हथियार और कुछ डंडे बरामद किए जाने की जानकारी सामने आई है। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ लोग हथियार लेकर घूमते और गाली-गलौज करते दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है और घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक टीम ने भी जांच की है। एहतियात के तौर पर इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। फिलहाल, पुलिस विवाद की वजह, गोलीबारी में शामिल लोगों और पूरे घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है।



केशव मौर्य का '80-20' नारा

एमएलसी चुनाव की सभी 11 सीटें जीतने का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

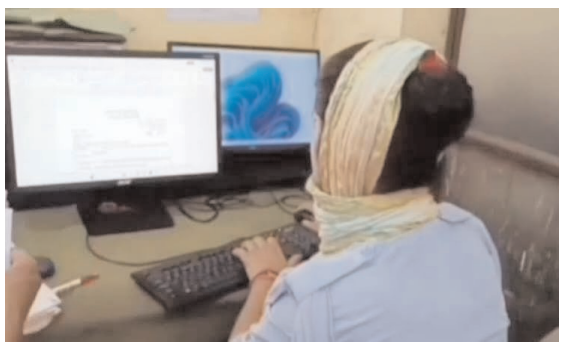
प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शिक्षक और स्नातक विधान परिषद चुनाव की सभी 11 सीटों पर भाजपा की जीत का दावा किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्षी गठबंधन पर भी निशाना साधा। मौर्य ने '80-20' का नारा देते हुए राज्यसभा चुनाव के परिणामों का जिक्र किया और भाजपा की चुनावी तैयारियों को लेकर भरोसा जताया। प्रयागराज में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मौर्य ने कहा कि 23 अक्टूबर को होने वाले विधान परिषद चुनाव में भाजपा सभी सीटों पर जीत दर्ज करेगी। झांसी-इलाहाबाद स्नातक सीट के प्रत्याशी अशोक कुमार राठौर के समर्थन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने दावा किया कि सभी दावेदार भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में एकजुट हैं। मौर्य ने अखिलेश यादव और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी नेता जनता की अदालत में पराजित हो चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव मुख्यमंत्री की कुर्सी को अपना अधिकार समझते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का जिक्र करते हुए भी उन्होंने विपक्षी नेताओं पर सत्ता को अपना अधिकार मानने का आरोप लगाया। मौर्य ने कहा कि सत्ता से दूर होने के कारण विपक्षी दल संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना और वामपंथी दलों का उल्लेख करते हुए विपक्षी गठबंधन पर भी सवाल उठाए। मौर्य ने कहा कि विपक्ष को भाजपा का मुकाबला करने के लिए जनता के बीच अपना पक्ष रखना चाहिए। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के मुद्दे पर मौर्य ने कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन किसी को भी देश में अराजकता फैलाने का अधिकार नहीं है। उनके अनुसार, भाजपा मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया में भाग ले रही है, जबकि विपक्ष अपनी बात को ही सही ठहराने की कोशिश कर रहा है। मौर्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईं। उन्होंने कहा कि 2014 से केंद्र में भाजपा की सरकार गरीबों के कल्याण, युवाओं के भविष्य, किसानों की आय बढ़ाने और देश की आर्थिक स्थिति मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है।



ट्यूशन पढ़ने आई छात्रा से दुष्कर्म का आरोप, शिक्षक गिरफ्तार; शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में ट्यूशन पढ़ने आई एक छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना थाटीपुर थाना क्षेत्र की बताई जा रही है, जहां एक निजी कोचिंग संस्थान में पढ़ाने वाले शिक्षक पर छात्रा के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि घटना के बाद शिक्षक ने उसे किसी को भी इस बारे में बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इस धमकी के कारण छात्रा डर गई और उसने तत्काल शिकायत दर्ज नहीं कराई। बाद में हिम्मत जुटाकर पुलिस से संपर्क किया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, घटना 24 सितंबर की है। आरोपी की पहचान सत्यजीत शाक्य (26), पुत्र नरेंद्र शाक्य, निवासी गांगली हार के रूप में हुई है। आरोप है कि वह थाटीपुर क्षेत्र स्थित बी-मिज्ज क्लासेस में शिक्षक के रूप में पढ़ाता था। छात्रा उसके घर पर ट्यूशन पढ़ने के लिए गई थी। इसी दौरान उसके साथ दुष्कर्म किए जाने का आरोप सामने आया है। पुलिस अब पीड़िता के बयान और शिकायत में बताए गए घटनाक्रम के आधार पर मामले की जांच कर रही है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि घटना के बाद आरोपी ने उसे डराया-धमकाया और किसी को जानकारी देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। आरोप है कि जान से मारने की धमकी मिलने के कारण वह काफी डर गई थी। इसी वजह से शिकायत दर्ज कराने में देरी हुई। बाद में उसने पुलिस के सामने अपनी बात रखी, जिसके आधार पर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। सीएसपी संदीप बांगरे के मुताबिक, पीड़िता की शिकायत पर 10 अक्टूबर को आरोपी शिक्षक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की तलाश की और उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है। जांच के दौरान घटना से जुड़े तथ्यों, पीड़िता के बयान और अन्य जरूरी साक्ष्यों को एकत्र किया जा रहा है। इस मामले में पुलिस यह भी जांच कर रही है कि घटना के समय क्या परिस्थितियां थीं और शिकायत में लगाए गए आरोपों से जुड़े सभी तथ्यों की पुष्टि कैसे की जा सकती है। मामले में आगे की कार्रवाई पुलिस जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी। ट्यूशन और शिक्षा के लिए शिक्षक पर भरोसा करके जाने वाले विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर ऐसी घटनाएं गंभीर सवाल खड़े करती हैं। खासकर, जब किसी छात्रा की ओर से धमकी दिए जाने का आरोप लगाया जाए, तो शिकायत दर्ज कराने और पीड़ित को सुरक्षा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया महत्वपूर्ण हो जाती है। फिलहाल, ग्वालियर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है।



नवरात्र में चिकन सूप बेचने के आरोप पर 'आनंद चिकन' में हंगामा, 75 रुपये की पर्ची को लेकर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। नवरात्र के दौरान नॉनवेज बिक्री को लेकर गाजियाबाद की मशहूर फूड शॉप 'आनंद चिकन' पर सोमवार रात हंगामा हो गया। खुद को हिंदू संगठन का कार्यकर्ता बताने वाला एक युवक दुकान पर पहुंचा और आरोप लगाया कि नवरात्र में भी यहां नॉनवेज बेचा जा रहा है। युवक ने कथित तौर पर चिकन सूप मांगने पर 75 रुपये मांगे जाने की बात कही और दुकान के अंदर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। मामला बढ़ने पर पुलिस को मौके पर पहुंचना पड़ा। वहीं, दुकान संचालक आशीष आनंद ने युवक के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि उससे चिकन सूप नहीं, बल्कि वेज सूप के 75 रुपये मांगे गए थे। जानकारी के अनुसार, सोमवार रात भगवा गमछा पहने युवक नया गंज स्थित आनंद चिकन शॉप पर पहुंचा था। उसने नवरात्र के दौरान दुकान पर नॉनवेज बिक्री होने का आरोप लगाते हुए विरोध शुरू कर दिया।



युवक ने दावा किया कि उसने चिकन सूप मांगा था और इसके लिए उससे 75 रुपये मांगे गए। इसके बाद उसने दुकान के अंदर वीडियो बनाना शुरू कर दिया। वीडियो में युवक दुकान की रसोई तक पहुंचकर सवाल-जवाब करता और विरोध जताता दिखाई दे रहा है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया। वीडियो में युवक जिस पर्ची के आधार पर चिकन सूप बेचे जाने का आरोप लगा रहा था, वह स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दी। वीडियो में ऐसा कोई स्पष्ट तथ्य भी सामने नहीं आया, जिससे नॉनवेज बिक्री के आरोप की पुष्टि हो सके। दुकान के अंदर पुलिसकर्मी भी दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में पूरे मामले को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई और दुकान संचालक को भी अपना पक्ष रखना पड़ा। दुकान संचालक आशीष आनंद ने युवक के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उससे 75 रुपये वेज सूप के मांगे गए थे, न कि चिकन सूप के। उनके अनुसार, इसी वजह से युवक चिकन सूप की पर्ची नहीं दिखा पाया। आशीष आनंद का कहना है कि बिना तथ्यों की पुष्टि किए दुकान पर हंगामा किया गया और वीडियो के माध्यम से गलत आरोप लगाए गए। उन्होंने कहा कि किसी भी दुकान पर आरोप लगाने से पहले वास्तविक स्थिति की जांच करना जरूरी है। आशीष आनंद ने बताया कि नवरात्र के दौरान उनकी दुकान पर कच्चे मीट और चिकन की बिक्री बंद रखी गई है, जबकि तैयार नॉनवेज खाद्य पदार्थों की बिक्री जारी है।

वन भूमि पर कब्जा रोकने पहुंची टीम पर हमला, ट्रैक्टर का पहिया युवक के ऊपर से गुजरा; डिप्टी रेंजर का सिर फूटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले के शाहगढ़ क्षेत्र में वन भूमि पर कथित अतिक्रमण रोकने पहुंची वन विभाग की टीम पर हमले का मामला सामने आया है। निवाही गांव में ट्रैक्टर से वन भूमि की अवैध जुताई किए जाने की सूचना पर पहुंची टीम के साथ विवाद हो गया। आरोप है कि मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने वनकर्मियों पर लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया। घटना में डिप्टी रेंजर शैलेंद्र कुमार तिवारी और वनपाल नारायण सिंह पलिया घायल हो गए। इसी दौरान अफरा-तफरी के बीच ट्रैक्टर का पिछला पहिया एक व्यक्ति के ऊपर से गुजरता दिखाई दिया। घटना का वीडियो भी सामने आने की जानकारी है। जानकारी के अनुसार, वन विभाग को सूचना मिली थी कि निवाही गांव में लाल रंग के ट्रैक्टर से वन भूमि की जुताई की जा रही है। इसके बाद डिप्टी रेंजर शैलेंद्र कुमार तिवारी के नेतृत्व में 8 से 10 वनकर्मियों की टीम मौके पर पहुंची। टीम का उद्देश्य कथित अवैध जुताई को रोकना और ट्रैक्टर को जब्त करना था। वनकर्मियों ने मौके पर कार्रवाई शुरू की तो वहां मौजूद लोगों के साथ कहासुनी हो गई।



डिप्टी रेंजर के अनुसार, बातचीत के दौरान अचानक उन पर और टीम के अन्य सदस्यों पर लाठी-डंडों तथा पत्थरों से हमला कर दिया गया। हमले में डिप्टी रेंजर शैलेंद्र कुमार तिवारी के सिर पर गंभीर चोट आई, जबकि वनपाल नारायण सिंह पलिया भी घायल हो गए। अन्य वनकर्मियों के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है। घायलों को पहले शाहगढ़ के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। इसके बाद डिप्टी रेंजर और वनपाल को बेहतर इलाज के लिए सागर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मौके पर अफरा-तफरी का माहौल दिखाई देने की बात कही जा रही है। वीडियो में लोगों की आवाजें सुनाई देती हैं और एक ट्रैक्टर तेजी से आगे बढ़ता नजर आता है। इसी दौरान उसका पिछला पहिया एक व्यक्ति के ऊपर से गुजरता दिखाई देता है। इसके बाद कुछ वनकर्मी ट्रैक्टर को रोकने के लिए आगे बढ़ते नजर आते हैं। हालांकि, वीडियो के सभी पहलुओं और घटना के क्रम की पुष्टि जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। सरकारी कर्मचारियों पर ड्यूटी के दौरान हुए इस हमले के बाद वन विभाग की टीम की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वन भूमि पर कथित अतिक्रमण रोकने और कार्रवाई करने पहुंची टीम को जिस तरह विरोध का सामना करना पड़ा, उससे मामला गंभीर हो गया है। वन विभाग की शिकायत के बाद पुलिस ने घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है। शाहगढ़ पुलिस ने वन विभाग की शिकायत के आधार पर निवाही निवासी हरिराम यादव, अमित यादव और हरेन्द्र यादव के खिलाफ मारपीट, शासकीय कार्य में बाधा समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। घटना में इस्तेमाल किए गए ट्रैक्टर को अभी जब्त नहीं किया गया है और उसके चालक का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस जांच में यह भी पता लगाया जाएगा कि घटना के समय मौके पर कौन-कौन मौजूद था, विवाद किस बात से शुरू हुआ और हमले में किसकी क्या भूमिका रही। का ट्रैक्लाश की जा रही है।

बच्चों की थाली में छिपकली! खाना खाने के बाद 13 छात्र बीमार, जेपी अस्पताल में कराया भर्ती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में डॉक्टरों की टीम ने करीब 8 घंटे तक चली जटिल जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की। इस प्रक्रिया के जरिए एक ट्रांसजेंडर महिला की शारीरिक संरचना को उनकी लैंगिक पहचान के अनुरूप बनाने के लिए सर्जरी की गई। एम्स प्रबंधन के अनुसार, मध्य प्रदेश के शासकीय अस्पतालों में इस तरह की सर्जरी पहली बार की गई है। ऑपरेशन में चार विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति संतोषजनक रही और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। एम्स भोपाल के बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग की टीम ने इस जटिल ऑपरेशन का नेतृत्व किया। विभागाध्यक्ष डॉ. मनाल खान और सहायक प्राध्यापक डॉ. अभिनव सिंह की अगुवाई में रेजिडेंट डॉक्टरों ने भी सर्जरी में सहयोग दिया। ऑपरेशन से पहले मरीज की स्थिति का आकलन कर आवश्यक तैयारी की गई। करीब 8 घंटे तक चली प्रक्रिया को डॉक्टरों की टीम ने सफलतापूर्वक पूरा किया। इस सर्जरी में अलग-अलग चिकित्सा विभागों के बीच समन्वय महत्वपूर्ण रहा। एनेस्थीसिया विभाग के डॉ. अनुज जैन ने ऑपरेशन के दौरान एनेस्थीसिया संबंधी जिम्मेदारियां संभालीं। वहीं, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के डॉ. अरुण कुमार डोरा और यूरोलॉजी विभाग के डॉ. देवाशीष कौशल ने भी अपनी विशेषज्ञता के आधार पर सहयोग दिया। जटिल शल्य प्रक्रिया के दौरान मरीज की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी गई। एम्स प्रबंधन के मुताबिक, ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत संतोषजनक रही। स्वास्थ्य में सुधार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मरीज ने सर्जरी के परिणाम पर खुशी जाहिर की। हालांकि, ऐसी प्रक्रियाओं के बाद चिकित्सकीय सलाह के अनुसार नियमित जांच, घाव की देखभाल और स्वास्थ्य की निगरानी जरूरी होती है। जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी उन चिकित्सा प्रक्रियाओं को कहा जाता है, जिनका उद्देश्य व्यक्ति की शारीरिक विशेषताओं को उसकी लैंगिक पहचान के अनुरूप बनाने में मदद करना है। बॉटम सर्जरी के अंतर्गत जननांग क्षेत्र की संरचना में बदलाव या पुनर्निर्माण किया जा सकता है। सर्जरी का स्वरूप व्यक्ति की जरूरत, स्वास्थ्य स्थिति और चिकित्सकीय योजना के अनुसार तय होता है। इसमें प्रशिक्षित सर्जनों के साथ एनेस्थीसिया और अन्य संबंधित विभागों के विशेषज्ञों की भूमिका भी अहम होती है। ऐसी सर्जरी से पहले मरीज को प्रक्रिया, संभावित जोखिम, लाभ, स्वास्थ्य लाभ की अवधि और आगे की देखभाल के बारे में जानकारी देना जरूरी होता है। इसका उद्देश्य व्यक्ति की लैंगिक पहचान को बदलना नहीं, बल्कि उसकी शारीरिक संरचना को उसकी पहचान और व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप बनाने में मदद करना है। एम्स भोपाल में ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों की स्वास्थ्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विशेष ट्रांसजेंडर क्लिनिक भी संचालित किया जा रहा है। यहां जांच, परामर्श और उपचार जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। ऐसे केंद्रों के माध्यम से ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को उनकी जरूरत के अनुरूप चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी तक उनकी पहुंच बढ़ाने में मदद मिल सकती है। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) नरेंद्र कोतवाल (सेवानिवृत्त) ने इस उपलब्धि पर डॉक्टरों की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सर्जरी संस्थान की उन्नत चिकित्सा क्षमता और समावेशी तथा संवेदनशील स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।



चरित्र पर शक के चलते पत्नी से मारपीट और यौन हिंसा का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के छोला थाना क्षेत्र में घरेलू हिंसा का गंभीर मामला सामने आया है। एक 37 वर्षीय व्यक्ति पर अपनी 26 वर्षीय पत्नी के चरित्र पर संदेह करते हुए उसके साथ मारपीट करने, सार्वजनिक स्थान पर अपमानित करने और बाद में घर में उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। पीड़िता की शिकायत के अनुसार, आरोपी ने बच्चों के सामने भी उसके साथ यौन हिंसा की। घटना के बाद पड़ोसियों ने महिला को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता घरेलू सहायिका के रूप में काम करती है, जबकि उसका पति प्लंबर का काम करता है। बताया गया है कि आरोपी शराब पीने का आदी है और पत्नी के काम पर जाने को लेकर उस पर संदेह करता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। आरोप है कि शनिवार रात करीब 9 बजे महिला काम से घर लौटी तो पति ने उसके चरित्र पर सवाल उठाते हुए विवाद शुरू कर दिया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और उसे सार्वजनिक स्थान पर ले जाकर भी अपमानित किया। आरोप है कि वहां उसने महिला के कपड़े फाड़ने की कोशिश की। इस दौरान आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव किया। इसके बाद आरोपी महिला को अपने घर ले गया, जहां उसने कथित तौर पर उसके साथ फिर मारपीट और दुष्कर्म किया। शिकायत के अनुसार, घर में मौजूद बच्चों के सामने हुई घटना के दौरान उनकी आवाज सुनकर पड़ोसी वहां पहुंचे। लोगों के इकट्ठा होने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। पड़ोसियों ने घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार किया गया। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद महिला ने रविवार को छोला थाने पहुंचकर पति के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ मारपीट और दुष्कर्म समेत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। उसकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं। मामले में शिकायत, पीड़िता के बयान और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की जांच की जा रही है। घटना ने घरेलू हिंसा और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। चरित्र पर संदेह के नाम पर किसी महिला के साथ मारपीट, अपमान या यौन हिंसा को उचित नहीं ठहराया जा सकता। फिलहाल, आरोपी फरार बताया जा रहा है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। मामले में आगे की स्थिति जांच और कानूनी कार्रवाई के बाद स्पष्ट होगी।



भाई ने मोबाइल छीना तो 60 फीट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ा 12 साल का बच्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्योपुर। मध्य प्रदेश के श्योपुर में मोबाइल गेम खेलने से रोकने पर 12 साल के एक बच्चे के नाराज होकर पानी की टंकी पर चढ़ने का मामला सामने आया है। बड़े भाई ने मोबाइल छीनकर उसे स्कूल जाने के लिए कहा तो बालक घर से निकलकर करीब 60 फीट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ गया। वह लगभग डेढ़ घंटे तक टंकी की मुंडेर पर बैठा रहा। नीचे खड़े परिजन उसे बार-बार उतरने के लिए समझाते रहे, लेकिन वह अपनी जिद पर अड़ा रहा। आखिरकार सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने धैर्य और समझाइश से बच्चे को सुरक्षित नीचे उतार लिया। घटना श्योपुर शहर के खातौली रोड क्षेत्र की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह 12 वर्षीय बालक स्कूल जाने के बजाय घर पर मोबाइल में गेम खेल रहा था। काफी देर तक मोबाइल नहीं छोड़ने पर उसके बड़े भाई ने उसे डांटा और हाथ से मोबाइल लेकर स्कूल जाने के लिए कहा। इसी बात से नाराज होकर बालक घर से निकल गया और पास में स्थित पानी की ऊंची टंकी पर चढ़ गया। जब परिजनों को पता चला कि बच्चा करीब 60 फीट ऊंची टंकी पर बैठा है, तो उनके होश उड़ गए। उन्होंने उसे नीचे आने के लिए आवाज लगाई और काफी देर तक समझाने की कोशिश की, लेकिन बालक नीचे उतरने को तैयार नहीं हुआ। ऊंचाई पर बच्चे के बैठे रहने से परिवार के लोग बेहद चिंतित हो गए। आसपास के लोग भी मौके पर एकत्र हो गए और उसे सुरक्षित नीचे आने के लिए समझाने लगे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए परिजनों ने तुरंत सिटी कोतवाली पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी सत्यम गुर्जर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता को समझते हुए जल्दबाजी करने के बजाय बच्चे से बातचीत शुरू की। अधिकारियों ने उसे भरोसा दिलाया कि नीचे आने पर उसे डांटा नहीं जाएगा। काफी देर तक समझाने के बाद बालक नीचे उतरने के लिए तैयार हुआ और पुलिस ने उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया। बच्चे के सुरक्षित नीचे आने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली। घटना के दौरान परिवार के लोग लगातार उसे समझाने में जुटे रहे। मोबाइल को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद किस तरह चिंता का कारण बन गया, इसे लेकर आसपास के लोगों में भी चर्चा रही। बाल मनोविज्ञान के जानकारों के अनुसार, बच्चों के व्यवहार में अचानक आने वाले बदलावों को समझना और उनसे शांत तरीके से बातचीत करना जरूरी है। मोबाइल गेम या अन्य स्क्रीन गतिविधियों को लेकर बच्चों के साथ टकराव की स्थिति बनने पर केवल डांटने या फोन छीनने के बजाय उन्हें समय की सीमा, पढ़ाई और मनोरंजन के बीच संतुलन समझाना अधिक उपयोगी हो सकता है। हालांकि, हर बच्चे का व्यवहार अलग होता है और किसी एक घटना के आधार पर उसे मोबाइल की लत या किसी मानसिक समस्या से जोड़ना उचित नहीं है।



मेट्रो में सीट के विवाद में युवक की मौत, मां और भाई ने आरोपियों के लिए मांगी फांसी की सजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो में सीनियर सिटीजन सीट पर बैठने को लेकर हुए विवाद में 48 वर्षीय पवन शर्मा की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा है। यमुना बिहार निवासी पवन 8 अक्टूबर को अपनी बीमार मां दुर्गा देवी (65) के साथ गुरुग्राम में रहने वाले छोटे भाई दीपक शर्मा (42) से मिलने गए थे। लौटते समय मेट्रो में सीट को लेकर विवाद हो गया। परिजनों का आरोप है कि इस दौरान संजय प्रताप सिंह (65) और उनके बेटे सिद्धार्थ सिंह (36) ने पवन के साथ मारपीट की, जिसके बाद उनकी मौत हो गई। परिवार ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए फांसी की सजा देने की मांग की है। पवन शर्मा निजी क्षेत्र में नौकरी करते थे और परिवार की जिम्मेदारी उन्हीं पर थी। परिवार में पत्नी अंजली शर्मा, 19 वर्षीय बेटा दिव्यांश और 14 वर्षीय बेटी अंशिका हैं। बेटे की पढ़ाई स्नातक प्रथम वर्ष में चल रही है, जबकि बेटी दसवीं कक्षा में पढ़ती है। पवन की मौत के बाद पत्नी, बच्चों और बुजुर्ग मां के सामने भावनात्मक संकट के साथ भविष्य को लेकर भी चिंता खड़ी हो गई है। पवन के छोटे भाई दीपक शर्मा ने बताया कि उनकी तबीयत खराब थी, इसलिए उनकी मां और बड़े भाई उनसे मिलने गुरुग्राम आए थे। 8 अक्टूबर को शाम करीब 4 बजे दोनों मेट्रो से यमुना बिहार लौट रहे थे। दीपक के अनुसार, शाम करीब 5 बजे उन्हें भाई की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिली। जब वे शाम 7 बजे अस्पताल पहुंचे तो उन्हें पवन की मौत की जानकारी मिली। दीपक ने आरोप लगाया कि सीट को लेकर हुए विवाद में उनके भाई के साथ मारपीट की गई और यह सामान्य झगड़ा नहीं, बल्कि हत्या का मामला है।



धक्का-मुक्की और मारपीट का वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और कथित वोट चोरी के मुद्दे पर कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई (हस्द्ध) ने मंगलवार को दिल्ली के कनॉट प्लेस में प्रदर्शन किया। राजीव चौक मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 7 के पास हुए इस प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। इस दौरान महिला प्रदर्शनकारियों और महिला पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की और मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवान मौके पर तैनात रहे। सामने आए वीडियो में महिला प्रदर्शनकारी और महिला पुलिसकर्मी एक-दूसरे के साथ धक्का-मुक्की करती नजर आ रही हैं। कुछ दृश्यों में बाल पकड़ने और थप्पड़ मारने जैसी घटनाएं भी दिखाई देने का दावा किया गया है। हालांकि, घटना की पूरी परिस्थितियों और विवाद की शुरुआत को लेकर आधिकारिक पक्ष सामने आना जरूरी है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि संगठन ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति मांगी थी, लेकिन अनुमति नहीं मिलने पर कनॉट प्लेस में विरोध जताने का फैसला किया गया। उन्होंने कहा कि संगठन आज, कल और परसों भी अपना विरोध जारी रखेगा। एनएसयूआई का कहना है कि मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और कथित चुनावी अनियमितताओं को लेकर जवाबदेही तय होने तक उसका आंदोलन जारी रहेगा। घटना के बाद कनॉट प्लेस थाने के बाहर भी एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने उस कार को रोकने की कोशिश की, जिसमें वह महिला पुलिसकर्मी सवार थीं, जिन पर एक महिला कार्यकर्ता को थप्पड़ मारने का आरोप लगाया गया है। कार के सामने प्रदर्शन कर कार्यकर्ताओं ने अपना विरोध दर्ज कराया। नएसयूआई के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रवि पांडे ने कहा कि कथित वोट चोरी के मुद्दे पर संगठन अपनी लड़ाई जारी रखेगा। प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग से चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर जवाब देने और जिम्मेदारी तय करने की मांग की। इससे पहले मंगलवार को वामपंथी छात्र संगठनों ने भी कनॉट प्लेस में प्रदर्शन किया था। वहीं, जंतर-मंतर पर भारी बैरिकेडिंग और सुरक्षा व्यवस्था के बीच वहां पहुंचने की कोशिश के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को भी पुलिस ने हिरासत में लिया। राजधानी में अलग-अलग छात्र संगठनों के प्रदर्शनों के चलते सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही।



महिलाओं और ट्रांसजेंडर को मिलेंगे 1,300 ई-ऑटो, स्वरोजगार का मिलेगा मौका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। महिलाओं और ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में दिल्ली सरकार ने दुर्गा ई-ऑटो योजना की शुरुआत की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को योजना के लिए विशेष पोर्टल शुरू किया। इसके माध्यम से पात्र आवेदक इलेक्ट्रिक ऑटो प्राप्त कर उसे चलाकर स्वरोजगार कर सकेंगे। योजना के पहले चरण में कुल 1,300 पिंक ई-ऑटो आवंटित किए जाएंगे। इनमें 1,170 ऑटो महिलाओं और 130 ऑटो ट्रांसजेंडर लोगों के लिए निर्धारित किए गए हैं। दिल्ली सरकार का मानना है कि इस पहल से महिलाओं और ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। योजना का उद्देश्य उन्हें केवल रोजगार उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि स्वयं का काम शुरू करने और नियमित आमदनी अर्जित करने के लिए प्रोत्साहित करना भी है। इलेक्ट्रिक ऑटो के संचालन से लाभार्थियों को सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में काम करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, इस क्षेत्र में महिलाओं और ट्रांसजेंडर लोगों की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। दुर्गा योजना का पूरा नाम ड्राइविंग, अपलिफ्टमेंट एंड रोजगार फॉर वुमेन/ट्रांसजेंडर ई-ऑटो है। योजना के तहत दिल्ली के प्रत्येक राजस्व जिले में महिलाओं और ट्रांसजेंडर आवेदकों के लिए अलग-अलग कोटा निर्धारित किया गया है। हर जिले में महिलाओं के लिए अधिकतम 90 और ट्रांसजेंडर लोगों के लिए 10 ई-ऑटो का आवंटन किया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य अलग-अलग जिलों में पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ उपलब्ध कराना है। योजना का लाभ लेने के लिए महिलाओं की उम्र 20 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक का दिल्ली का निवासी होना अनिवार्य है। इसके साथ ही वैध हल्के मोटर वाहन का ड्राइविंग लाइसेंस और सार्वजनिक सेवा वाहन का बैज होना जरूरी है। सरकार ने आर्थिक पात्रता भी निर्धारित की है। इसके अनुसार, आवेदक के परिवार की सालाना आय 5 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा अधिकतम 3 जीवित बच्चों से संबंधित निर्धारित शर्त भी लागू होगी। आवेदन करने से पहले महिलाओं को सभी पात्रता शर्तों की जानकारी लेकर जरूरी दस्तावेज तैयार रखने होंगे। ट्रांसजेंडर आवेदकों के लिए भी योजना में पात्रता संबंधी शर्तें तय की गई हैं। उन्हें निर्धारित आयु सीमा और दिल्ली में निवास की शर्त पूरी करनी होगी। इसके अलावा वैध ड्राइविंग लाइसेंस और सार्वजनिक सेवा वाहन का बैज होना अनिवार्य है। पात्रता पूरी करने वाले आवेदक योजना के लिए आवेदन कर सकेंगे। इस पहल के माध्यम से ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को भी सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में स्वरोजगार का अवसर देने का प्रयास किया जा रहा है। दुर्गा ई-ऑटो योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया 3 महीने तक खुली रहेगी।



धर्मांतरण के लिए जोर देना धार्मिक मान्यताओं का अनादर नहीं, बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच की अहम टिप्पणी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने धर्मांतरण से जुड़े एक मामले में अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी व्यक्ति को धर्मांतरण के लिए प्रेरित करना या अपने धर्म को अपनाने के लिए आग्रह करना अपने आप में किसी धर्म या समुदाय की धार्मिक भावनाओं और मान्यताओं का अनादर नहीं माना जा सकता। अदालत ने यह टिप्पणी अमरावती के 4 लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और दाखिल आरोपपत्र को रद्द करते हुए की। इन लोगों पर एक दंपती को कथित तौर पर आर्थिक सहायता और अन्य सुविधाओं का प्रलोभन देकर हिंदू धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित करने का आरोप था। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति एम. डब्ल्यू. चांदवानी की पीठ ने कहा कि आरोपियों की कथित गतिविधियां अधिक से अधिक अपने धर्म का प्रचार करने के दायरे में आती हैं। केवल धर्म का प्रचार करने के आधार पर यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि संबंधित व्यक्ति ने किसी दूसरे धर्म या समुदाय की धार्मिक भावनाओं, मान्यताओं और विश्वासों को ठेस पहुंचाई है। अदालत के अनुसार, किसी धर्म के प्रचार और किसी समुदाय की धार्मिक भावनाओं का अपमान करने के बीच अंतर है। केवल प्रचार किए जाने से धार्मिक भावनाएं आहत होने का आरोप अपने आप साबित नहीं हो जाता। अभियोजन पक्ष के अनुसार, मामले में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि चारों आरोपियों ने उससे और उसकी पत्नी से हिंदू धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपनाने के लिए कहा था। कथित तौर पर उन्हें आश्वासन दिया गया था कि धर्म परिवर्तन करने पर हर महीने आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अलावा, उनके बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाने और परिवार के लिए मकान बनवाने की बात भी कही गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि दंपती को आर्थिक लाभ और सुविधाओं का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन के लिए तैयार करने की कोशिश की गई। इसी शिकायत के आधार पर पुलिस ने अमरावती के चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने आरोपपत्र भी दाखिल कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने अदालत का दरवाजा खटखटाते हुए प्राथमिकी और आरोपपत्र को रद्द करने की मांग की। उनकी ओर से दलील दी गई कि उनका उद्देश्य किसी धर्म का अपमान करना या किसी समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। बचाव पक्ष ने अदालत के समक्ष यह भी कहा कि लगाए गए आरोपों के आधार पर संबंधित अपराध के आवश्यक तत्व साबित नहीं होते। मामले पर विचार करते हुए अदालत ने आरोपों की प्रकृति और संबंधित कानूनी प्रावधानों को ध्यान में रखा। पीठ ने कहा कि अपने धर्म का प्रचार करना और किसी अन्य धर्म की धार्मिक मान्यताओं का अपमान करना अलग-अलग बातें हैं। किसी व्यक्ति द्वारा अपने धर्म को अपनाने के लिए आग्रह किए जाने मात्र से यह मान लेना उचित नहीं होगा कि उसने दूसरे समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत किया है। इसी आधार पर अदालत ने आरोपियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और आरोपपत्र को रद्द कर दिया और उन्हें राहत प्रदान की। अदालत ने मामले में घटना के समय लागू कानून की स्थिति पर भी ध्यान दिया। कथित घटना वर्ष 2025 की बताई गई थी। आरोपियों की ओर से दलील दी गई कि उस समय महाराष्ट्र में प्रलोभन देकर एक धर्म से दूसरे धर्म में परिवर्तन कराने पर रोक लगाने वाला संबंधित कानून लागू नहीं था। उपलब्ध विवरण के अनुसार, इससे जुड़ा कानून अगस्त 2026 से लागू हुआ। ऐसे में घटना के समय लागू कानूनी प्रावधानों को ध्यान में रखना मामले के निपटारे में महत्वपूर्ण रहा। इस फैसले के संदर्भ में यह अंतर समझना जरूरी है कि अदालत की टिप्पणी धर्म के प्रचार और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप से संबंधित थी। इसे हर परिस्थिति में प्रलोभन देकर धर्मांतरण को वैध ठहराने वाला सामान्य आदेश नहीं माना जा सकता। अदालत ने संबंधित मामले के आरोपों और उस समय लागू कानून के आधार पर आरोपियों को राहत दी।



20 लाख वोटर्स की गड़बड़ियां दूर, 33 लाख मतदाताओं को जारी हुए थे नोटिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में मतदाता सूची को दुरुस्त करने के लिए चलाए जा रहे विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत करीब 20 लाख मतदाताओं से जुड़ी विसंगतियों का समाधान किया जा चुका है। इस अभियान में लगभग 33 लाख मतदाताओं की प्रविष्टियों में नाम, फोटो, वर्तनी के अंतर और अन्य तरह की गड़बड़ियां सामने आई थीं। इन मामलों में संबंधित मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए थे। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार, पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने और रिकॉर्ड में मौजूद त्रुटियों को दूर करने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। 31 अगस्त को जारी मसौदा मतदाता सूची में करीब 97 लाख लोगों के नाम शामिल थे। इनमें लगभग 33 लाख प्रविष्टियों को तार्किक विसंगतियों और रिकॉर्ड का मिलान नहीं होने जैसी श्रेणियों में रखा गया था। इसके बाद संबंधित मतदाताओं को नोटिस जारी कर जानकारी और दस्तावेजों के आधार पर मामलों का निस्तारण करने की प्रक्रिया शुरू की गई। निर्वाचन अधिकारियों ने बूथ स्तर के अधिकारियों को घर-घर जाकर नोटिस से जुड़े मामलों की जांच और समाधान करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही विशेष शिविर लगाकर मतदाताओं की समस्याएं सुनी जा रही हैं, ताकि पात्र लोगों को अपना पक्ष रखने और जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने का अवसर मिल सके। मटियामहल विधानसभा क्षेत्र के तुर्कमान गेट बुलबुल खाना मतदान केंद्र पर तैनात एक बूथ स्तर अधिकारी ने बताया कि उनके बूथ पर कुल 1,134 मतदाता थे। इनमें से 212 मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए थे। अधिकारी के अनुसार, इन सभी मामलों का निस्तारण किया जा चुका है। वहीं, एक अन्य बूथ स्तर अधिकारी ने बताया कि उनके मतदान केंद्र पर 334 मतदाताओं को नोटिस जारी हुए थे। इनमें से करीब 50 मामलों का समाधान होना अभी बाकी है। अधिकारियों का कहना है कि शेष मामलों को भी जल्द निपटाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल रह सकें। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, अक्टूबर के दौरान नोटिस से संबंधित अधिकतर मामलों का निस्तारण करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 18 और 25 अक्टूबर को दिल्ली के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में मतदाता अपनी समस्याएं बता सकेंगे और आवश्यक दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड में सुधार के लिए प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। अधिकारियों के अनुसार, शिविरों का उद्देश्य मतदाताओं को सुविधा उपलब्ध कराना और लंबित मामलों के समाधान में तेजी लाना है। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने पात्र मतदाताओं से अपील की है कि जिन लोगों का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म-6 भरकर आवेदन करें।



'इंडिया गठबंधन के मार्च में विदेशी ताकतें शामिल, यह अंतरराष्ट्रीय साजिश', एकनाथ शिंदे का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

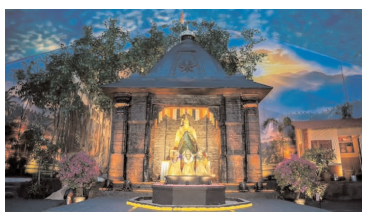
मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दिल्ली में इंडिया गठबंधन के नेताओं की ओर से निकाले गए मार्च को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मार्च में विदेशी ताकतें शामिल थीं और यह देश तथा सरकार को अस्थिर करने की अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हो सकता है। शिंदे ने विपक्ष की इस कार्रवाई को न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश बताते हुए राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के नेताओं से माफी मांगने की मांग की। हालांकि, विदेशी ताकतों की कथित भूमिका को लेकर उन्होंने अपने आरोपों के समर्थन में कोई सार्वजनिक प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया। एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को मुंबई में कहा कि सोमवार को देश के इतिहास में एक काला दिन था। उनके मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकालने की घटना न्यायपालिका पर दबाव बनाने और उसे प्रभावित करने की कोशिश थी। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां भारतीय न्याय व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति सम्मान से जुड़ा गंभीर विषय हैं। शिंदे ने राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के नेताओं से अपने कदम के लिए माफी मांगने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष का रवैया लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने वाला है। शिंदे ने दावा किया कि इस पूरे घटनाक्रम में विदेशी ताकतों की भूमिका होने का संदेह है। उन्होंने इसे देश को अस्थिर करने की संभावित अंतरराष्ट्रीय साजिश से जोड़ते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां देश के हित में नहीं हैं। उनके अनुसार, विपक्ष सरकार का राजनीतिक रूप से मुकाबला नहीं कर पाने के कारण इस तरह के विरोध प्रदर्शनों का सहारा ले रहा है। शिंदे ने आरोप लगाया कि इससे देश में अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, विदेशी ताकतों की कथित भागीदारी का दावा फिलहाल शिंदे के आरोप के रूप में ही सामने आया है। विपक्ष की ओर से देश में आपातकाल जैसे हालात होने के आरोपों पर भी शिंदे ने पलटवार किया। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि देश में वास्तव में आपातकाल जैसी स्थिति होती, तो क्या विपक्ष को सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकालने और अपनी बात रखने का अवसर मिलता? उन्होंने कहा कि विपक्ष को अपनी मांगों और विरोध के तरीकों पर विचार करना चाहिए। शिंदे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष राजनीतिक रूप से उनका मुकाबला नहीं कर पा रहा है और इसी वजह से विरोध प्रदर्शन कर रहा है। सोमवार को दिल्ली में इंडिया गठबंधन के नेताओं और सांसदों ने मार्च निकाला था। इसमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और गठबंधन के अन्य नेता शामिल हुए थे। इस मार्च को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। शिंदे ने जहां इसे न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश बताया, वहीं विदेशी ताकतों की कथित भूमिका का आरोप भी लगाया। उनके बयान के बाद इस घटनाक्रम को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव और बढ़ने के संकेत हैं।



किसानों के दर्द के आगे फीका पड़ा गरबा-दांडिया का रंग, महाराष्ट्र में रद्द हुआ हर साल होने वाला 'रासरंग' महोत्सव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डोंबिवली। महाराष्ट्र में सूखे के संकट और किसानों की परेशानियों को देखते हुए इस बार डोंबिवली में नवरात्रोत्सव का स्वरूप बदल दिया गया है। हर साल बड़े स्तर पर आयोजित होने वाला 'रासरंग' गरबा-दांडिया महोत्सव इस बार रद्द कर दिया गया। आयोजकों ने मनोरंजन के इस लोकप्रिय कार्यक्रम की जगह किसानों की खुशहाली, अच्छी बारिश और राज्य की सुख-समृद्धि की कामना को प्राथमिकता दी है। इसी उद्देश्य से नवकुंडात्मक सहस्रचंडी महायज्ञ का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठानों के साथ शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुआ, जिसमें प्रसिद्ध गायक राहुल देशपांडे ने शास्त्रीय संगीत और नाट्यसंगीत की प्रस्तुति देकर श्रोताओं का मन मोह लिया। डोंबिवली पूर्व स्थित डी.एन.सी. स्कूल के मैदान में डॉ. श्रीकांत शिंदे फाउंडेशन और श्री नवदुर्गा युवा मंडल की ओर से नवरात्रोत्सव आयोजित किया गया है। इसमें कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे भी शामिल हुए। इस वर्ष आयोजन का मुख्य संदेश किसानों के प्रति संवेदनशीलता और उनकी खुशहाली की कामना रहा। आयोजकों ने किसानों की मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पारंपरिक गरबा-दांडिया कार्यक्रम को स्थगित करने के बजाय इस साल पूरी तरह रद्द करने का निर्णय लिया। महाराष्ट्र में सूखे की स्थिति और खेती के लिए पानी की जरूरत को देखते हुए नवरात्रोत्सव के दौरान विशेष धार्मिक अनुष्ठान किए गए। नवकुंडात्मक सहस्रचंडी महायज्ञ प्रधानाचार्य वेदमूर्ति श्री रवींद्रजी पाठक के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-पाठ और हवन किए गए। सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के हाथों घटस्थापना की गई। इस दौरान देवी की आराधना कर राज्य के किसानों को सूखे से राहत मिलने, अच्छी बारिश होने और खेतों में खुशहाली लौटने की कामना की गई। आयोजकों के अनुसार, किसानों की परेशानी को देखते हुए इस बार उत्सव की प्राथमिकताओं में बदलाव किया गया है। किसानों को अन्नदाता और 'बलीराजा' के रूप में सम्मान देते हुए उनके जीवन में समृद्धि आने की प्रार्थना की गई। आयोजन के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि त्योहार केवल मनोरंजन का अवसर नहीं, बल्कि समाज की समस्याओं और जरूरतों के प्रति संवेदनशीलता दिखाने का माध्यम भी हो सकते हैं। इसी सोच के तहत इस बार रंग-बिरंगे गरबा-दांडिया की जगह धार्मिक अनुष्ठानों और किसानों की खुशहाली के लिए विशेष प्रार्थना पर जोर दिया गया। डोंबिवली में 'रासरंग' गरबा-दांडिया महोत्सव हर साल नवरात्रि के दौरान आयोजित किया जाता रहा है।



'रम' नहीं, 'रम जैसा' लिखने की शर्त पर Old Monk निर्माता और एफएसएसएआई आमने-सामने

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। लोकप्रिय शराब ब्रांड ओल्ड मंक की बिक्री और उसके लेबल पर उत्पाद का नाम लिखने को लेकर भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) और निर्माता कंपनी मोहन रॉकी स्प्रिंगवॉटर प्राइवेट लिमिटेड के बीच विवाद बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंच गया है। एफएसएसएआई ने कंपनी से उत्पाद के लेबल पर 'रम' के बजाय 'रम जैसा' लिखने की शर्त रखी है। वहीं, निर्माता कंपनी ने महाराष्ट्र में बिक्री पर रोक के कारण 500 करोड़ रुपये से अधिक के कारोबारी नुकसान का दावा किया है। अदालत में दोनों पक्षों की दलीलों के बाद मामले की अंतिम सुनवाई के लिए 23 अक्टूबर की तारीख तय की गई है। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान एफएसएसएआई ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि ओल्ड मंक की बिक्री की अनुमति तभी दी जा सकती है, जब कंपनी लेबल में संशोधन कर उत्पाद को 'रम' के बजाय 'रम जैसा' बताने पर सहमत हो। प्राधिकरण का कहना है कि उत्पाद की वास्तविक संरचना और उसमें इस्तेमाल किए जाने वाले पदार्थों के आधार पर उसकी सही श्रेणी और नाम स्पष्ट होना चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं को उत्पाद की प्रकृति को लेकर भ्रम न हो। निर्माता कंपनी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकटेश धोंड ने मुख्य न्यायाधीश एम.सी. त्रिपाठी और न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ को बताया कि महाराष्ट्र में बिक्री पर लगी रोक के कारण कंपनी को 500 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान होने का दावा है। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रतिबंध का असर राज्य के आबकारी राजस्व पर पड़ा है और महाराष्ट्र सरकार को करीब 350 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान का अनुमान है। कंपनी के पक्ष के अनुसार, बिक्री पर रोक के चलते लगभग 300 कर्मचारी भी प्रभावित हुए हैं। कंपनी ने अदालत में यह दलील भी दी कि उत्पाद की बिक्री महाराष्ट्र में रोकी गई है, जबकि दूसरे राज्यों में इसकी बिक्री जारी है। निर्माता का कहना है कि संबंधित खाद्य सुरक्षा नियम स्वीकृत पदार्थों के साथ न्यूट्रल स्पिरिट के इस्तेमाल की अनुमति देते हैं। कंपनी ने यह भी दावा किया कि बाजार में अन्य प्रतिस्पर्धी उत्पादों में भी इसी तरह की प्रक्रिया अपनाई जाती है, लेकिन कार्रवाई उसके उत्पाद के खिलाफ की गई है। विवाद का मुख्य मुद्दा ओल्ड मंक में इस्तेमाल होने वाली स्पिरिट और फ्लेवर से जुड़ा है। एफएसएसएआई का तर्क है कि उत्पाद में न्यूट्रल स्पिरिट के साथ अलग से रम फ्लेवर मिलाया जाता है। प्राधिकरण के अनुसार, यदि उत्पाद की संरचना पारंपरिक रम के निर्धारित मानकों से मेल नहीं खाती, तो उसे सीधे 'रम' के रूप में पेश करना उपभोक्ताओं के लिए भ्रामक हो सकता है।



आयोग के चेयरमैन विवेक भीमन्वार अनिवार्य छुट्टी पर भेजे गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। इंडिया गठबंधन के प्रदर्शन के बीच महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को झटका लगा है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और हिंदी भाषी चेहरा आनंद दुबे ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि वह पिछले कई महीनों से पार्टी के रुख को लेकर असहज महसूस कर रहे थे और भारी मन से यह फैसला लिया है। दुबे ने स्पष्ट किया कि देश से जुड़े मुद्दों पर मतभेद होने के बावजूद राष्ट्र को सर्वोपरि रखना जरूरी है। आनंद दुबे ने कहा कि चुनाव आयोग और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर शिवसेना (यूबीटी) ने जो रुख अपनाया है, वह उससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने कुछ राजनीतिक और सार्वजनिक हस्तियों को लेकर भी अपनी असहमति जाहिर की। दुबे ने कहा कि उनके आदर्श छत्रपति शिवाजी महाराज और वीर सावरकर हैं। उन्होंने अपने फैसले को वैचारिक मतभेदों से जोड़ते हुए कहा कि वह ऐसे राजनीतिक मंच पर काम नहीं कर सकते, जहां उनकी विचारधारा के अनुरूप परिस्थितियां न हों। इस्तीफे का ऐलान करते हुए दुबे ने तीखी टिप्पणी भी की। उन्होंने कहा, 'जिस ट्रेन में कॉकरोच हो, मैं उस ट्रेन में सफर नहीं करूंगा।' हालांकि, उन्होंने अभी किसी दूसरी पार्टी में शामिल होने की घोषणा नहीं की है। दुबे के मुताबिक, जब उन्हें उचित मंच मिलेगा, तब वह उस पार्टी से जुड़ने पर विचार करेंगे। उनके इस्तीफे को महाराष्ट्र की राजनीति और महाविकास आघाड़ी के समीकरणों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आनंद दुबे ने अपने बयान में 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि 26 अप्रैल को वह पार्टी के सहयोगी और विधायी विंग के उप आयोजक गुलाबचंद मौर्य के साथ पहलगाम गए थे। दुबे के अनुसार, उस समय इलाके में गोलीबारी का माहौल था। इस दौरान उन्होंने फारूक अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात कर अपनी पार्टी की ओर से समर्थन का भरोसा दिलाया था। दुबे ने कहा कि ऐसे संकट के समय वरिष्ठ सांसदों और विधायकों को भी वहां पहुंचना चाहिए था। उन्होंने कहा कि भले ही वह कोई बड़े नेता नहीं हैं और न ही नगर निगम के पार्षद हैं, लेकिन बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा से प्रेरित होकर उनके भीतर शिवसैनिक की भावना है। उनके अनुसार, देश के सामने जब कोई बड़ा संकट खड़ा हो, तब राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। आनंद दुबे ने अपने इस्तीफे के पीछे राष्ट्रहित को प्रमुख कारण बताते हुए कहा कि पार्टी और व्यक्तिगत राजनीति बाद में आती है, देश सबसे पहले है। उन्होंने कहा, 'मेरा राष्ट्र पहले, मेरा भारत पहले।' उनके इस्तीफे से शिवसेना (यूबीटी) के भीतर वैचारिक मतभेदों को लेकर चर्चा तेज हो गई है।



भारत के सबसे बड़े आईपीओ का ऐलान, जियो प्लेटफॉर्म्स ने तय किया प्राइस बैंड

1,065-1,119 रुपए प्रति शेयर पर जारी होगी इक्विटी, 21 अक्टूबर से लगेगा दांव

नई दिल्ली ।

जियो प्लेटफॉर्म्स के बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड की घोषणा कर दी गई है। कंपनी ने अपने शेयरों की कीमत 1,065 से 1,119 रुपए प्रति शेयर तय की है, जिससे यह आईपीओ भारत के कॉर्पोरेट इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम बनने जा रहा है। इस मेगा आईपीओ के जरिए जियो प्लेटफॉर्म्स 30,200 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में है। इस ऑफर के साथ कंपनी का कुल इक्विटी मूल्यांकन 9.8-10.3 लाख करोड़ रुपए (लगभग 101-107 बिलियन डॉलर) तक पहुंच जाएगा। यह आईपीओ पूरी तरह से एक फ्रेश इश्यू होगा, जिसका अर्थ है कि शेयरों की बिक्री से जुटाई गई पूरी रकम सीधे कंपनी के बैंक खाते में जाएगी। इस फंड का एक बड़ा हिस्सा कंपनी के मौजूदा कर्ज को चुकाने में इस्तेमाल किया जाएगा। शेष राशि का उपयोग 5जी नेटवर्क के विस्तार, अत्याधुनिक डेटा सेंटर्स के निर्माण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टेक्नोलॉजी के विकास जैसी भविष्य की परियोजनाओं में निवेश के लिए किया जाएगा। निवेशकों के लिए इस ऐतिहासिक आईपीओ में दांव लगाने का अवसर 21 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक रहेगा। वहीं शेयरों की लिस्टिंग 28 अक्टूबर को होने की संभावना है। दिवाली से ठीक पहले लिस्टिंग की टाइमलाइन से बाजार में सकारात्मक त्योहारी सेंटिमेंट्स और बेहतर नकदी प्रवाह का फायदा मिलने की उम्मीद है। 30,200 करोड़ रुपए का यह आईपीओ, हुंडई मोटर इंडिया के 27,858.75 करोड़ रुपए के पिछले रिकॉर्ड को तोड़कर देश का सबसे बड़ा पब्लिक ऑफर बन गया है।

एसआईपी से पूरा करें अपनी ड्रीम एसयूवी का सपना! 5 साल में जमा करें 20 लाख

मुंबई ।

एसयूवी खरीदने का सपना देखते हैं, लेकिन एक साथ बड़ी रकम खर्च करना मुश्किल लगता है। म्युचुअल फंड की सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) ऐसे में मददगार साबित हो सकती है। अगले पांच साल में अपनी पसंदीदा एसयूवी घर लाने के लिए आप अभी से मासिक निवेश शुरू करके 20 लाख रुपये तक जुटाने की योजना बना सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, पांच साल बाद 20 लाख रुपये की एसयूवी खरीदने के लिए 10 फीसदी सालाना रिटर्न मानकर, आपको हर महीने लगभग 26,000 रुपये की एसआईपी करनी होगी। इसमें 15.6 लाख रुपये का निवेश और 4.4 लाख रुपये का अनुमानित रिटर्न शामिल है। वहीं 15 लाख रुपये के लक्ष्य के लिए प्रतिमाह 19,500 रुपये निवेश की आवश्यकता होगी। हालांकि, वित्तीय योजनाकार चेताते हैं कि शेयर बाजार के लिए पांच साल लंबा समय नहीं है, और इक्विटी म्युचुअल फंड में रिटर्न की गारंटी नहीं होती। ऐसे में केवल 10 फीसदी रिटर्न के भरोसे योजना बनाना जोखिम भरा हो सकता है। निवेश से पहले भविष्य में कार की कीमत, संभावित रिटर्न, लोन ब्याज और ईएमआई के बोझ पर गंभीरता से विचार करें, ताकि आपके अन्य वित्तीय लक्ष्य प्रभावित न हों।

आईएमएफने भारत का ग्रोथ अनुमान 6.4 से बढ़ाकर 7 फीसदी किया

- वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की मजबूत स्थिति

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत की आर्थिक क्षमता पर अपना गहरा विश्वास व्यक्त करते हुए वित्त वर्ष 2027 और 2028 के लिए देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित कर 7 फीसदी कर दिया है। पहले यह अनुमान वित्त वर्ष 27 के लिए 6.4 फीसदी और वित्त वर्ष 28 के लिए 6.7 फीसदी था। यह बढ़ोतरी भारतीय केंद्रीय बैंक आरबीआई और विश्व बैंक द्वारा भी अपने वृद्धि अनुमानों को बढ़ाने के बाद आई है, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति को रेखांकित करती है। आईएमएफ के नवीनतम वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत गति से आगे बढ़ रही है। वित्त वर्ष 27 और 28 दोनों के लिए वृद्धि दर का अनुमान 7 फीसदी पर स्थिर किया गया है। यह सकारात्मक बदलाव देश की दमदार आर्थिक रफ्तार, मजबूत घरेलू मांग और सेवा क्षेत्र के शानदार प्रदर्शन के कारण संभव हुआ है। आईएमएफ ने भारत की अनुकूल आबादी संरचना, एक बड़े और बढ़ते घरेलू बाजार तथा लगातार जारी संरचनात्मक सुधारों को भविष्य की सतत ग्रोथ के लिए महत्वपूर्ण कारक बताया है। यह अनुमान ऐसे समय में आया है जब वैश्विक अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों का सामना कर रही है। आईएमएफ को 2026 में दुनिया की अर्थव्यवस्था 3.1 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है, जो भारत के अनुमान से काफी कम है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1109 , निफ्टी 358 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आया है। इसका एक बड़ा कारण निवेशकों में उत्साह होना भी रहा। आज प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही महत्वपूर्ण बढ़त के साथ बंद हुए, जो बाजार की मजबूत वापसी का संकेत है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,109 अंकों से बढ़कर 73,033.78 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 358 अंक उछलकर 22,721.95 के स्तर पर बंद हुआ। आज पूरे दिन बाजार में सकारात्मक रुख रहा, जिससे व्यापक बाजार में भी चमक देखने को मिली। निवेशकों ने विभिन्न क्षेत्रों में खरीदारी की, जिसका असर मिडकैप शेयरों पर भी साफ दिखा। निफ्टी मिडकैप 50 इंडेक्स भी 146 अंकों की बढ़त के साथ 16,974.00 अंक पर बंद हुआ, जो दिखाता है कि बड़े शेयरों के साथ-साथ मध्यम आकार की कंपनियों में भी निवेशकों का विश्वास बढ़ा है।आज के कारोबार में कई शेयरों ने निवेशकों को मालामाल किया। टॉप गेनर्स की सूची में बंधन बैंक सबसे आगे रहा, जिसके शेयर में 9.21 फीसदी की जोरदार बढ़त दर्ज की गई। इसके बाद एचसीएल



टेक 8.42 फीसदी और केपिट टेक 6.81 फीसदी की शानदार तेजी के साथ दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। दिग्गज आईटी कंपनी टीसीएस ने भी 6.79 फीसदी का मुनाफा दिया, जबकि श्रीराम फाइनेंस के शेयर 6.31 फीसदी की उछाल के साथ बंद हुए। इन शेयरों ने बाजार की समग्र तेजी में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

हालांकि, इस तेजी के माहौल में भी कुछ शेयरों को नुकसान उठाना पड़ा। टॉप लूजर्स में आरबीएल बैंक के शेयर 7.10 फीसदी की गिरावट के साथ सबसे निचले पायदान पर रहे। आईसीआईसी प्रूडेंटिया को 3.54 फीसदी, हिटाची एनर्जी को 3.32 फीसदी और वेदांता को 3.25 फीसदी का नुकसान झेलना पड़ा। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई जो दिन भर बनी रही।

अंबानी फिर बने भारत के नंबर वन अमीर, अदाणी को छोड़ा पीछे

मुकेश अंबानी 78.8 अरब डॉलर के साथ शीर्ष पर, गौतम अदाणी 74.9 अरब डॉलर पर खिसके

मुंबई ।

भारत के सबसे अमीर कारोबारी बनने की दौड़ में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिला है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने गौतम अदाणी को पीछे छोड़कर देश के सबसे धनी व्यक्ति का खिताब फिर से अपने नाम कर लिया है। फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलियनेयर्स लिस्ट के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, अंबानी की नेटवर्थ अदाणी से आगे निकल गई है। फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलियनेयर्स लिस्ट के अनुसार, मुकेश अंबानी की संपत्ति बढ़कर 78.8 अरब डॉलर पहुंच गई है। वहीं, गौतम अदाणी की नेटवर्थ 74.9 अरब डॉलर दर्ज की गई है। इन आंकड़ों के साथ अंबानी दुनिया के अमीरों की सूची में 25वें पायदान पर पहुंच गए हैं, जबकि अदाणी 28वें स्थान पर हैं। दोनों की कुल संपत्ति के बीच अब 3.9 अरब डॉलर का महत्वपूर्ण अंतर आ गया है, जो भारतीय रुपए में हजारों करोड़ रुपए का फासला है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इन कारोबारियों की रैंकिंग स्थायी नहीं होती; शेयर बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव के साथ ही उनकी संपत्ति और सूची में स्थान भी बदल सकता है। देश के शीर्ष 5 सबसे अमीर कारोबारियों की सूची में मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी के बाद सावित्री जिंदल 36.6 अरब डॉलर के साथ तीसरे, लक्ष्मी मित्तल 30.6 अरब डॉलर के साथ चौथे और शिव नादर 27.4 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ पांचवें स्थान पर हैं। भारत में अंबानी बेशक शीर्ष पर हों, लेकिन एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति का ताज चीन के झांग यिमिंग के पास है। टिकटॉक की पैरेंट कंपनी बाइटडांस के संस्थापक झांग यिमिंग की संपत्ति 84 अरब डॉलर है, जिससे वह एशिया में पहले स्थान पर हैं।

कच्चे तेल में गिरावट के बाद भी ब्रेंट 105 डॉलर

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में मंगलवार को गिरावट नजर आ रही है, इसके बावजूद बेंचमार्क क्रूड यानी ब्रेंट 105 डॉलर के ऊपर ट्रेड कर रहा है।

रूस-यूक्रेन के बीच शांति स्थापित न होना और सऊदी अरब पर हूथियों के हमले को क्रूड की कीमतों में तेजी की वजह माना जा रहा है। सोमवार को ब्रेंट 106 डॉलर के स्तर को भी पार कर गया था। भू-राजनैतिक तनावों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में फिलहाल नरमी के संकेत नहीं दिखाई दे रहे हैं। कच्चे तेल की कीमतों और वेस्ट एशिया में लगी आग में घी डालने का काम रूस और यूक्रेन युद्ध ने किया है। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि दोनों ने देशों ने एक दूसरे के ऊर्जा ठिकानों पर हमले न करने के समझौते को मान लिया है। हालांकि, इस मामले पर दोनों ही देशों ने अलग बातें कही हैं। दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट वाला ब्रेंट इस वक्त 1.11 फीसदी की गिरावट के साथ 105.47 बैरल प्रति डॉलर पर ट्रेड कर रहा है। वहीं अमेरिका का वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट 1.14 फीसदी बढ़कर 92.60 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। सोमवार को ब्रेंट 1.8 फीसदी बढ़कर 106.65 डॉलर पर और डब्ल्यूटीआई 2 फीसदी चढ़कर 93.74 डॉलर पर बंद हुआ था। बात अगर भारतीय क्रूड बास्केट की करें, जिसमें अलग-अलग देशों का कच्चा तेल शामिल है तो वह 3.47 फीसदी की तेजी के साथ 121 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर निकल गया है।

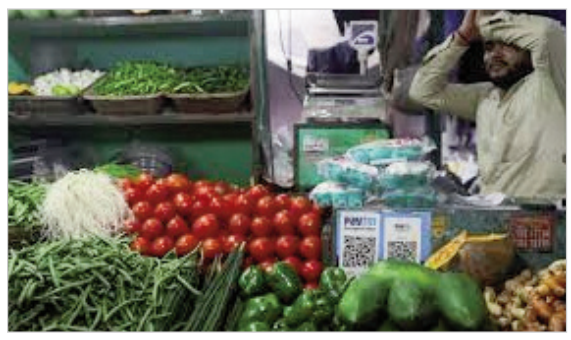
सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति 5.54 फीसदी पहुंची, खाने-पीने की चीजों के भी बढ़े दाम

अगस्त की तुलना में सितंबर में खुदरा और खाद्य महंगाई दोनों में तेजी से इजाफा

नई दिल्ली ।

देश में बढ़ती महंगाई का सिलसिला सितंबर में भी जारी रहा है, जिसने आम आदमी की जेब पर सीधा असर डाला है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर के महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.54 फीसदी हो गई, जबकि अगस्त में यह 4.83 फीसदी थी। विशेष रूप से, खाने-पीने की चीजों के दाम में भारी उछाल देखा गया है, जिसकी दर 5.97 फीसदी से बढ़कर 7.74 फीसदी पर पहुंच गई। यह तेजी दिखाता है कि आम लोगों के घरेलू बजट पर दबाव बढ़ गया है। सोमवार, 12 अक्टूबर को सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, महंगाई बढ़ने की सबसे बड़ी वजह खाने-पीने की चीजों के दाम में बेतहाशा वृद्धि है। सितंबर की खाद्य महंगाई के आंकड़े बताते हैं कि रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पिछले साल के मुकाबले सितंबर में प्याज की महंगाई दर 108.09 फीसदी तक पहुंच गई, जबकि लहसुन में 54.62 फीसदी और अदरक में 62.85 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। नींबू की कीमतों में भी 36.41त्न का इजाफा हुआ है। हालांकि, कुछ सब्जियों जैसे आलू की कीमतों में 11.50 फीसदी और टमाटर की कीमतों में 8.62 फीसदी की गिरावट ने थोड़ी राहत दी।

सब्जियों के अलावा, दाल, चावल और चीनी जैसी आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने भी समग्र महंगाई दर को बढ़ाने में योगदान दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में महंगाई और बढ़ सकती है। इसका



एक प्रमुख कारण वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव है, विशेष रूप से मिडिल ईस्ट और अन्य देशों के बीच बढ़ते तनाव से ईंधन की लागत बढ़ रही है। ईंधन महंगा होने से माल ढुलाई भी महंगी हो जाती है, जिसका सीधा असर हर उपभोक्ता वस्तु की कीमत पर पड़ता है और जनता को लगातार महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है। बढ़ती महंगाई का सीधा मतलब है कि रोजमर्रा की जरूरतों पर लोगों को पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है। खासकर प्याज, लहसुन और अन्य महंगी हुई खाद्य वस्तुओं के कारण रसोई का मासिक बजट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है, जिससे निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों को अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी करने में अधिक संघर्ष करना पड़ रहा है।

रुपया 82 पैसे चढ़कर 94.96 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया सोमवार को 95.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 82 पैसे मजबूत होकर 94.96 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि तेल विपणन कंपनियों के लिए नामित बैंकों के जरिये डॉलर उपलब्ध कराने की विशेष व्यवस्था और विदेशी मुद्रा जोखिम से बचाव के कुछ लेनदेन की लागत बढ़ाने जैसे कदमों से हाजिर बाजार में डॉलर की मांग घटने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.53 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें मजबूती आई और यह 94.96 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 82 पैसे की बढ़त है। रुपया सोमवार को 93 पैसे मजबूत होकर 95.78 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

छह महीने से अधिक समय में यह रुपये की एक दिन की सबसे बड़ी बढ़त थी। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 102.43 पर रहा।

मेगा सोलर प्रोजेक्ट को आईआरईडीए से मिली फंडिंग

विक्रान इंजीनियरिंग के शेयर 15 फीसदी उछले

मुंबई । इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) फर्म विक्रान इंजीनियरिंग के शेयरहोल्डर्स के लिए 13 अक्टूबर का दिन शानदार रहा। कंपनी के शेयरों में बीएसई पर जबरदस्त 15 प्रतिशत की उछाल देखी गई, जिसके बाद यह 64.03 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह तेजी कंपनी की सब्सिडियरी एनओपीएल सोलर प्रोजेक्ट्स और इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (आईआरईडीए) के बीच 2,941.19 करोड़ रुपए के टर्म लोन सुविधा समझौते की खबर के बाद आई है। यह समझौता महाराष्ट्र में 152 स्थानों पर मुख्यमंत्री सौर कृषि वाहिनी योजना 2.0 के तहत 969 मेगावॉट एसी प्र ति 1,163 मेगावॉट पीक के सोलर फोटोवोल्टिक पावर प्रोजेक्ट के विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इस पूरे प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 4,201.70 करोड़ रुपए है। विक्रान इंजीनियरिंग की एनओपीएल सोलर प्रोजेक्ट्स में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस महत्वपूर्ण फैसिलिटी एग्रीमेंट के निष्पादन से एनओपीएल द्वारा विकसित किए जा रहे 969 मेगावॉट के सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट के लिए वित्तपोषण की व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया गया है। इस परियोजना के लिए विक्रान इंजीनियरिंग लिमिटेड को 3,517.98 करोड़ रुपए का एक बड़ा ईपीसी कॉन्ट्रैक्ट भी मिला है, जिससे कंपनी के राजस्व और भविष्य की संभावनाओं को मजबूती मिली है। इस तेजी के साथ कंपनी का मार्केट कैप बढ़कर 1600 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

क्रोगर में एआई से बड़ा बदलाव- 3,000 कॉर्पोरेट पद घटेंगे, कीमतें होंगी कम

- कटौती कंपनी के 8,200 कॉरपोरेट कर्मचारियों में से लगभग 37 फीसदी को प्रभावित करेगी

नई दिल्ली ।

अमेरिकी किराना कंपनी क्रोगर ने अपने परिचालन में कृत्रिम मेधा (एआई) के गहन उपयोग की घोषणा करते हुए आगामी तीन वर्षों में लगभग 3,000 कॉरपोरेट पदों को समाप्त करने की योजना बनाई है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी द्वारा कर्मचारियों को भेजे मेमो के अनुसार कंपनी का लक्ष्य दोहराए जाने वाले कामों से बचना और तकनीक के साथ बेहतर तालमेल बिठाना है।

यह कटौती कंपनी के 8,200 कॉरपोरेट कर्मचारियों में से लगभग 37 फीसदी को प्रभावित करेगी। इस कदम से होने वाली बचत का इस्तेमाल उत्पादों की कीमतें कम करने और स्टोर में कार्यरत कर्मचारियों पर निवेश बढ़ाने के लिए किया जाएगा।

यह विभिन्न कंपनियों द्वारा एआई के बढ़ते उपयोग की वैश्विक प्रवृत्ति को दर्शाता है, जहां लागत कम करने और कामकाज को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। क्रोगर ने अपनी एआई रणनीति के तहत परिचालन को बेहतर बनाने और ग्राहकों के डेटा से डिजिटल टूल (जैसे एआई शॉपिंग असिस्टेंट) को सशक्त करने पर काम करने की बात कही है।

कंपनी का मानना है कि तकनीक के प्रयोग से परिचालन दक्षता बढ़ेगी, लागत घटेगी और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। बढ़ती प्रतिस्पर्धा और ग्राहकों की सावधानी के बीच, क्रोगर वॉलमार्ट व एल्डी जैसी कंपनियों से मुकाबला करने, लागत घटाने और बाजार स्थिति मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

वेतन विवाद- स्पाइसजेट पायलटों की हड़ताल से परिचालन ठप

क्यू400 पायलटों ने बकाया वेतन को लेकर उड़ानों से किया इनकार

नई दिल्ली ।

बकाया वेतन और लाभ न मिलने से नाराज स्पाइसजेट के क्यू400 विमानों के पायलटों ने उड़ान भरने से इनकार कर दिया है, जिससे एयरलाइन के संचालन पर गंभीर संकट आ गया है। इस कार्रवाई को एयरलाइन पायलट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलपीए इं डिया) का भी समर्थन मिल गया है। सूत्रों के अनुसार, लगभग 40 क्यू400 पायलटों ने तब तक उड़ान न भरने का फैसला किया है जब तक उन्हें उनका बकाया वेतन नहीं मिल जाता।

यह कदम स्पाइसजेट के लिए ऐसे समय आया है जब वह पिछले कई महीनों से वित्तीय और परिचालन संबंधी चुनौतियों से जूझ रही है। कंपनी की ओर से अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। एएलपीए इंडिया ने 9 अक्टूबर को एक पत्र जारी कर पायलटों के इस फैसले को सही ठहराया है।

संगठन का कहना है कि कर्मचारियों को समय पर वेतन और अन्य आवश्यक लाभ नहीं मिल रहे हैं, जिससे उनकी गरिमा और उड़ान सुरक्षा प्रभावित हो रही है।

इसी वजह से पायलटों ने अपने अधिकारों के लिए यह कदम उठाया है।

प्लेनस्पॉटर्स डॉट नेट के मुताबिक इस घटनाक्रम से पहले भी स्पाइसजेट के केवल 10 विमान उड़ान भर रहे थे, जबकि 37 विमान खड़े थे। इनमें क्यू400 विमान भी शामिल थे। पायलटों के इस निर्णय से एयरलाइन के पहले से ही कमजोर परिचालन पर और दबाव बढ़ गया है, जिससे उसका भविष्य अनिश्चित दिख रहा है।

भारतीय इस्पात नीति विजन 2047, आयात निगरानी के लिए एआई का उपयोग

असामान्य रुझानों का पता लगाने और घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाने पर जोर

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने अपनी प्रस्तावित नेशनल स्टील पॉलिसी विजन 2047 के मसौदे में इस्पात आयात के असामान्य रुझानों का समय रहते पता लगाने और घरेलू उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित व्यवस्था और उन्नत डेटा विश्लेषण के उपयोग का प्रस्ताव किया है।

नीति का उद्देश्य 2047 तक भारतीय इस्पात उद्योग के विकास के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करना है। यह अनावश्यक आयात निर्भरता कम करने, इस्पात क्षेत्र को मजबूत बनाने और प्रतिस्पर्धात्मकता व दीर्घकालिक वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए निष्पक्ष व्यापार, घरेलू क्षमता और गुणवत्ता पर आधारित तीन-स्तरीय रणनीति अपनाएगी।

मौजूदा राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 की समीक्षा के बाद यह नई नीति एआई और मशीन लर्निंग जैसी उभरती प्राथमिकताओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करती है। मसौदे में देश की इस्पात उत्पादन क्षमता को 60.4 करोड़ टन तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। यह विशेष रूप से घटिया या निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं होने वाले इस्पात के आयात पर रोक लगाने पर जोर देती है, जिसे घरेलू उत्पादकों के लिए बड़ी चुनौती बताया गया है। इन चिंताओं को दूर करने के लिए जांच, प्रमाणन और वास्तविक समय में आयात की निगरानी के साथ-साथ असामान्य रुझानों का जल्द पता लगाने के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण का इस्तेमाल किया जाएगा।

मसौदे में कहा गया है कि एआई आधारित आयात निगरानी और अन्य व्यापार सुधारात्मक उपायों सहित घटिया और कम गुणवत्ता वाले इस्पात के आयात को हतोत्साहित करने के उपाय जारी रहेंगे। जहां अनुचित व्यापार गतिविधियां साबित हों, वहां समय पर डंपिंग-रोधी और सुरक्षा उपाय किए जाएंगे।

विदेशी निवेशकों ने 2026 में भारतीय शेयर बाजार से निकाले 3 लाख

- भारतीय कंपनियों का उच्च मूल्यांकन भी बढ़ा रहा है निवेशकों की चिंता



नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की ऐतिहासिक निकासी का दौर जारी है, जिसके चलते बाजार पर दबाव बढ़ गया है। कैलेंडर वर्ष 2026 में अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी से 3.08 लाख करोड़ रुपए से अधिक की पूंजी निकाली है, जो पिछले वर्ष (2025) की कुल निकासी 1.66 लाख करोड़ रुपए से लगभग दोगुनी है। यह लगातार बिकवाली भारतीय बाजार की मौजूदा चुनौतियों को उजागर करती है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, 12 अक्टूबर तक एफपीआई ने द्वितीयक बाजार से 3.64 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली की है। हालांकि, नई शेयर पेशकशों में उनका निवेश सकारात्मक रहा, जहां उन्होंने 56,485 करोड़ रुपए का निवेश किया। इस बीच, घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) लगातार खरीदारी कर बाजार को सहारा दे रहे हैं। हाल के महीनों में बिकवाली और तेज हुई है; सितंबर में 35,861 करोड़ रुपए और अक्टूबर में 47,417 करोड़ रुपए की अतिरिक्त निकासी दर्ज की गई। विशेषज्ञों के मुताबिक, एफपीआई की इस बिकवाली के कई कारण हैं। अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल का बढ़ना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और सेमीकंडक्टर कंपनियों में वैश्विक निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी (विशेषकर अमेरिका, ताइवान और दक्षिण कोरिया में), कमजोर रुपया, और पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण कच्चे तेल की ऊंची कीमतें प्रमुख कारक हैं।



निखारें चेहरा संवारें अपना भविष्य

पार्टियों में जाने के लिए किए जाने वाले मेकअप से लेकर कलाकारों के मेकअप तक इसकी उपयोगिता से सभी परिचित हैं, लिहाजा यह मेकअप करना शौक भी हो सकता है और एक कामयाब करियर भी। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि कुछ वर्ष पहले तक करियर के रूप में इसे अच्छी निगाह से नहीं देखा जाता था, लेकिन अब बाजार के बड़े-बड़े नामों ने इसमें सम्मान जोड़ दिया है। कुछ कामयाब नाम हैं- शहनाज हुसैन, भारती तनेजा, वंदना लूथरा, ब्लॉसम कोचर, सिल्वी इत्यादि। इन्होंने मेकअप आर्टिस्ट के रूप में शुरुआत की और आज बिजनेस ब्रांड के रूप में पूरे देश में जाने जाते हैं। यही वजह है कि अब मेकअप आर्टिस्ट के तौर पर करियर बनाने के इच्छुक युवा ट्रेनिंग लेने लगे हैं, ब्यूटी चेन में अच्छी जॉब उन्हें मिलने लगी है और कम पूंजी में खुद का व्यवसाय शुरू करने लगे हैं। आज मेकअप आर्टिस्ट सिर्फ फैशन मॉडल्स अथवा फिल्मी सितारों की ही जरूरत नहीं है। दूसरी जगहों पर भी इसकी खास डिमांड है। खासकर शादी के सीजन में इन लोगों की डिमांड बढ़ जाती है। अब तो इसमें भी स्पेशलाइजेशन हो गया है, जैसे कोई सिर्फ दूल्हे का मेकअप करता है तो कोई दुल्हन का। यहां आपको यह बता दें कि हर माध्यम के लिए अलग-अलग मेकअप होता है। टीवी/फिल्मी कलाकारों का मेकअप अलग होता है तो थिएटर में काम करने वालों का अलग। स्टेज आर्टिस्ट का मेकअप टीवी आर्टिस्ट की तुलना में चटक होगा। किसी कैरेक्टर को उसकी उम्र से अलग दिखाना है तो उसका मेकअप अलग होगा, वहीं जले या दाग दिखाने के लिए मेकअप अलग होगा। शहर और वहां की जलवायु के मुताबिक भी मेकअप किया जाता है। जैसे मुंबई में हवा में नमी रहती है, इसलिए पसीने को ध्यान में रख कर ऐसा मेकअप करना पड़ता है कि वह खराब न हो। वहीं राजस्थान में मेकअप के लिए अलग चीजों का इस्तेमाल करना पड़ता है। यह तभी संभव है, जब मेकअप आर्टिस्ट को इसका ठीक-ठीक ज्ञान हो कि स्थान, उम्र और जरूरत के लिहाज से कैसा मेकअप होना चाहिए।

मेकअप आर्टिस्ट किसी जवान इंसान को बूढ़ा बना देता है तो बूढ़े इंसान को जवान। यही नहीं, मेकअप में वो ताकत है, जो चरित्र के हिसाब से कलाकार का पूरा व्यक्तित्व बदल दे। सुंदर दिखने-दिखाने की चाहत व्यक्तिगत रुचि से लेकर व्यावसायिक कौशल तक फैली हुई है। यही कारण है कि मेकअप करना एक खास किस्म का हुनर है।

गुण क्या हो?

इस प्रोफेशन में भी करियर बनाने के लिए कुछ विशेष गुणों की दरकार है। सबसे पहले उसमें विजुअलाइजेशन की क्षमता होनी चाहिए कि कौन सा स्टाइल या गेटअप किस पर फबेगा। उसे ऐसा रूप देना कि खुद को देख कर उसमें आत्मविश्वास भर जाए। कभी-कभी कई घंटों तक काम करना होता है, खासकर टीवी और फिल्म की शूटिंग के दौरान। शारीरिक और मानसिक रूप से उसका फिट होना बहुत जरूरी है, तभी वह अपने काम को सही-सही अंजाम दे पाएगा। आप में रंग और उसके असर की बारीक समझ होनी चाहिए। मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए आपका व्यवहार दोस्ताना होना चाहिए, तभी जिसका आप मेकअप करने जा रहे हैं, उसे बिना उबाए या थकाए उसका मनपसंद गेटअप आप उसे दे पाएंगे। इसके अलावा खुद भी आकर्षक दिखना जरूरी है। फैशन इंडस्ट्री में स्टाइल और ट्रैंड रोज बदलते हैं, इसलिए नई-नई तकनीक, हेयरस्टाइल्स और कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट के बारे में उसे अपडेट रहना होगा।

योग्यता क्या हो?

मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है और न ही किसी प्रकार की योग्यता की। इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने स्कूल या कॉलेज में कौन सा विषय लिया था। बस आप में इस काम के प्रति लगाव होना चाहिए। अगर ऐसा है तो आपके लिए करियर की राहें आसान हैं। अगर 10वीं या 12वीं पास हैं तो और भी बेहतर।

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए आप ब्यूटीकेयर के अंतर्गत अन्य विषयों जैसे ब्यूटीशियन, मैनिक्यूरिस्ट, पैडिक्यूरिस्ट, इलेक्ट्रोलॉजिस्ट व अरोमा थेरेपी विषयों में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। इसके अलावा आप किसी संस्थान से भी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। संस्थानों द्वारा संचालित कोर्सेज के पाठयक्रम में एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, डाइट, सेल्समैनशिप व सैलून आर्गेनाइजेशन से संबंधित थ्योरी पढ़ाई जाती है। वहीं प्रैक्टिकल वर्क के रूप में फेशियल, डिफरेंट टाइप ऑफ मसाज, मेकअप व इलेक्ट्रिक ट्रीटमेंट सिखाया जाता है।

नौकरी के अवसर

वर्तमान में फिल्म व टेलीविजन इंडस्ट्री में मेकअप व हेयर ड्रेसिंग एक्सपर्ट की मांग बढ़ती जा रही है। इन एक्सपर्ट्स को फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिस्ट के नाम से जाना जाता है। बतौर फ्रीलांस भी इसमें हैं ढेरों काम। फैशन आर्गेनाइजर, ब्यूटी पार्लरों, सिलेब्रिटीज के लिए बड़े पैमाने पर काम है।

वेतन

इस क्षेत्र में आने वाले को बहुत ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ता। प्रशिक्षण और इंटर्नशिप के दौरान ही आपकी कमाई होने लगती है। शुरुआती सैलरी 8 से 10 हजार मिलती है, लेकिन 5 साल के भीतर आप हर महीने 30 हजार रुपये तक कमा सकते हैं। एक बार आपका नाम हो गया तो आकाश ही सीमा है। कुछ कलाकार साल में 5 लाख रुपये या इससे अधिक भी कमा लेते हैं। वहीं दूसरी तरफ विज्ञापन एजेंसी द्वारा शुरू की गई कैंपेन में एक दिन में ही आपकी कमाई 1500 से 3000 रुपये तक हो सकती है।

कहां-कहां हैं मौके?



फिल्म/ टीवी/ वीडियो/ रंगमंच/ फैशन/ विज्ञापन एजेंसियों में तो बेशुमार जॉब हैं ही, तेजी से खुल रहे न्यूज चैनलों में भी मेकअप आर्टिस्ट की डिमांड है। वर्तमान में फिल्म व टेलीविजन इंडस्ट्री में मेकअप व हेयर ड्रेसिंग एक्सपर्ट की मांग बढ़ती जा रही है। इन एक्सपर्ट्स को फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिस्ट के नाम से जाना जाता है। फिल्म इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए आपको यह जानकारी होनी चाहिए कि स्टूडियो की चकाचौंध लाइट में एक्टर का मेकअप कैसे किया जाता है। बतौर फ्रीलांस भी इसमें हैं ढेरों काम। फैशन आर्गेनाइजर, ब्यूटी पार्लरों, सिलेब्रिटीज के लिए बड़े पैमाने पर काम है।



यूपीएससी हर साल सिविल सेवा में परीक्षा का आयोजन करता है। इनमें आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और आईआरएस पदों के लिए सबसे ज्यादा दावेदार होते हैं। इस परीक्षा को क्रैक कर आईएएस की तरह आईएफएस अफसर बनना भी बहुत बड़ी बात होती है। क्योंकि एक आईएएस जहां देश के अंदर कार्य करता है, वहीं एक आईएफएस ऑफिसर दूसरे देशों में देश का प्रतिनिधित्व करता है। इस आर्टिकल के माध्यम से आज हम जानेंगे कि आईएफएस ऑफिसर बनने के लिए क्या एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया चाहिए और इनका क्या काम होता है।

कौन और कैसे बन सकते हैं आईएफएस ऑफिसर

आईएफएस स्तर का अधिकारी देश का प्रतिनिधित्व अनेकों अंतर्राष्ट्रीय मंचो पर करता है। इनका दायरा एक आईएएस ऑफिसर से बड़ा होता है। क्योंकि जहां एक आईएएस जिले व देश तक सीमित होते हैं, वहीं एक आईएफएस देश स्तर पर अधिकारिक रूप में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओ और देशों के साथ काम करते हैं। इनके काम का असर सीधा देश पर पड़ता है। आईएफएस के लिए भी उम्मीदवारों का चयन सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से होता है, लेकिन आईएफएस की मुख्य परीक्षा का सिलेबस अन्य परीक्षाओं से अलग होता है। आईएफएस में आपको अंग्रेजी का ज्ञान होना बहुत जरूरी है क्योंकि एक आईएफएस ऑफिसर विभिन्न देशो के राजदूत, अधिकारी व नेताओं से बात करनी होती है तो इसके लिए अंग्रेजी भाषा का ज्ञान और बोलचाल में जरूरत होती है।

एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया

राष्ट्रीयता

आईएफएस ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवार की राष्ट्रीयता निम्नलिखित होनी चाहिए

- भारत के नागरिक हो
- नेपाल/भूटान की नागरिक हो
- वे तिब्बती शरणार्थी जो 1 जनवरी, 1962 से पहले स्थायी रूप से बसने के लिए यहाँ आए, या
- भारतीय मूल के वे लोग जिन्होंने भारत में स्थायी रूप से बसने के लिए युगांडा, बर्मा, पाकिस्तान, जाम्बिया, संयुक्त गणराज्य तंजानिया, मलावी, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देशों केन्या, जायरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रवास किया।

शैक्षणिक योग्यता

- उम्मीदवार के पास किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री होनी चाहिए या समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।

आयु सीमा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आधिकारिक अधिसूचना में यूपीएससी आयु सीमा 2022 की जानकारी जारी की गई है। आयु सीमा पात्रता मानदंड के अनुसार, 1 अगस्त 2022 को 21 से 32 वर्ष के बीच की आयु के लोग यूपीएससी एग्जाम में आवेदन पत्र भर सकते हैं। आरक्षित वर्ग के आवेदक यूपीएससी द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार आयु में छूट के पात्र होते हैं।

- एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए- 5 साल
- ओबीसी उम्मीदवारों के लिए- 3 साल।
- जम्मू और कश्मीर राज्य के उम्मीदवार के लिए- 5 वर्ष
- रक्षा सेवा कर्मियों के लिए- 5 वर्ष
- पूर्व सैनिक जिनमें कमीशन अधिकारी और ईसीओ/एसएससीओ शामिल हैं, जिन्होंने कम से कम 5 साल की सैन्य सेवा प्रदान की है और उन्हें रिहा कर दिया गया- 5 वर्ष
- नेत्रहीन, मूक-बधिर और विकलांग व्यक्तियों के लिए- 10 वर्ष

उम्मीदवार कितनी बार दे सकते हैं ये एग्जाम

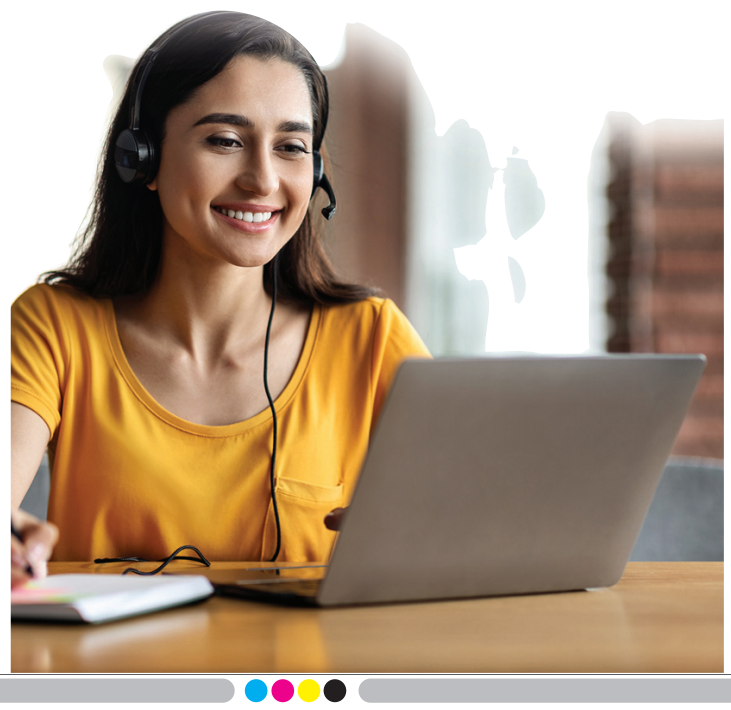
- सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार- 6 प्रयास
- एससी / एसटी के उम्मीदवार- कोई प्रतिबंध नहीं
- अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवार- 9 प्रयास
- सामान्य व ओबीसी दिव्यांग- 9 प्रयास

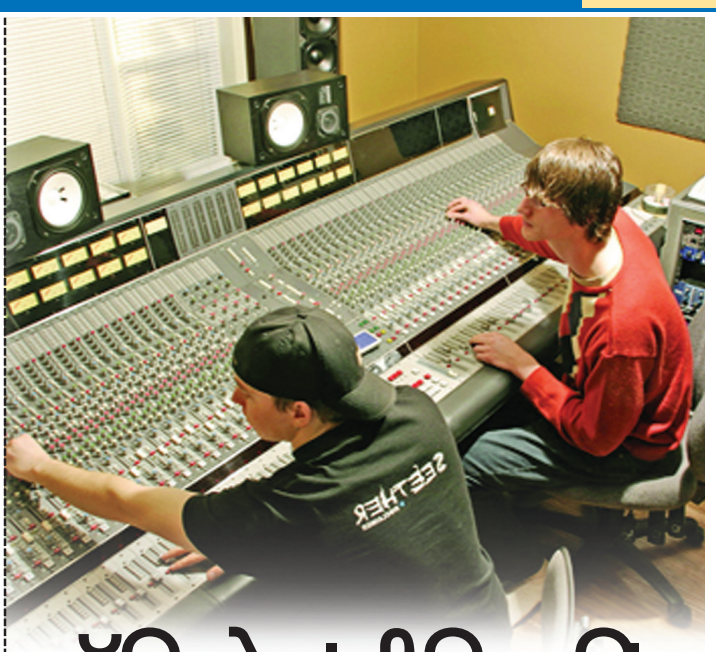
मेडिकल स्टैंडर्ड

इस परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले आवेदकों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। यूपीएससी सीएसई पर्सनालिटी टेस्ट के बाद चुने गए उम्मीदवार यूपीएससी द्वारा अधिसूचित चिकित्सा केंद्र में मेडिकल टेस्ट से गुजरते हैं। किसी भी सेवा में चयनित होने के लिए उम्मीदवारों को सभी मेडिकल टेस्ट पास करना होता है।

आईएफएस के कार्य

एक आईएफएस का काम उसके उसकी प्रोफाइल पर निर्भर करता है। विदेश में रह रहे भारतीयों की मदद वहां का भारतीय दूतावास करता है, जोकि एक आईएफएस का कार्य होता है। यही ऑफिसर राजदूत और राजनयिक के रूप में भी कार्य करते हैं। इनका मुख्य कार्य दोनों देशो के बीच अच्छे संबंध स्थापित करना और अन्य किसी प्रकार के वाद-विवाद को भी बातचीत के जरिए हल करना है। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं जैसे यूनाइटेड नेशन व अन्य प्लेटफार्म आईएफएस अधिकारी ही विदेशी मामलों में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके साथ ही भारत की सुरक्षा व विदेशी नीति मामलों में भी इन्ही आईएफएस की मदद ली जाती है और ये अपने अनुभव से देश की विदेश सुरक्षा पॉलिसी में अपने विचार व ज्ञान का उपयोग करते हैं।





ऑडियो इंजीनियरिंग

नई पीढ़ी का उभरता हुआ करियर

ऑडियो इंजीनियरिंग भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकास्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है। इस फील्ड के लिए खुद से कमिटमेंट एवं इंटरेस्ट होना आवश्यक है।

एक समय ऐसा था, जब आवाज को उसके मूल रूप में ही रिकॉर्ड किया जाता था, परन्तु आज उसमें काफी हद तक बदलाव लाया जा सकता है। यह सब संभव हो पाया है 'ऑडियो इंजीनियरिंग' से। वैसे तो आवाज या म्युजिक का इतिहास काफी पुराना है, लेकिन 20वीं शताब्दी तक आते-आते उसमें कई चीजें जुड़ गईं। ऑडियो इंजीनियरिंग, ऑडियो साइंस की ही एक शाखा है। इसमें साउंड कैप्चर करने, रिकॉर्डिंग करने, कॉपी करने, एडिटिंग एवं मिक्सिंग करने, इलेक्ट्रॉनिक एवं मैकेनिकल उपकरणों द्वारा आवाज में उतार-चढ़ाव लाने संबंधी कार्य किए जाते हैं। यह पूरा कार्य पोस्ट प्रोडक्शन के अंतर्गत आता है। इसमें एक इलेक्ट्रॉनिक मिक्सिंग बोर्ड लगा होता है, जिससे रिकॉर्डिंग एवं एडिटिंग प्रक्रिया में साउंड इनपुट जैसे स्विच, डायल, लाइट्स एवं मीटर को नियंत्रित किया जाता है। यह कार्य ऑडियो इंजीनियर के जरिए संपन्न किया जाता है। कई बार इन्हें रिकॉर्डिंग इंजीनियर या साउंड इंजीनियर के नाम से भी जाना जाता है। ऑडियो इंजीनियरिंग नई पीढ़ी के लिए एक उभरता हुआ करियर है, जो भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकास्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है। इस फील्ड के लिए खुद से कमिटमेंट एवं इंटरेस्ट होना आवश्यक है।

क्वालिफिकेशन

एक सफल ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए ऑडियोग्राफी, साउंड रिकॉर्डिंग एवं ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा अथवा डिग्री कोर्स का होना आवश्यक है। वैसे तो इस फील्ड में किसी विशेष शैक्षिक योग्यता की दरकार नहीं होती, परन्तु ऑडियो इंजीनियरिंग में बैचलर अथवा पीजी डिग्री को वरीयता दी जाती है। जहां तक डिमांड की बात है तो ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए फिजिक्स अथवा मैथ्स की आधारभूत जानकारी सहायक साबित होती है, जिसके दम पर वे रिकॉर्डिंग रूम में कई तरह की प्रतिध्वनि का आकलन कर सकते हैं। इसमें अधिक प्रैक्टिकल ज्ञान के आधार पर एक अच्छा ऑडियो इंजीनियर बना जा सकता है। जिन छात्रों के पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं फाइन आर्ट की पृष्ठभूमि रही है, वे भी इस कोर्स के लिए उपयुक्त साबित हो सकते हैं। साथ ही उन्हें रिकॉर्डिंग उपकरणों जैसे मिक्सिंग कंसोल्ड एवं माइक्रोफोन की जानकारी भी होनी चाहिए। इस कार्य में उन्हें डिजिटल ऑडियो स्टेशन, स्पीकर, एंप्लीफायर सहित कई अन्य म्युजिक उपकरणों का प्रयोग करना पड़ता है।

कोर्स डिटेल्स

ऑडियो इंजीनियरिंग में साउंड रिकॉर्डिंग, एडिटिंग एवं मिक्सिंग के तकनीकी एवं रचनात्मक पहलुओं का बारीकी से अध्ययन किया जाता है। इसमें अधिकतर कोर्स की शुरुआत ही साउंड एवं रिकार्डिंग, पोस्ट प्रोडक्शन एवं ब्रॉडकास्टिंग की आधारभूत थ्योरी एवं फ्रिक्वेंसी से की जाती है। इसके तकनीकी पहलुओं के अंतर्गत ही साउंड मिक्सिंग में स्पेशल इफेक्ट्स डाला जाता है। कोर्स के बाद छात्र रिकॉर्डिंग टूल्स, माइक्रोफोन के प्रयोग के बारे में अच्छी तरह से वाकिफ हो जाते हैं। इसके अलावा ऑडियो राइटिंग, इलेक्ट्रॉनिक म्यूजिक, साउंड रिकॉर्डिंग, म्यूजिक बिजनेस, मल्टीट्रैक प्रोडक्शन आदि कई ऐसे एरिया हैं, जिन्हें ऑडियो इंजीनियरिंग के तहत शामिल किया जाता है।

पर्सनल स्किल्स

एक ऑडियो इंजीनियर को टेक्निकल नॉलेज, इलेक्ट्रिकल एप्टीट्यूड, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल सिस्टम एवं इक्विपमेंट की जानकारी होनी आवश्यक है। म्यूजिक प्रोडक्शन में टीम वर्क, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स आपके काम को गति दे सकते हैं। एकाग्रता, धैर्य, अच्छी समझ, अच्छी लय की जरूरत, अच्छी रिद्म जैसे गुण ऑडियो इंजीनियर के लिए आवश्यक हैं। साथ ही उसे रिकॉर्डिंग माध्यमों जैसे एनालॉग टेप, डिजिटल मल्टीट्रैक रिकॉर्डर एवं कम्प्यूटर नॉलेज की जानकारी भी सहायता दिला सकती है।

नौकरी के अवसर

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या डिग्री पहली सीढ़ी होती है। सफलतापूर्वक कोर्स करने के बाद मूवी, टेलीविजन, एडवर्टाइजिंग, मल्टीमीडिया संस्थान, ब्रॉडकास्टिंग, सीडी प्रोडक्शन आदि में जॉब पा सकते हैं। लेकिन एक ऑडियो इंजीनियर को जो फील्ड सबसे ज्यादा आकर्षित करती है, वह म्यूजिक इंडस्ट्री है। इसमें प्रारंभ में रिकॉर्डिंग इंजीनियर के सहायक के रूप में करियर आरंभ कर सकते हैं। अपने अनुभव के आधार पर जल्द ही वे ऑडियो इंजीनियर के पद पर पहुंच सकते हैं। इसके अतिरिक्त माइक्रोफोन, रिकॉर्डर, मिक्सर एवं सॉफ्टवेयर, म्यूजिक एवं स्पीच में कई तरह के काम सामने आते हैं। साउंड, म्यूजिक, डायलॉग, स्पेशल इफेक्ट्स, म्यूजिक प्रोड्यूसर को भी स्पेशलाइजेशन के रूप में अपनाया जा सकता है। म्यूजिक प्रोड्यूसर बनने के बाद खुद का रिकॉर्डिंग स्टूडियो भी शुरू किया जा सकता है। स्टूडियो स्थापित करने के अलावा ऑडियो इंजीनियर फ्रीलांस के रूप में भी काम कर सकते हैं। ऑडियो इंजीनियरिंग का क्षेत्र काफी प्रतियोगी है। इसमें वही लोग सफल हो सकते हैं, जिनमें टैलेंट एवं विशेष गुण है।

सेलरी स्ट्रक्चर

बतौर ऑडियो इंजीनियर इनकी सेलरी 10,000 रुपए प्रतिमाह से शुरू होती है तथा मान्यता मिल जाने के बाद इनकी सेलरी में तेजी से इजाफा होता है। तीन से चार साल के अनुभव के बाद इनकी सेलरी 30-35 हजार रुपए तक पहुंच जाती है। विदेशों में जॉब के अवसर मिलने के बाद सेलरी की कोई निश्चित सीमा नहीं होती।



भारत-वेस्टइंडीज के बीच आज खेला जाएगा चौथा टी20 अंतरराष्ट्रीय

हैदराबाद (एजेंसी)। यहां हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में बुधवार को भारत और वेस्टइंडीज के बीच चौथा टी20 क्रिकेट मैच खेला जाएगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। भारतीय टीम अभी सीरीज में 2-1 से बढ़त पर है ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करना रहेगा। वहीं मेहमान टीम वेस्टइंडीज भी इसे जीतकर वापसी करना चाहेगी। भारतीय टीम ने लखनऊ में खेले गए पहले टी20 में जीत दर्ज की थी जबकि रांची में खेले गए दूसरे मैच में वेस्टइंडीज ने जीत दर्ज की थी। उस मैच में वेस्टइंडीज टीम ने 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत हासिल की। वहीं तीसरे टी20 में भारतीय टीम ने 14 रनों से जीत हासिल की। अब चौथा टी20 हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा।

गौरतलब है कि राजीव गांधी स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल रहती है। पिच सपाट है, जहां गेंद बल्ले पर अच्छे से आती है। ऐसे में चौथा टी20 भी बड़े स्कोर वाला होने के संकेत हैं। यहां पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को चाहिए कि 210-220 रन बनाए जाए।

वहीं अगर रिकार्ड की बात करें तो इस स्टेडियम में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है। यहां कुल 3 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले गए हैं। इसमें भारतीय टीम ने तीनों में जीत दर्ज की है। ऐसे में इस बार भी भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आता है।

दोनों टीमों के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रिकॉर्ड भी काफी दिलचस्प रहा है, जिसमें भी टीम इंडिया का पलड़ा भारी नजर आता है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच इस फॉर्मेट में अब तक कुल 35 बार भिड़ंत हुई है। इन 35



मुकाबलों में से 22 में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है, जो उनकी श्रेष्ठता को दर्शाता है। वहीं, वेस्टइंडीज की टीम ने 11 मैचों में जीत हासिल की है, जबकि एक मैच का कोई परिणाम नहीं निकला था। यह आंकड़े बताते हैं कि भारतीय टीम वेस्टइंडीज पर टी20 में ऐतिहासिक रूप से हावी रही है, लेकिन हाली के प्रदर्शन ने मेहमान टीम के आत्मविश्वास को काफी बढ़ाया है। ऐसे में वह कोई कसर नहीं रखेगी।

टीम इस प्रकार है

भारतीय टीम- श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, नीतीश कुमार रेड्डी, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, मयंक यादव और नमन धीर

वेस्टइंडीज टीम- शाई होप (कप्तान, विकेटकीपर), ज्वेल एंड्रयू (विकेटकीपर), आमिर जांगू (विकेटकीपर), रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, शिमरन हेटमायर, अकील हुसैन, शमार जोसेफ, गुडाकेश मोती, कीमो पॉल, कामिल पूरन, रोवमैन पॉवेल, शरफेन रदरफोर्ड, क्रेंटिन सैम्पसन, रोमारियो शेफर्ड और शमर स्प्रिंगर

शुभमन सबसे अधिक पांच बार प्लेयर ऑफ द मंथ जीतने वाले भारतीय बने



दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल ने को पांचवीं बार महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने मंगलवार, 13 अक्टूबर को उन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा, जिसके साथ वह इस अवार्ड को सबसे ज्यादा बार जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं।

शुभमन की यह उपलब्धि भारतीय क्रिकेटरों के बीच उन्हें एक अलग ही मुकाम पर स्थापित करती है। जहां वह अकेले पांच खिताब के साथ शीर्ष पर काबिज हैं, वहीं दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से जसप्रीत बुमराह और श्रेयस अय्यर दो-दो खिताब के साथ मौजूद हैं। वहीं हैरानी की बात है कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल विराट कोहली ने यह सम्मान सिर्फ एक बार ही हासिल किया है। कोहली के अलावा, ऋषभ पंत, रविचंद्रन अश्विन, भुवनेश्वर कुमार, यशस्वी जयसवाल, मोहम्मद सिराज, अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन जैसे भारतीय खिलाड़ियों ने भी एक-एक बार इस प्रतिष्ठित खिताब को अपने नाम किया है।

शुभमन गिल के पांच प्लेयर ऑफ द मंथ खिताबों में जनवरी 2023, सितंबर 2023, फरवरी 2025, जुलाई 2025 और सितंबर 2026 के अवार्ड शामिल हैं, जो उनकी अद्भुत निरंतरता और भविष्य की क्रिकेट में उनके संभावित दबदबे की ओर इशारा करते हैं।

गंभीर टीम में जरुरत से अधिक बदलाव कर रहे : वॉटसन



मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर जिस प्रकार से टीम में लगातार बदलाव कर रहे हैं। वह सही नहीं है। वॉटसन के अनुसार हद से ज्यादा बदलाव होने से खिलाड़ी अपनी भूमिका ठीक से समझ नहीं पाते हैं इससे एक बार फिर गंभीर के कामकाज के तरीके पर सवाल उठे हैं। वॉटसन के अनुसार कि इसी कारण भारतीय टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी नजर आती है। उन्होंने कहा कि इसका सबसे बड़ कारण बल्लेबाजी क्रम के साथ ही खिलाड़ियों में बार-बार बदलाव किया जाना है। इस पूर्व ऑलराउंडर ने हालांकि माना है कि कुछ उभरते खिलाड़ियों का समर्थन करने से लाभ भी मिला है। इन खिलाड़ियों ने बेहतर परिणाम दिये हैं।

गौरतलब है कि गंभीर के भारतीय टीम का में भारतीय टीम के मुख्य कोच बनने के बाद से ही टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप का खिताब जीता है। इन सफलताओं के बावजूद, भारतीय टीम का टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन कमजोर रहा है। उसे घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा, इसी साल भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज में भी हार मिली। पिछले एक साल में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ भी टीम को हार झेलनी पड़ी है। इस साल जुलाई में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भी भारतीय टीम हारी है। वॉटसन ने कहा कि टीम में लगातार बदलाव होने से खिलाड़ियों के लिए अपनी भूमिका समझना और एक-दूसरे के साथ तालमेल बनाना कठिन होता है। साथ ही कहा कि जब बल्लेबाजी क्रम में बार-बार बदलाव होता है और खिलाड़ी लगातार टीम में आते-जाते रहते हैं, तो टीम का प्रदर्शन भी प्रभावित होता है। वॉटसन के अनुसार भारतीय टीम के हालिया उतार-चढ़ाव के पीछे भी यही कारण है। वॉटसन ने गंभीर के काम की सराहना भी की है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम में गंभीर ने कई अच्छी चीजें भी जोड़ी हैं। खिलाड़ियों पर भरोसा जताना उनकी सकारात्मक रणनीतियों में से एक है। वॉटसन के अनुसार, गंभीर ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का लगातार समर्थन किया और सैमसन ने टी20 विश्व कप के अहम मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करके इस भरोसे को सही साबित किया। इससे पता चलता है कि खिलाड़ियों को अवसर देना और उन पर भरोसा बनाए रखना टीम के लिए लाभकारी हो सकता है।

जोसेफिन की कप्तानी में भारत का दौरा करेगी जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीम

हरारे (एजेंसी)। जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीम अनुभवी ऑलराउंडर जोसेफिन नकोमो की कप्तानी में भारत दौरे पर पहुंचेगी। 15 सदस्यीय जिम्बाब्वे की टीम 16 अक्टूबर से भरत दौर पर रहेगी। ये उसकी महिला टीम का पहला भारत दौरा होग। यह दौरा जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट के लिए एक अहम मील का पत्थर साबित होगा। इससे वह वे विश्व की शीर्ष टीमों में से एक भारत के खिलाफ खेलकर अपनी क्षमताओं का आंकलन कर सकेगी। करेंगी। जोसेफिन अपनी ऑलराउंड क्षमता और नेतृत्व कौशल के लिए जानी जाती हैं के ऊपर अपनी टीम को इस चुनौतीपूर्ण अभियान में मार्गदर्शन देने की जिम्मेदारी होगी।

जिम्बाब्वे क्रिकेट ने इस दौरे के लिए अपनी टीम में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में शामिल रहीं मुख्य खिलाड़ियों को ही बनाये रखा है। बरकरार जिससे की टीम में निरंतरता बनी रहे। जिम्बाब्वे ने हरारे में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए दूसरे एकदिवसीय में चार विकेट से शानदार जीत दर्ज की थी। इस जीत में अहम भूमिका निभाने वाली युवा तेज गेंदबाज न्याशा ग्वांजुरा और मिशेल मावुंगा को भी भारतीय दौरे के लिए रखा गया है। 15 सदस्यीय टीम में शामिल इन दोनों गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मिलकर सात विकेट लेकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया था, और उनसे भारतीय पिचों पर भी अपनी स्विंग और गति से प्रभावित करने की उम्मीद होगी। उनका प्रदर्शन इस दौरे पर जिम्बाब्वे के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

इस दौरे की शुरुआत तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ होगी, जो 16, 18 और 20 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में खेले जाएंगे। इसके बाद, टीम गुजरात के बड़ौदा का रुख करेगी, जहाँ 23, 25 और 28 अक्टूबर को तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) मैच निर्धारित हैं। यह कार्यक्रम खिलाड़ियों को दोनों प्रारूपों में खुद को ढालने और विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करने का अवसर देगा।

वनडे मैच विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा हैं। यह चैंपियनशिप दुनिया भर की शीर्ष महिला टीमों को एक-दूसरे के खिलाफ नियमित रूप से प्रतिस्पर्धा करने और सीधे महिला क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का अवसर प्रदान करती है, जिससे प्रत्येक मैच का महत्व और भी बढ़ जाता है। भारत का यह दौरा जिम्बाब्वे की युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के मिश्रण को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ खेलने का अमूल्य अनुभव प्रदान करेगा। यह उनके कौशल को निखारने, अंतरराष्ट्रीय दबाव को संभालने और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने का एक सुनहरा अवसर है। इस दौरे से जिम्बाब्वे में महिला क्रिकेट के विकास को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जो युवा लड़कियों को खेल में भाग लेने और अपने देश का



प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित करेगा।

जिम्बाब्वे की टीम

जोसेफिन नकोमो (कप्तान), बीलव्ड बिज़ा, चिपो मुगेरी-तिरिपानो, केलिस नधलोवु, मिशेल मावुंगा, फ्रांसिस्का चिपारे, ओलिन्दर चारे, कुदज़ई चिगोरा, न्याशा ग्वांजुरा, नोमवेलो सिबांडा, लोरिन फिरी, चियेद्ज़ा धुरुरू, मोडेस्टर मुपाचिकवा, तेंदई मकुशा, शार्ने मेयर्स।

अल्कराज की हार के बाद ज्वेरेव ने रचा इतिहास, पहली बार ATP Year End नंबर-1 रैंकिंग हासिल की



शंघाई। जर्मनी के स्टार टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने 2026 में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने पहली बार ATP Year-End नंबर-1 रैंकिंग हासिल करना सुनिश्चित किया। स्पेन के कार्लोस अल्कराज को शंघाई मास्टर्स में मिली चौंकाने वाली हार के बाद ज्वेरेव का साल का शीर्ष रैंकिंग वाला खिलाड़ी बनना तय हो गया। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले जर्मन खिलाड़ी बनेंगे।

29 वर्षीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव के लिए यह उपलब्धि उनके शानदार 2026 सीजन में एक और बड़ी कामयाबी है। साल के अंत की ATP रैंकिंग की तारीख 23 नवंबर 2026 को उनकी उम्र 29 साल और 217 दिन होगी। इस तरह वह पहली बार वर्ष के नंबर-1 खिलाड़ी बनने वाले सबसे उम्रदराज टेनिस खिलाड़ी भी बन जाएंगे।

ज्वेरेव पहली बार साल के नंबर-1 खिलाड़ी बनने के मामले में अमेरिका के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी आंद्रे अगासी से तीन दिन बड़े होंगे। अगासी ने 1999 में 29 साल और 214 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। ज्वेरेव की यह कामयाबी उन्हें टेनिस इतिहास में एक खास स्थान दिलाएगी।

स्मिथ के हेलमेट पर लगी नोर्त्जे की बाउंसर, कनकशन जांच जारी

डरबन। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरबन में जारी टेस्ट मैच के दौरान हेलमेट पर पर गेंद लगने के बाद से ही कनकशन जांच चल रही है। सिर में चोट लगने पर ये जांच होती है जिससे खिलाड़ी एक तय समय तक मैदान से दूर रहता है। स्मिथ के हेलमेट पर दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नोर्त्जे की एक तेज बाउंसर लग गयी थी। जिससे वह कनकशन जांच के दायरे में आये। अब उनके बाहर होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं।

धोनी का आईपीएल में खेलना उन्हीं पर निर्भर : काशी



चेन्नई। आईपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के सीईओ काशी विश्वनाथन ने कहा है कि टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी में अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है। उन्होंने संकेत दिया है कि धोनी 2027 में टीम के लिए एक बार फिर उतर सकते हैं। धोनी को आईपीएल 2026 में चोटिल होने के कारण एक भी मैच नहीं खेलने की वजह से लीग से बाहर रहना पड़ा था, जिससे उनके भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई थीं। इसी को लेकर काशी ने साफ किया कि धोनी का खेलना पूरी तरह से उन्हीं के फैसले पर निर्भर करेगा। साथ ही कहा कि फ्रेंचाइजी प्रबंधन ने यह फैसला पूरी तरह से उन पर छोड़ दिया है। विश्वनाथन ने कहा, यह एक ऐसा सवाल है जो आपको उनसे पूछना चाहिए। मुझे भी उनसे पूछना होगा। जब वह चेन्नई आते हैं तो वह हमें अपने फैसले के बारे में बताते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि उनके सीएसके के लिए खेलते रहने के अवसर हैं। गौरतलब है कि 45 साल के हो चुके धोनी की अनुपस्थिति ने उनके आगामी आईपीएल सीजन में खेलने पर लगातार सवाल खड़े किए हैं। हालांकि, टीम के पूर्व खिलाड़ी और भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुरेश रैना ने धोनी को एक और आईपीएल सीजन के लिए वापसी करते देखने की अपनी प्रबल इच्छा व्यक्त की है। रैना ने बताया कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से धोनी से आईपीएल 2027 के लिए वापसी करने की गुजारिश की थी। रैना ने कहा, मैंने उनसे कहा कि आपने आईपीएल 2026 मिस कर दिया है। इसे गिना नहीं जाएगा। आपको अगले साल वापस आना होगा। रैना का मानना है कि धोनी ने वापसी के दरवाजे पूरी तरह से बंद नहीं किए हैं। यह उनका निजी फैसला होगा, लेकिन रैना को लगता है कि धोनी सकारात्मक हैं और वापसी के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। उन्होंने कहा, टीम भी फिर से अच्छी तरह से घुल-मिल रही है। फैंस भी चाहते हैं कि वह आएं।

भारतीय टीम की फील्डिंग को बेहतर बनाने काम करने के तरीके में बदलाव लाना होगा : श्रीधर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व फील्डिंग कोच आर. श्रीधर का मानना है कि टीम की फील्डिंग को और बेहतर बनाने के लिए खिलाड़ियों की तैयारी के साथ ही उनके काम करने के तरीके में बदलाव लाना होगा। उन्होंने कहा कि जहां भारतीय टीम ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी में शीर्ष स्तर हासिल किया है। वहीं फील्डिंग के क्षेत्र में वह अभी भी उस स्तर पर नहीं पहुंची है जैसी उससे अपेक्षा है। श्रीधर ने कहा, फील्डिंग में खिलाड़ियों की जवाबदेही बढ़ाने के साथ ही नियमित और केंद्रित अभ्यास तथा प्रदर्शन के स्पष्ट मानक तय करने होंगे।

श्रीधर ने माना है कि पिछले कुछ महीनों में भारतीय टीम की फील्डिंग का स्तर उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। उनके मुताबिक, भले ही हाल ही में टीम ने एक टी20 विश्व कप जीता हो, लेकिन फिर भी मैदान पर कई मौकों पर फील्डिंग में कमियां दिखी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक क्रिकेट, विशेषकर टी20 प्रारूप में, फील्डिंग को बल्लेबाजी और गेंदबाजी जितनी ही



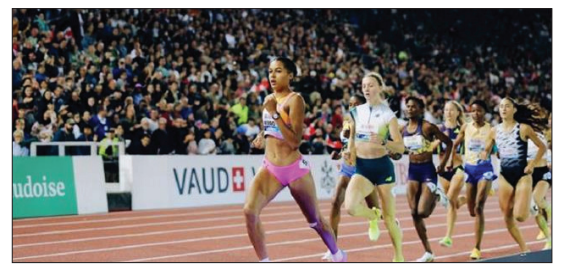
प्राथमिकता मिलनी चाहिए, क्योंकि एक बेहतरीन कैच या सटीक रनआउट मैच का रुख बदल सकता है।

श्रीधर ने कहा कि हाल के टी20 मुकाबलों के दौरान भारतीय टीम ने कुल 58 कैच छोड़े हैं। टीम की कैच पकड़ने की सफलता दर महज 73.4 प्रतिशत रही है, जो शीर्ष 10 टीमों में दूसरे सबसे निचले स्थान पर आती है। इन गंभीर गलतियों का टीम पर सीधा असर पड़ा है। जहां भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी अच्छी फील्डिंग से 129 रन बचाए, वहीं कैच छोड़ने और मैदानी फील्डिंग की गलतियों के कारण 226 अतिरिक्त रन विपक्षी टीम को मिले, जिससे टीम को कुल 97 रनों का नुकसान हुआ। इसके अतिरिक्त, भारतीय खिलाड़ियों ने 19 रनआउट के सुनहरे अवसर गंवाए, जबकि केवल 14 बार ही विपक्षी बल्लेबाजों को रनआउट किया जा सका।

श्रीधर ने घरेलू क्रिकेट व्यवस्था से भी इस दिशा में गंभीरता से काम करने की अपील की, जिससे टीम में शामिल होने वाले नए खिलाड़ियों को बल्लेबाजी और गेंदबाजी के साथ-फील्डिंग में भी मजबूत बनाया जा सके।

न्यूजीलैंड दौरे को भारतीय खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी चुनौती बताते हुए श्रीधर ने कहा कि वहां का ठंडा मौसम और तेज हवाएं फील्डिंग पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। ऐसे में खिलाड़ियों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप खुद को जल्द ढालना होगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि आधुनिक क्रिकेट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन का आकलन गेंद तक पहुंचने की गति, रिएक्शन टाइम, कैच पकड़ने की सफलता दर और थ्रो की सटीकता जैसे आंकड़ों के आधार पर किया जाना चाहिए।

डायमंड लीग 2027 : 7 मई से दोहा में होगा आगाज, ज्यूरिख में खेला जाएगा फाइनल



दोहा। 2027 डायमंड लीग सीजन की शुरुआत 7 मई को कतर की राजधानी दोहा में होगी। विश्व एथलेटिक्स की इस प्रतिष्ठित ट्रैक एंड फील्ड सीरीज का 18वां संस्करण लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 से लगभग एक साल पहले आयोजित किया जाएगा। दुनिया के शीर्ष एथलीट इस सीजन में अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ डायमंड लीग ट्रॉफी जीतने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। 2027 डायमंड लीग का पहला मुकाबला 7 मई को दोहा में आयोजित होगा। इसके बाद सीरीज एशिया के अन्य शहरों की ओर बढ़ेगी, जहां शंघाई/केकियाओ और शियामेन में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। शुरुआती मुकाबलों में एथलीटों को नए सीजन में अपनी लय और फॉर्म साबित करने का मौका मिलेगा। डायमंड लीग का रोमांच 3 जुलाई को अमेरिका पहुंचेगा, जहां यूजीन, ओरेगन में प्रतिष्ठित प्रीफॉन्टेन क्लासिक आयोजित होगा। यह मुकाबला सीजन के अहम पड़ावों में से एक होगा। इसके बाद सीरीज एक बार फिर यूरोप लौटेगी, जहां कई महत्वपूर्ण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। अमेरिका में मुकाबले के बाद डायमंड लीग का आयोजन मोनाको, लुसाने, लंदन, सिलेसिया और ब्रुसेल्स में होगा। इन प्रतियोगिताओं में एथलीटों के पास अंक जुटाकर फाइनल के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका रहेगा। सीजन के दौरान लगातार अच्छा प्रदर्शन करना खिताबी मुकाबले तक पहुंचने के लिए अहम होगा। 2027 डायमंड लीग का फाइनल 25 और 26 अगस्त को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में आयोजित किया जाएगा। दो दिनों तक चलने वाले इस मुकाबले में सीजन के शीर्ष एथलीट डायमंड लीग ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। फाइनल के साथ ही इस प्रतिष्ठित सीरीज के विजेताओं का फैसला होगा। डायमंड लीग का फाइनल बीजिंग में 10 से 19 सितंबर तक होने वाली 2027 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप से कुछ सप्ताह पहले आयोजित किया जाएगा। ऐसे में एथलीटों के लिए यह सीजन बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की तैयारी का महत्वपूर्ण अवसर होगा। लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 से पहले भी यह सीरीज खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर नजर रखने का अहम मंच बनेगी।

जाफर ने अपनी पसंदीदा भारत-पाक अंतिम ग्यारह में 6 भारतीय व 5 पाक खिलाड़ी रखे

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर ने भारत-पाकिस्तान को मिलाकर अपनी एक पसंदीदा सर्वकालिक एकदश घोषित की है। इसमें जाफर ने 11 में 6 खिलाड़ी भारत के जबकि 5 खिलाड़ी पाकिस्तान के रखे हैं। जाफर ने कहा कि, दोनों ही देशों में कई दिग्गज खिलाड़ी हुए हैं। इसलिए इस टीम का चयन करना उनके लिए बेहद कठिन रहा है। इस टीम में जाफर ने पारी की शुरुआत के लिए सचिन तेंदुलकर और सईद अनवर का रखा है जबकि नंबर 3 पर विराट कोहली है। जबकि नंबर चार पर पाक के इंजमाम उल हक को जगह मिल है। वहीं नंबर 5 पर जाफर ने युवराज सिंह को शामिल किया है जबकि नंबर 6 पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को जगह मिली है। धोनी को जाफर ने भारत-पाकिस्तान एकदिवसीय टीम की कप्तानी दी है। नंबर 7 पर वसीम जाफर ने पाक ऑराउडर अब्दुल रज्जाक जबकि नंबर 8 पर वसीम अकरम को रखा है। 9 पर पाक स्पिनर सकलैन मुश्ताक जबकि नंबर 10 पर वसीम जाफर को और नंबर 11 पर जाफर ने अनिल कुंबले को शामिल किया है।

वसीम जाफर की भारत-पाकिस्तान एकदिवसीय अंतिम ग्यारह - सचिन तेंदुलकर- सईद अनवर, विराट कोहली, इंजमाम उल हक, युवराज सिंह, धोनी (कप्तान), अब्दुल रज्जाक, वसीम अकरम, सकलैन मुश्ताक, जसप्रीत बुमराह, अनील कुंबले।



शमी ने रणजी में शानदार प्रदर्शन के बाद चयनकर्ताओं पर भी निशाना साधा

मुम्बई (एजेंसी)। बंगाल की ओर से खेलते हुए अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने दिल्ली के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के बाद चयनकर्ताओं पर निशान साधा है। शमी ने न केवल अपनी घातक गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान किया, बल्कि अपनी फिटनेस और टीम इंडिया में वापसी को लेकर दिए गए बयानों से भी सुर्खियां बटोरीं, जिनमें इशारों-इशारों में चयनकर्ताओं पर भी तंज कसा। दिल्ली के खिलाफ मुकाबले में, शमी ने अपनी पुरानी लय में लौटते हुए 17.3 ओवर में सिर्फ 30 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट झटके। इस दौरान उन्होंने 9 मेडन ओवर भी फेंके, जिससे दिल्ली की पूरी टीम महज 240 रनों पर सिमट गई। शमी की यह धारदार गेंदबाजी उनकी फिटनेस और फॉर्म का स्पष्ट प्रमाण थी, जिससे



उनके अनुभव और कौशल की झलक साफ दिखाई दी।

दिन का खेल समाप्त होने के बाद जब शमी से उनकी फिटनेस को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने जवाब दिया। शमी ने कहा, 'आप मेरी फिटनेस देख रहे हैं, लिख दीजिए। आप मुझे देख रहे हैं, मेरे कहने से क्या होगा? मैं मैदान पर हूं, खेल रहा हूं और जहां भी मौका मिल रहा है, वहां खेल रहा हूं।' उनके इस जवाब से साफ था कि वह अपनी बातों से नहीं, बल्कि मैदान पर अपने प्रदर्शन से अपनी फिटनेस साबित करना चाहते हैं। फिटनेस के अलावा, शमी से यह भी पूछा गया कि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उन्हें भारतीय टीम में क्यों नजरअंदाज किया जा रहा है। इसके जवाब में शमी ने चयनकर्ताओं पर तंज कसते हुए कहा, ÷मैं अच्छा गेंदबाज नहीं हूं। शायद ये वजह रही होगी।÷ शमी के इस कटाक्ष भरे बयान से उनकी निराशा और टीम में नहीं चुने जाने की पीड़ा साफ झलक रही थी। यह बयान स्पष्ट रूप से उन चयनकर्ताओं को संबोधित था जो उनके शानदार घरेलू प्रदर्शन के बावजूद उन्हें नजरअंदाज कर रहे हैं। वहीं शमी ने चार साल बाद टीम इंडिया में वापसी करने वाले तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के लिए भी खुशी जाहिर की। शमी ने भुवनेश्वर को लेकर कहा, 'भुवी की पहले ही वापसी हो जानी चाहिए थी। दिक्कत ये है कि वह ज्यादा किसी से बात नहीं करता है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उनकी प्रतिभा को लंबे समय तक रोका जाए। यह उनके लिए अच्छा है। उन्होंने आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और वह इसके हकदार हैं।' शमी का यह बयान न केवल साथी खिलाड़ी के प्रति सम्मान दर्शाता है, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से यह भी संकेत देता है कि कभी-कभी मुखर न होना भी चयन प्रक्रिया में बाधा बन सकता है।

रियाद में मिसाइल हमले के कारण मैच में आई बाधा, रोनाल्डो की अल नासर जीती

रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में मिसाइल हमले के कारण अल नासर और नफ्तची फरगाना के बीच होने वाला एशियन चैंपियंस लीग फुटबॉल मैच एक घंटे की देरी से शुरू हुआ। इस मैच में स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी खेल रहे थे। यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा दागे गए इस मिसाइल हमले के कारण मैच में बाधा आई। सऊदी रक्षा बलों की त्वरित कार्रवाई से मिसाइल को सफलतापूर्वक हवा में ही नष्ट कर दिया गया, जिससे बड़ी अनहोनी टल गई और मैच आखिरकार खेला जा सका। इस मुकाबले में अल नासर ने 3-1 से शानदार जीत दर्ज की, जिसमें स्वयं क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भी एक गोल दागकर अपनी टीम की जीत में अहम योगदान दिया। स्थानीय समयानुसार अल-अव्वल पार्क में रात 9:15 बजे शुरू होने वाले इस मैच से ठीक पहले, रियाद में धमाकों की तेज आवाजें सुनाई दीं, जिसने स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों और खिलाड़ियों को चिंता में डाल दिया। इस दौरान, लोगों के मोबाइल फोन पर हवाई हमले के खतरे का अलर्ट जारी किया गया, जिसमें उन्हें शांत रहने, अपने घरों में रहने या सुरक्षित स्थानों पर जाने, नागरिक सुरक्षा निर्देशों का पालन करने और खिड़कियों व दरवाजों से दूर रहने की सलाह दी गई। इस अप्रत्याशित और तनावपूर्ण स्थिति के कारण मैच को तुरंत रोक दिया गया।



मैं अपने हर किरदार में कुछ एक्स्ट्रा एलिमेंट कुछ नया जोड़ने की कोशिश करती हूं

अवस्थी परिवार में आपका स्वागत है; जहां ड्रामा है, मस्ती है और सबसे बढ़कर एक डायन का राज है! अमेज़न स्टूडियोज़ और कलर येलो की फिल्म 'नई नवेली' की कहानी एक जाने-पहचाने भारतीय परिवार की झलक देती है। कहानी में एक आम परिवार की दुनिया बेहद दिलचस्प तरीके से बदल जाती है, और फिर इसमें लार्जर देन लाइफ किरदारों, परिवार में होने वाले मजाक और ढेर सारे ट्विस्ट और टर्न के अलावा फैमिली डॉग के भी उस उथल पुथल में शामिल हो जाने की झलक मिलती है। फैमिली, कॉमेडी, फेंटेसी, मिस्ट्री और एक्शन को एक साथ मिलाते हुए फिल्म दर्शकों के सामने एक साथ मस्ती, ह्यूमर, इमोशन और बहुत सारे दिलचस्प सरप्राइज़ लेकर आती है। फिल्म की कहानी भारतीय परिवार के जड़ों से जुड़ी हुई है, और इस तरह से ये दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में लेकर जा रही है जिसे उन्होंने कभी नहीं देखा है। हर नई परत के खुलने के साथ नई नवेली फिल्म अपनी तरह की इकलौती लार्जर देन लाइफ बिग स्क्रीन एडवेंचर बनकर इस दशहरा के मौके पर कुछ अलग देने का वादा करती है। कहानी के केंद्र में नेशनल अवॉर्ड विनर यामी गौतम धर मोहिनी के किरदार के साथ एक बेहद अलग अवतार में नजर आने वाली हैं। जबरदस्त लुक से लेकर बॉडी लैंग्वेज तक, उनकी कॉमिक बिट्स और एक्शन किरदार में सेंस ऑफ सरप्राइज़ लेकर आ रहे हैं। एक इवेंट में यामी ने अपने रोल के बारे में और उसकी तैयारी करने के प्रोसेस पर बात की कि कैसे उन्होंने मोहिनी को एक पूरी तरह से नई पर्सनालिटी बनाई है। उन्होंने साझा करते हुए कहा, हर रोल अपने साथ एक नए चैलेंज और डिमांड लाता है। जब भी कोई मुझसे किसी रोल की तैयारी के बारे में पूछता है, तब मैं उस याद में चली जाती हूं, जब मैंने पहली बार उस रोल के बारे में सुना या पढ़ा था। यामी ने कहा, तब आपको एहसास होता है कि मज़ा तो बहुत आ रहा है, लेकिन आपको बहुत सी चीज़ें भी सीखनी पड़ती हैं, जैसे स्किल्स, एक्शन, और बॉडी लैंग्वेज। यह ऐसा है जैसे आपको अपने सामने एक पैरेलल पर्सनैलिटी बनानी है और फिर उसे अपनी स्किन की तरह पहनना है, वही इंसान बनना है। आगे बात करते हुए वे कहती हैं, मैं ऐसी स्टूडेंट हूं जो हमेशा सोचती रहती हूं कि तैयारी में कहीं कुछ कमी तो नहीं रह गई। मेरा मानना है कि आप जितनी बार स्क्रिप्ट पढ़ते हैं, उतना ही आपको अपने किरदार या कहानी में कुछ नया जोड़ने का मौका मिलता है। फिल्म की नब्ज समझना बहुत जरूरी है। मोहिनी उसी तरह नहीं हंसेगी, जैसे मैंने अपनी दूसरी फिल्मों में निभाए किरदारों में हंसी है। मैं अपने हर किरदार में कुछ एक्स्ट्रा एलिमेंट, कुछ नया जोड़ने की कोशिश करती हूं, ताकि ऑडियंस को भी उसे देखने में मजा आए। यामी गौतम धर स्टारर इस फिल्म को बालाजी मोहन ने डायरेक्ट किया है, जबकि इसकी कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म में अङ्किनाथ एम. कोठारे, अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवार, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुस्मिता मुखर्जी और प्रतीक पचौरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।





आईटी सर्च में नाम आने पर रकुल प्रीत सिंह ने दी सफाई

अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह ने इनकम टैक्स छापों से अपना नाम जुड़ने की खबरों पर रिएक्ट किया। अभिनेत्री ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। दरअसल, 28 सितंबर को आयकर विभाग ने अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह और फिल्म निर्माता वासु भगनानी से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी की है। 28 सितंबर 2026 को मुंबई में आयकर विभाग ने रकुलप्रीत सिंह, वासु भगनानी और पैनोरमा स्टूडियोज के परिसरों की तलाशी ली थी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक नोट पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने मीडिया द्वारा गलत अफवाहों को फैलाने पर अफसोस जताया। उन्होंने लिखा, 'यह देखकर बहुत दुख होता है कि आजकल कुछ खुद को रिपोर्टर कहने वाले लोग और कुछ बड़े मीडिया पत्रकार बिना सच्चाई जाने खबरों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहे हैं। इसलिए, मैं एक बार फिर सब कुछ साफ कर देती हूं।' उन्होंने आगे लिखा, 'अभी हाल ही में हमारे घर में जो तलाशी हुई है, उससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। इस बात हर कोई वाकिफ है कि मैं एक फौजी परिवार से ताल्लुक रखती हूं और इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था। मैं अपनी कड़ी मेहनत से यहां तक पहुंची हूं और 20 साल की उम्र से एक जिम्मेदार नागरिक की तरह अपना पूरा टैक्स भी भरती आ रही हूं।' अभिनेत्री ने साफ किया कि उनका नाम किसी भी गैरकानूनी कामों से जुड़ा नहीं है। उन्होंने लिखा, 'मैं किसी भी तरह के गैरकानूनी विदेशी लेनदेन में शामिल नहीं हूं, न तो खुद के लिए और न ही किसी प्रोडक्शन हाउस के लिए। मैं यह भी साफ कर दूं कि मेरे नाम पर देश या विदेश में कहीं भी गैरकानूनी प्रॉपर्टी नहीं है। न ही कभी किसी ने मुझे प्रॉपर्टी गिफ्ट की और न ही मैं इस तरह से तोहफे स्वीकार करती हूं।' अभिनेत्री ने अफवाह फैलाने वाले मीडिया संस्थानों से अपील कि की वे इस तरह की खबरें न फैलाएं। उन्होंने लिखा, 'जिन्होंने मेरे खिलाफ मनगढ़ंत खबरें छापी हैं। मैं उनसे उस खबर को वापस लेने की अपील करती हूं, साथ ही सच्चाई बताने के लिए कहती हूं। मैं समझती हूं कि मीडिया पर भी अपना बिजनेस चलाने का दबाव होता है लेकिन यह दबाव सच्चाई की कीमत पर नहीं होना चाहिए और बिल्कुल भी किसी की इज्जत और रोजी-रोटी की कीमत पर तो नहीं होना चाहिए।'



हनुमान अंश की सफलता पर ऋचा चड्ढा ने तोड़ी चुप्पी

'हनुमान अंश' को सिनेमाघरों में दो महीने होने वाले हैं। यह फिल्म भारत में 300 करोड़ से ज्यादा और वर्ल्डवाइड 400 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी है। अब इसकी सफलता पर एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने अपनी राय दी है। बॉलीवुड की बेबाक और संजीदा अभिनेत्री ऋचा चड्ढा का मानना है साल 2026 को कंटेंट आधारित सिनेमा के लिए बड़ा साल कहना अभी जल्दबाजी होगी। ये निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में दर्शकों की पसंद में कोई बड़ा बदलाव आया है।

'हनुमान अंश' की सफलता पर ऋचा का बेबाक विश्लेषण

2026 को 'कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा' का लैंडमार्क साल कहे जाने पर असहमति जताते हुए ऋचा चड्ढा ने कहा, अगर बात सिर्फ 'हनुमान अंश' के संदर्भ में है, तो वह एक अलग मामला है। इसके अलावा इस साल और क्या चला है? हमारी तुलना हॉलीवुड से नहीं की जा सकती। पौराणिक और धार्मिक फिल्में भारतीय दर्शकों के बीच हमेशा से सुरक्षित और लोकप्रिय रही हैं। ये फिल्में तो लोग देखते ही हैं। इसलिए यह कहना अभी बहुत जल्दबाजी होगा कि इंडस्ट्री में अचानक कुछ बहुत बेहतरीन होने लगा है। ऋचा का मानना है कि धार्मिक या पौराणिक विषयों पर बनी फिल्मों का एक स्थापित दर्शक वर्ग है, जो बिना किसी झिझक के थिएटर तक आता है। इसे पूरे सिनेमा उद्योग में आए वैचारिक या रचनात्मक बदलाव के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

राइटर्स को मिले बेहतर पैसे, तभी बदलेगा सिनेमा

भारतीय फिल्म उद्योग को वास्तव में कंटेंट-संचालित बनाने के उपाय पर बात करते हुए ऋचा ने सबसे अहम मुद्दे पर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि जब तक पटकथा लेखकों को सही सम्मान और बेहतर पारिश्रमिक नहीं मिलेगा, तब तक बड़े बदलाव की उम्मीद करना बेमानी है। 'हनुमान अंश' का 2 करोड़ के बजट से 423 करोड़ तक का ऐतिहासिक सफर विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी फिल्म 'हनुमान अंश' आध्यात्मिक गुरु नीम करोली बाबा के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर आधारित है। बेहद शांत शुरुआत करने वाली इस फिल्म को 'वर्ड ऑफ माउथ' का ऐसा जबरदस्त सहारा मिला कि यह 2026 की सबसे बड़ी सरप्राइज हिट बन गई।



रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स तेलुगु' को होस्ट करते नजर आएंगे तेजा सज्जा

तेलुगु सिनेमा के अभिनेता तेजा सज्जा अब एक बिल्कुल नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही स्ट्रीमिंग रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स तेलुगु' को होस्ट करते नजर आएंगे। शो का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज किया गया, जिसमें तेजा सज्जा की होस्ट के तौर पर झलक देखने को मिली। शो में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 20 सेलिब्रिटीज हिस्सा ले रहे हैं और इनके बीच भरोसे, झूठ, रणनीति और दिमागी खेल का मुकाबला देखने को मिलेगा। 'द ट्रेटर्स तेलुगु' अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर फॉर्मेट का पहला तेलुगु एडिशन है। शो में चिन्मयी श्रीपदा, हर्ष वर्धन, प्रगति महावाड़ी, श्रीदेवी चौधरी, निखिल विजयेंद्र सिम्हा, विद्या रमन, विष्णु ओई, श्राव्या वर्मा, डॉ. मेघनाथ रेड्डी, मौनीषा चौधरी, स्वीकर अगस्ती, आशिका पादुकोण, वर्षा डी'सूजा, प्रणव उर्फ अभिनवकवि, एसएस वर्धन, राहत अचंता, गौरव सुनील, साई रोनक, पुष्पला धनंजय और फल्गुनी बांगेड़ा नजर आएंगे। शो का हिस्सा बनने और इसे होस्ट करने को लेकर तेजा सज्जा ने कहा, ''मेरे लिए यह बिल्कुल नया अनुभव है। मैं इस तरह के फॉर्मेट का हिस्सा बनने को लेकर काफी उत्साहित हूं, क्योंकि यह मेरे अब तक के काम से बिल्कुल अलग है। मुझे ऐसे फॉर्मेट वाले तेलुगु एडिशन का हिस्सा बनने का मौका पहली बार मिला है, जो दुनियाभर में काफी लोकप्रिय हो चुका है।'' तेजा ने कहा, ''तेलुगु एंटरटेनमेंट के लिए यह एक बड़ा मौका है। शो सिर्फ एक लोकप्रिय इंटरनेशनल फॉर्मेट को तेलुगु दर्शकों के सामने नहीं ला रहा, बल्कि इसे स्थानीय दर्शकों के हिसाब से अपनी अलग पहचान और अंदाज भी दिया गया है। बतौर होस्ट भी मेरे लिए यह खेल उतना ही अनप्रेडिक्टेबल है, जितना इसमें हिस्सा लेने वाले कंटेस्टेंट्स के लिए।'' तेजा ने आगे कहा, ''शो में कंटेस्टेंट्स के बीच झूठ, माइंड गेम्स, अचानक बनने वाले गठजोड़ और लगातार एक-दूसरे पर शक करने का सिलसिला देखने को मिलेगा। हर कदम पर गेम बदल सकता है और किसी भी कंटेस्टेंट को यह भरोसा नहीं रहेगा कि सामने वाला वास्तव में उसके साथ है या उसके खिलाफ। अब मुझे इस बात का इंतजार है कि दर्शक इसमें शामिल कंटेस्टेंट्स से जुड़ें और गेम के आगे बढ़ने के साथ खुद भी अंदाजा लगाते रहें कि आखिर कौन किसके साथ है।'' 'द ट्रेटर्स तेलुगु' जल्द ही प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाला है।

शाहरुख की फिल्म में करीना की भी हुई एंट्री

अभिनेता शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' का इंतजार फैंस को बेसब्री से है। मगर इस फिल्म का गाना 'डैडी कूल' और भी ज्यादा खास होने वाला है। खबर है कि इस गाने में बादशाह के साथ करीना कपूर भी दिखाई देगीं।

'डैडी कूल' में क्या है खास

शाहरुख खान और करीना कपूर खान आगामी एक्शन फिल्म 'किंग' के एक महत्वपूर्ण गाने में एक बार फिर साथ नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार करीना ने 'डैडी कूल' नामक इस गाने में विशेष भूमिका निभाने के लिए हामी भरी है, जिसकी शूटिंग इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका में एक भव्य तरीके से होगी।



पहले भी साथ काम कर चुके शाहरुख-करीना

फिल्म 'किंग' का गाना डैडी कूल ऐसा पहला प्रोजेक्ट नहीं है, जिसके लिए शाहरुख और करीना साथ काम कर रहे हों। इससे पहले करीना और शाहरुख 'अशोका', 'कभी खुशी कभी गम' और 'रा.वन' जैसी बड़ी फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा करीना शाहरुख की कई फिल्मों में कैमियो या स्पेशल गाना भी कर चुकी हैं। कविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक 'डैडी कूल' को इस एक्शन फिल्म के मुख्य गानों में से एक के रूप में प्रस्तुत किया जाना है। प्रोडक्शन शेड्यूल के अनुसार, करीना को दक्षिण अफ्रीका में शाहरुख के साथ अपने हिस्से की शूटिंग के लिए लगभग पांच दिन दिए गए हैं। क्रॉस-कल्चरल देखने को मिलेगा रिपोर्ट्स के मुताबिक इन दो बॉलीवुड सितारों को एक साथ लाने के अलावा, इस सीक्वेंस में एक बड़ा क्रॉस-कल्चरल सहयोग भी देखने को मिलेगा। इस गाने में एक भारतीय कलाकार एक अंतरराष्ट्रीय कलाकार के साथ नजर आएंगे।

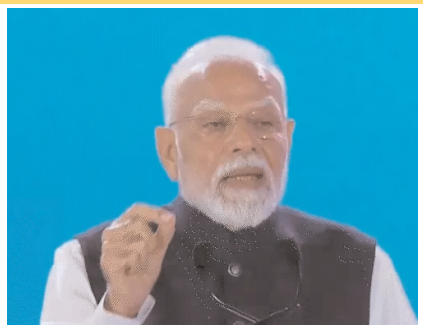


ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में पीएम ने गिनाईं भारत की उपलब्धियां, कहा- कोविड में 100 से ज्यादा देशों को वैक्सीन दी

मोदी बोले- दुनिया को भरोसेमंद साझेदार की जरूरत, भारत दूसरों को सशक्त बनाने में विश्वास रखता है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि दुनिया को जब सस्ती दवाओं और प्रतिभाशाली युवाओं की जरूरत होती है, तो भारत पर भरोसा किया जाता है। भारत ने दुनिया को शून्य दिया, लेकिन कभी इसके लिए श्रेय या रॉयल्टी नहीं मांगी। उन्होंने कहा कि भारत की ताकत दूसरों के लिए अवसर पैदा करने, देशों को जोड़ने और वैश्विक चुनौतियों के समय भरोसेमंद साझेदार बनने में है। प्रधानमंत्री दिल्ली में पहली बार आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में बोल रहे थे। करीब 25 मिनट के संबोधन में उन्होंने डिजिटल तकनीक, कोविड वैक्सीन की आपूर्ति, आर्थिक सुधारों, स्टार्टअप, गरीबी उन्मूलन और ऊर्जा बदलाव सहित कई मुद्दों पर भारत की भूमिका का उल्लेख किया। इस वर्ष फोरम की थीम 'बदलती दुनिया में ताकत के नए स्रोत तय करना' है। तीन दिवसीय आयोजन 15 अक्टूबर तक चलेगा। पावर का उद्देश्य दूसरों को सशक्त बनाना मोदी ने कहा कि ज्ञान, धन और शक्ति का महत्व इस बात से तय होता है कि उनका इस्तेमाल किस उद्देश्य के लिए किया जाता है। भारत दूसरों को सक्षम बनाने और देशों के बीच सहयोग बढ़ाने में विश्वास रखता है। उनके मुताबिक, सरकार के पास अधिकार होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका उद्देश्य नागरिकों को व्यवस्था पर निर्भर बनाने के बजाय उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना होना चाहिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली जैसे भारतीय प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत का जोर दुनिया को



जोड़ने और भरोसेमंद साझेदारी बनाने पर है। प्रधानमंत्री ने कोविड महामारी के दौरान भारत की वैक्सीन आपूर्ति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत ने 100 से अधिक देशों तक वैक्सीन पहुंचाई। मोदी के मुताबिक, भारत अपनी तकनीकी और औद्योगिक क्षमताओं का इस्तेमाल केवल अपने हितों के लिए नहीं, बल्कि व्यापक मानवता के लाभ के लिए करना चाहता है। उन्होंने यह भी कहा कि डिजिटल तकनीक के माध्यम से सरकारी योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचाने की व्यवस्था विकसित की गई है। इससे सरकार और नागरिकों के बीच सीधा संपर्क स्थापित हुआ है। मोदी ने कहा कि दुनिया एक संकट से उबरने का प्रयास करती है, तभी दूसरी चुनौती सामने आ जाती है। ऊर्जा, खनिज, भुगतान व्यवस्था, आपूर्ति शृंखला और तकनीक अब देशों के बीच प्रभाव और दबाव के साधन भी बन रहे हैं। इसी दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई हर क्षेत्र में काम करने के तरीकों को बदल रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में दुनिया को भरोसेमंद साझेदारों की जरूरत है।

मंत्री प्रफुलभाई पंशेरिया ने 350 बेड वाले स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट सिविल हॉस्पिटल के कंस्ट्रक्शन का रिव्यू किया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। गुजरात के लोगों को उनके घर तक वर्ल्ड-क्लास हेल्थ सर्विस देने के राज्य सरकार के वादे को पूरा करने के तहत, आनंद में बन रहे स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट 350 बेड वाले सिविल हॉस्पिटल का काम अब पूरी रफ़्तार से चल रहा है। आज, राज्य के हेल्थ राज्य मंत्री, श्री प्रफुलभाई पंशेरिया ने आनंद में बन रहे इस शानदार सिविल हॉस्पिटल की साइट का दौरा किया और चल रहे कंस्ट्रक्शन के काम का डिटेल में रिव्यू किया। इस ज़रूरी दौरे के दौरान, आनंद से लोकलडीला MP, श्री मितेशभाई पटेल भी मौजूद थे।



यह नया सिविल हॉस्पिटल मॉडर्न सुविधाओं से लैस होगा। राज्य सरकार और केंद्र सरकार के जॉइंट ग्रांट और सहयोग से बन रहा यह 350 बेड का हॉस्पिटल सिर्फ़ एक बिल्डिंग नहीं है, बल्कि आणंद और आस-पास के ग्रामीण इलाकों के लाखों लोगों के लिए एक बड़ा हेल्थ गिफ्ट साबित होने वाला है। मंत्री ने हॉस्पिटल के चल रहे कंस्ट्रक्शन का इंस्पेक्शन किया और वहां मौजूद डॉक्टरों और इंजीनियरों से बातचीत की। स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट इक्विपमेंट और ऑपरेशन थिएटर: मॉडर्न टेक्नोलॉजी से लैस मशीनरी और स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट ऑपरेशन थिएटर लगाए जा रहे हैं ताकि मरीज़ों को बड़े शहरों की तरफ़ भागना न पड़े। मदर एंड चाइल्ड केयर: माँ और बच्चे की हेल्थ के लिए स्पेशल वार्ड और सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी, ताकि मैटरनिटी या पीडियाट्रिक ट्रीटमेंट में कोई रुकावट न आए। मुफ़्त और आसान इलाज: सरकार का मुख्य लक्ष्य यह पक्का करना है कि इतनी बड़ी बिल्डिंग और सर्जरी और महंगी दवाओं पर करोड़ों खर्च करने के बाद भी, अंत्योदय समेत सबसे छोटे व्यक्ति और गरीब परिवार को भी सबसे अच्छा इलाज पूरी तरह से मुफ़्त और आसानी से मिले। प्रशासन को समय सीमा के अंदर काम पूरा करने के सख्त निर्देश इस दौरे के दौरान, मंत्री ने मुख्यमंत्री के साफ निर्देशों को दोहराया और कहा कि सरकार के स्तर पर पूरी सावधानी बरती जा रही वगह मिलेगी।

राहुल गांधी पर महिला पत्रकार को धक्का देने का आरोप, भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की ओर निकाले गए विपक्षी मार्च के दौरान महिला पत्रकार ऋचा पाराशर ने राहुल गांधी पर धक्का देने का आरोप लगाया है। पत्रकार के मुताबिक, वह तीन महीने की गर्भवती हैं और घटना के दौरान सीढ़ियों पर गिरने से उनके पेट और घुटनों में चोट आई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके कैमरामैन समेत कई लोग उनके ऊपर गिर गए, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। मामले को लेकर भाजपा ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधा, वहीं कांग्रेस ने आरोपों को खारिज करते हुए इसे राजनीतिक प्रचार बताया। कांग्रेस नेताओं ने वायरल वीडियो और घटना के घटनाक्रम पर सवाल उठाए हैं। घटना को लेकर दोनों दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

खिलाड़ी बिना किसी डर के गरबा का मज़ा ले सकते हैं महिलाओं की सुरक्षा के लिए अहमदाबाद पुलिस का सख्त कदम

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

अहमदाबाद। नवरात्रि के महान त्योहार, जो गुजरात की सांस्कृतिक पहचान है, का उत्साह पूरे राज्य में चरम पर है। कानून और व्यवस्था बनाए रखने वाली अहमदाबाद पुलिस दिन-रात काम कर रही है ताकि यह पक्का हो सके कि खिलाड़ी नवरात्रि की रंगीन रातों में नाच सकें और गरबा का मज़ा ले सकें। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और त्योहार के माहौल में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस सिस्टम पूरी तरह से तैयार है। इस संबंध में,



अहमदाबाद शहर में संवेदनशील और व्यस्त माने जाने वाले सोला पुलिस स्टेशन की टीम ने इलाके के सभी मशहूर गरबा पार्टी प्लॉट्स और इवेंट्स में गहन चेकिंग और स्पेशल पेट्रोलिंग की है। टीम पार्टी प्लॉट्स में चौबीसों घंटे इंटेंसिव पेट्रोलिंग कर रही है नवरात्रि के दौरान देर रात तक चलने वाले गरबा इवेंट्स में महिलाओं की सेफ्टी को सबसे ज़रूरी बनाने के लिए सोला पुलिस की 'साथ' टीम एक्शन मोड में आ गई है। टीम: बिना परमिशन के घूमने वाले एंटी-सोशल एलिमेंट्स या संदिग्ध लोगों पर कड़ी नज़र रखी जा रही है। खिलाड़ी, खासकर लड़कियां और महिलाएं बिना किसी डर या झिझक के गरबा का मज़ा ले सकें, इसके लिए कड़े सिक्योरिटी इंतज़ाम किए गए हैं। पुलिस का मैसेज: 'सेफ्टी और सिक्योरिटी हमारी प्रायोरिटी है! अहमदाबाद पुलिस ने साफ मैसेज दिया है कि फेस्टिवल के दौरान लॉ एंड ऑर्डर से कोई छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर कोई भी व्यक्ति महिलाओं से छेड़छाड़ या छेड़छाड़ करने की कोशिश करता है, तो सोला पुलिस और टीम उसके खिलाफ तुरंत और बहुत सख्त लीगल एक्शन लेगी। सक्रियता और सतर्कता के कारण माता-पिता और खिलाड़ियों में भी काफी राहत और सुरक्षा की भावना देखी जा रही है

गुजरात हाईकोर्ट का आदेश, पुलिस भर्ती में ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी के लिए एक पद खाली रखें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने पुलिस भर्ती में ट्रांसजेंडर अभ्यर्थियों के अधिकारों से जुड़े मामले में अहम अंतरिम आदेश दिया है। भावनगर के एक ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी की याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने राज्य सरकार और पुलिस भर्ती बोर्ड को निर्देश दिया कि मामले की अंतिम सुनवाई और आदेश होने तक भर्ती प्रक्रिया में एक पद खाली रखा जाए। याचिकाकर्ता ने भर्ती प्रक्रिया में ट्रांसजेंडर समुदाय को समान अवसर देने और उनके लिए स्पष्ट नियम बनाने की मांग को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के नालसा फैसले का हवाला देते हुए समुदाय के संवैधानिक अधिकारों और सरकारी नौकरियों में समान अवसर का मुद्दा उठाया गया। अंतिम निर्णय याचिका पर आगे होने वाली सुनवाई के बाद आएगा।

एनआरआई की 26 बीघा जमीन पर कब्जे के आरोप में तीन गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। गुजरात के सूरत जिले के कामरेज तालुका स्थित घाला गांव में विदेश में रहने वाले भारतीयों की करीब 26 बीघा जमीन पर कथित अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। जमीन पर कब्जा कर गन्ने की खेती करने के आरोप में कामरेज पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि जमीन मालिकों की गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर इस पर कब्जा किया गया था। कलेक्टर कार्यालय के आदेश के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के अनुसार, घाला गांव की सीमा में स्थित जमीन के असली मालिक लंबे समय से विदेश में रह रहे हैं। आरोप है कि उनकी अनुपस्थिति का फायदा उठाकर कुछ लोगों ने जमीन पर कथित रूप से अवैध कब्जा कर लिया और वहां गन्ने की खेती शुरू कर दी। मामले की जानकारी मिलने के बाद जमीन मालिकों की ओर से जिला कलेक्टर के समक्ष शिकायत पेश की गई। शिकायत पर कलेक्टर कार्यालय की ओर से कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके बाद कामरेज पुलिस ने जांच करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

यूपीआई पेमेंट पर नया चार्ज दिवाली तक टला, बड़े व्यापारियों को देना पड़ सकता है 0.4% शुल्क

एनपीसीआई ने त्योहारी सीजन को देखते हुए फैसला आगे बढ़ाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान करने वाले कारोबारियों के लिए यूपीआई से जुड़े प्रस्तावित शुल्क को लेकर अहम बदलाव सामने आया है। 15 अक्टूबर से लागू होने वाला प्रस्तावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क दिवाली तक टाल दिया गया है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने त्योहारी सीजन में बाजार और कारोबार पर असर को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। हालांकि, शुल्क कब से लागू होगा, इसकी नई तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। प्रस्ताव के अनुसार, निर्धारित शर्तें पूरी करने वाले बड़े व्यापारियों को ?2,000 से अधिक के प्रत्येक यूपीआई भुगतान पर 0.4 प्रतिशत शुल्क देना पड़ सकता है। यह शुल्क दुकानदार या व्यापारी से लिया जाएगा, ग्राहक से अलग से नहीं। हालांकि, शुल्क की वास्तविक देयता व्यापारी की श्रेणी और लागू नियमों पर निर्भर करेगी। प्रस्तावित व्यवस्था के मुताबिक, जिन व्यापारियों का मासिक यूपीआई संग्रह 1 लाख तक है, उन्हें 2,000 से अधिक के भुगतान पर भी शुल्क से छूट देने की बात कही गई है। वहीं, महीने में 1 लाख से अधिक का यूपीआई



संग्रह करने वाले व्यापारियों पर निर्धारित शर्तों के तहत शुल्क लागू हो सकता है। 2,000 या इससे कम के प्रत्येक भुगतान पर शुल्क नहीं लेने का प्रावधान भी बताया गया है। यह सीमा प्रत्येक अलग-अलग लेनदेन के आधार पर लागू होगी, न कि पूरे दिन की कुल बिक्री पर। यदि कोई छोटा व्यापारी लगातार तीन महीने तक निर्धारित मासिक संग्रह सीमा से अधिक कारोबार करता है, तो उसे बड़े व्यापारी की श्रेणी में शामिल किए जाने का प्रावधान बताया गया है। प्रस्ताव में बड़े भुगतान के लिए अधिकतम शुल्क की सीमा भी रखी गई है। बताया गया है कि 75,000 या इससे अधिक के एक लेनदेन पर अधिकतम 300 शुल्क लिया जा सकता है। इसके अतिरिक्त लागू होने पर 18 प्रतिशत जीएसटी भी देना होगा। वहीं, पेट्रोल पंप, रेलवे, दूरसंचार, बीमा और कुछ अन्य निर्धारित क्षेत्रों में 2,000 से अधिक के भुगतान पर प्रतिशत के बजाय प्रति लेनदेन 5 का शुल्क प्रस्तावित है। इन प्रावधानों का अंतिम प्रभाव लागू होने वाले आधिकारिक नियमों पर निर्भर करेगा। यदि किसी पात्र बड़े व्यापारी को 2,500 का भुगतान मिलता है, तो 0.4 प्रतिशत की दर से 10 शुल्क बनेगा। 5,000 के भुगतान पर यह राशि 20 और 10,000 के भुगतान पर 40 होगी। इन राशियों पर लागू जीएसटी अलग से जुड़ सकता है। 75,000 या उससे अधिक के भुगतान पर प्रस्तावित अधिकतम सीमा के अनुसार शुल्क 300 तक रहेगा, जिसके साथ लागू जीएसटी भी देय हो सकता है। दिवाली के दौरान कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, आभूषण और अन्य सामानों की खरीदारी बढ़ जाती है। इस अवधि में डिजिटल भुगतान का इस्तेमाल भी अधिक होता है। कारोबारियों और भुगतान क्षेत्र से जुड़े पक्षों की आशंका थी कि त्योहारों के बीच नया शुल्क लागू होने से व्यापारियों की लागत बढ़ सकती है और भुगतान व्यवस्था को लेकर भ्रम पैदा हो सकता है।

38 सीटों पर प्रचंड जीत,'आप' का सूपड़ा साफ; 'महानगर मेट्रो' का एग्जिट पोल साबित हुआ 100% सटीक!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर महानगर पालिका चुनाव के आधिकारिक परिणामों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जनता की नब्ज़ पहचानने और सटीक पत्रकारिता के मामले में हमारा नेटवर्क हमेशा अव्वल रहता है। गत 11 अक्टूबर 2026 को हमारे विशेष एग्जिट पोल में जो आंकड़े सामने रखे गए थे, आज मतगणना के बाद राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अंतिम नतीजों ने ठीक उन्हीं आंकड़ों पर अपनी मुहर लगा दी है। हमारा सटीक विश्लेषण और ग्राउंड रिपोर्टिंग शत-प्रतिशत खरी उतरी है! एग्जिट पोल का अनुमान और सटीक नतीजे 11/10/2026 को प्रकाशित रिपोर्ट में जो अनुमान लगाया गया था, उसकी वास्तविक नतीजों से तुलना देखिए भारतीय जनता पार्टी हमारा अनुमान 32 से 36 सीटों का था, जबकि बीजेपी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 38 सीटों पर कब्जा जमाया! कांग्रेस कांग्रेस को 6 के आसपास सीटें मिलने का अनुमान था, और नतीजों में कांग्रेस को 5 सीटें हासिल हुई हैं। अनुमान के मुताबिक 1 सीट निर्दलीय के खाते में जाने की बात कही गई थी, जो बिल्कुल सच साबित हुई और 1 सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी की जीत हुई। 'आप' का खाता भी नहीं खुलने का हमारा स्पष्ट दावा था, और नतीजों में आम आदमी पार्टी का पूर्ण सफाया हो गया और वह शून्य (0) पर सिमट गई! राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, गांधीनगर नगर निगम के 11 वार्डों की कुल 44 सीटों पर चुनाव संपन्न हुए थे। इसमें सत्तारूढ़ बीजेपी ने 38 सीटों पर एकतरफा जीत दर्ज कर अपनी सत्ता बरकरार रखी है। वहीं, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को 5 सीटों से ही संतोष करना पड़ा। साल 2021 के चुनावों में बीजेपी ने 41, कांग्रेस ने 2 और आप ने 1 सीट जीती थी। इस बार आम आदमी पार्टी अपना पुराना प्रदर्शन भी नहीं दोहरा सकी और उसका सूपड़ा साफ हो गया। तब हमारी ग्राउंड रिपोर्टिंग टीम ने जमीनी हकीकत को जनता के सामने बेबाकी से रखा था।

सोनाली बेंद्रे बोलीं–रिश्तों में पंगे जरूरी, पार्टनर को बदलने के बजाय स्वीकार करना सीखें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे इन दिनों 'धमाल विद पति-पत्नी और पंगा 2' को होस्ट कर रही हैं। यह शो 10 अक्टूबर से हर शनिवार और रविवार रात 9 बजे कलर्स चैनल पर प्रसारित हो रहा है। शो के नए सीजन के साथ सोनाली रिश्तों की नोकझोंक, आपसी समझ और प्यार के अलग-अलग पहलुओं पर खुलकर बात कर रही हैं। उनका मानना है कि किसी भी रिश्ते में परफेक्ट होना जरूरी नहीं है। छोटी-मोटी तकरार, एक-दूसरे को मनाना और मतभेदों के बावजूद साथ बने रहना ही रिश्ते को खूबसूरत बनाता है। सोनाली के मुताबिक, पार्टनर को अपनी पसंद के मुताबिक बदलने की कोशिश करने के बजाय उसे जैसा है, वैसा स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने अपने पति गोल्डी बहल के साथ 20 साल से ज्यादा की शादीशुदा जिंदगी के अनुभव साझा करते हुए बताया कि दोनों के स्वभाव में अंतर होने के बावजूद उनका रिश्ता आपसी समझ और साथ पर टिका है। उन्होंने यह भी कहा कि बीमारी के दौरान गोल्डी ने जिस तरह उनका साथ निभाया, वह उनके लिए जिंदगी का सबसे बड़ा तोहफा है। सोनाली ने शो के बारे में बताया कि इसमें हर जोड़े की अपनी कहानी और अपने पंगे हैं। दर्शकों को शुरुआती एपिसोड से ही अलग-अलग रिश्तों की झलक देखने को मिलेगी। उनके अनुसार, शो की खासियत यह है कि इसे पूरा परिवार एक साथ देख सकता है। इसमें रिश्तों की खट्टी-मीठी नोकझोंक, हंसी-मजाक और एक-दूसरे को समझने के अनुभव को मनोरंजक अंदाज में प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि दूसरे जोड़ों को देखकर अपने रिश्ते की खूबियों का भी एहसास होता है। गोल्डी के शांत स्वभाव की तारीफ करते हुए सोनाली ने बताया कि कई बार दूसरों को देखकर समझ आता है कि हम अपने साथी की अच्छी आदतों को सामान्य मानकर उनकी अहमियत भूल जाते हैं। गोल्डी बहल की सबसे पसंदीदा खूबी के बारे में सोनाली ने उनके सेंस ऑफ ह्यूमर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि गोल्डी बिना चेहरे पर कोई भाव लाए ऐसी बात कह देते हैं, जो सीधे निशाने पर लगती है। सोनाली का मानना है कि रिश्ते में यह सोचना जरूरी नहीं कि साथी में कौन-सी खूबी होनी चाहिए। उनके अनुसार, पार्टनरशिप का अर्थ एक-दूसरे को स्वीकार करना है। वह न तो गोल्डी को बदलना चाहती हैं और न ही उनसे उम्मीद करती हैं कि वह उन्हें बदलने की कोशिश करें। सोशल मीडिया पर आदर्श कपल दिखने का दबाव बढ़ने के सवाल पर सोनाली ने कहा कि परफेक्शन जैसी कोई चीज नहीं होती। इंसान की कमियां और छोटी-छोटी खामियां ही उसे खास बनाती हैं। उनके मुताबिक, रिश्तों में भी मतभेद होना स्वाभाविक है। जरूरी यह है कि लोग एक-दूसरे को समझें और कमियों के बावजूद साथ निभाएं। अपनी और गोल्डी की नोकझोंक के बारे में सोनाली ने बताया कि उन्हें चीजें व्यवस्थित रखना और पहले से योजना बनाकर चलना पसंद है, जबकि गोल्डी अचानक योजना बनाने और चीजों को अपने तरीके से चलने देने में सहज हैं। दोनों के स्वभाव का यही अंतर कभी-कभी



छोटी-मोटी तकरार की वजह बन जाता है। सोनाली ने मजाकिया अंदाज में यह भी कहा कि गोल्डी को उनकी कोई आदत परेशान नहीं करती हो, ऐसा संभव नहीं है, लेकिन वह यह जानना नहीं चाहतीं कि उनकी कौन-सी बात गोल्डी को खटकती है। उन्होंने कहा कि रिश्तों में प्यार भरी नोकझोंक भी जरूरी है और हर बात पर सहमत होना आवश्यक नहीं है। 20 साल से ज्यादा के साथ में सीखा रिश्ते का मतलब सोनाली और गोल्डी का रिश्ता दोस्ती से शुरू होकर शादी तक पहुंचा। सोनाली के मुताबिक, दोनों एक-दूसरे को लंबे समय से जानते थे। वे पहले पेशेवर साथी रहे, फिर दोस्त बने और धीरे-धीरे उनका रिश्ता आगे बढ़ा।

'वोट चोर, गद्दी छोड़ो' नारे के साथ 'लोकतंत्र बचाओ मार्च', SIR प्रोसेस के खिलाफ खेड़ा जिले में सियासत गरमाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तालुका। दांता और हदद तालुका में आंगनवाड़ी डिपार्टमेंट में पिछले कुछ समय से अच्छा बदलाव देखा जा रहा है। नई CDPO के आने के बाद आंगनवाड़ी बहनें भी रेगुलर और अच्छा काम कर रही हैं। बच्चों को समय पर पौष्टिक खाना मिल रहा है, इसलिए उनके काम की तारीफ़ माता-पिता और आस-पास के लोग कर रहे हैं। लेकिन इस अच्छे काम के बीच एक काला धब्बा फिर से सामने आया है, जिससे लोगों में काफ़ी नाराज़गी है। क्या है पूरा मामला? आरोप के मुताबिक, आंगनवाड़ियों को मिलने वाले पौष्टिक खाने को थोक में बेचने का एक बड़ा स्कैम सामने आया था। मीडिया को भी इन गाड़ियों के अलग-अलग जगहों पर छोटे बच्चों के हक का सामान पकड़े जाने के सबूत मिले, जिसमें वीडियो और गाड़ी के नंबर भी शामिल हैं। गांव वालों के मुताबिक, उस समय किसी वजह से मामला दबा दिया गया और कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई। एक ही व्यक्ति को फिर से वितरण का काम सौंपने पर सवालों का बवंडर सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस वितरण प्रणाली के खिलाफ इतने गंभीर आरोप थे, उसे फिर से दांता और हदद तालुका में आंगनवाड़ी आपूर्ति वितरित करने का काम सौंपा गया है। इस फैसले के खिलाफ कई सवाल उठे हैं: वीडियो और वाहन नंबर जैसे सबूत देने के बावजूद, सिस्टम द्वारा इसकी जांच क्यों नहीं की गई? अकेले ताली बजाना संभव नहीं है। क्या इस आपूर्ति को सीधे गोदाम से बेचने में ठेकेदार की भी मिलीभगत है?

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर के विरोध में कर रहे थे प्रदर्शन, केंद्र ने निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाया जंतर-मंतर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका को हिरासत में ले लिया। दोनों पार्टी समर्थकों के साथ जंतर-मंतर पहुंचे थे और वहां नारेबाजी कर रहे थे। पार्टी ने हिरासत में लिए गए नेताओं का वीडियो जारी किया। सीजेपी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में प्रदर्शन कर रही है। हिरासत में लिए गए आशुतोष रांका ने कहा कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक जंतर-मंतर पर प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल 10 लोग आए हैं, लेकिन आने वाले दिनों में प्रदर्शनकारियों की संख्या बढ़ सकती है।रू सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने भी कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर तिरंगा लहराना कानून का उल्लंघन कैसे हो सकता है। उन्होंने इसे तानाशाही मानसिकता का उदाहरण बताते हुए विरोध जताया। केंद्र सरकार ने सोमवार को जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटा दिया था। करीब 33 साल पहले जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल के रूप में निर्धारित किया गया था। यहां पहले अन्ना आंदोलन और पहलवानों के प्रदर्शन सहित कई आंदोलन हो चुके हैं। गृह मंत्रालय की ओर से गठित समिति की सिफारिश पर अब रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली के सीबीडी मैदान को प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों में शामिल किया गया है। जंतर-मंतर को सूची से हटाने के पीछे सरकार ने कोई आधिकारिक वजह नहीं बताई है। इससे पहले सोमवार को सीजेपी के नेता संसद मार्ग थाने पहुंचे थे। उन्होंने पुलिस से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए





तारीख और समय निर्धारित करने की मांग की थी तथा 24 घंटे में जवाब देने को कहा था। इसके कुछ समय बाद जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटाने का आदेश जारी हुआ।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.